बुधवार

29 सितंबर 2021

आश्विन कृष्णा,अष्ठ, संवत 2078

वर्ष : 13, अंक : 251

कुल पृष्ठ : 12

मूल्य : 2/-

email : punchhindiranchi@gmail.com

e-Paper - www.avnpost.com


| शेयर बाजार | |
|---|---|
| संसेक्स | 59667.60 |
| निफ्टी | 17,748.60 |
| सोना (प्रति 10 ग्राम) | 47,632.00 |
| चांदी (प्रति 10 ग्राम) | 762.00 |

| सूर्योदय | सूर्यास्त |
|---|---|
| कल प्रातः | आज संध्या |
| 05:38 | 05:39 |

| तापमान | |
|---|---|
| अधिकतम | 27° |
| न्यूनतम | 22° |


02 भारत योजना के तहत निजी ...



रांची, पटना व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित



03 करतूरबा गांधी आवासीय ...


## संक्षिप्त खबरें

### आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का: उपराष्ट्रपति नायडू

**जोधपुर।** उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू ने कहा कि आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। यह तकनीक आने वाने वाले समय में हर क्षेत्र में दिखेगी। वर्ष 2035 तक यह तकनीक भारतीय अर्थ व्यवस्था में महत्वपूर्ण मानी जाएगी। वे मंगलवार को जोधपुर में आईआईटी में सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन क्लस्टर का उदघ़ाटन में बोल रहे थे। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने नायडू ने कहा आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। यह तकनीक हर क्षेत्र में आगे आने वाली है। 2035 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में यह तकनीक महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि यह सही है कि यह तकनीक जॉब कम करती है, लेकिन इससे भविष्य में काम भी बढ़ेंगे। भारत का युवा जो लगातार अपग्रेड हो रहा है। खासकर डेटा साइंस में उनके लिए बहुत फायदेमंद होगी। इस तकनीक से नए स्टार्टअप्स आएंगे।

### जयशंकर ने की मैक्सिको के राष्ट्रपति से मुलाकात

**नई दिल्ली।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मैक्सिको के राष्ट्रपति एन्ड्रेस मैनुएल से मुलाकात की और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शुभकामना संदेश दिया। अपनी मुलाकात की जानकारी देते हुए जयशंकर ने कहा कि इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति मैनुएल को प्रधानमंत्री मोदी की ओर से शुभकामना संदेश दिया। दोनों देशों की सरकारों की प्राथमिकताओं और प्रथाओं पर एक खुली बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि हमारे बीच अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान की अपार संभावनाएं हैं। मैक्सिको के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने गए विदेश मंत्री ने यात्रा के दौरान अपने बांग्लादेशी समकक्ष मोहम्मद शहरयार आलम, बेलीज के प्रधानमंत्री जॉनी ब्रिसेनो और विदेश मंत्री इमोन कर्टनी, सर्बिया की प्रथम महिला तमारा वुजिक से भी मुलाकात की।

### पंजाब के किसानों का कर्ज माफ करें नये मुख्यमंत्री : टिकैत

**नई दिल्ली।** भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि पंजाब के नये मुख्यमंत्री किसानों का पूरा कर्ज माफ करें। टिकैत ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि उन्हें उम्मीद है कि पंजाब के नये मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी कांग्रेस के वादे को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने वादा किया था कि वो पंजाब के किसानों का पूरा कर्ज माफ करेगी। ऐसे में नये मुख्यमंत्री को अपना फर्ज निभाना चाहिए और पार्टी के वादे को पूरा करना चाहिए। टिकैत ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार सब कुछ बेचने पर तुली है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार तीनों कृषि कानून के माध्यम से किसानों के खेतों को भी निजी हाथों में सौंपना चाहती है। टिकैत ने एक बयान में मीडिया से अनुरोध किया कि वो भी किसानों का साथ दें। उन्होंने कहा कि मीडिया को भी केन्द्र सरकार छोड़ने वाली नहीं है। ऐसे में मीडिया को किसानों के साथ खड़ा होना चाहिए न की सरकार के साथ।

### भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को मंजूरी मिलने में होगी देरी

**नई दिल्ली।** देश की स्वदेशी कंपनी भारत बायोटेक को विश्व स्वास्थ्य संगठन से एक बार फिर झटका लगा है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि फिलहाल आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण में कुछ और दिनों की देरी होगी। डब्ल्यूएचओ ने भारत बायोटेक को उसकी कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन को इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी देने के लिए कंपनी से और डाटा उपलब्ध कराने को कहा है। कोवैक्सीन को डब्ल्यूएचओ की ओर से इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी में देरी होने की वजह से विदेशी यात्रा करने वालों की दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। डब्ल्यूएचओ की ओर से अनुमति मिले बिना कोवैक्सीन अधिकांश देशों द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा। कोवैक्सीन के अप्रूवल को लेकर डब्ल्यूएचओक की स्ट्रेटेजिक एडवाइजरी ग्रुप ऑफ एक्सपर्ट ऑन इम्यूनाइजेशन की बैठक 5 अक्टूबर को होगी।

### छत्तीसगढ़ में अब तक 1.86 करोड़ से अधिक टीके लगाए गए

**रायपुर।** कोरोना से बचाव के लिए प्रदेश में अब तक एक करोड़ 86 लाख 62 हजार 548 टीके लगाए गए हैं। इनमें से प्रदेश के एक करोड़ 35 लाख 44 हजार 403 लोगों को पहला टीका और 51 लाख 18 हजार 145 को दोनों टीके लगाए जा चुके हैं। प्रदेश में 45 वर्ष से अधिक के 83 प्रतिशत और 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के 57 प्रतिशत नागरिक कोरोना से बचाव का पहला टीका लगवा चुके हैं। वहीं 45 वर्ष से अधिक के 49 प्रतिशत तथा 18 से 44 आयु वर्ग के 25 प्रतिशत लोग दोनों टीके लगवा चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, प्रदेश में तीन लाख दस हजार 235 स्वास्थ्य कर्मियों, तीन लाख 18 हजार 131 फ्रंटलाइन वर्कर्स, 45 वर्ष से अधिक के 57 लाख 42 हजार 238 और 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के 71 लाख 73 हजार 799 नागरिकों को कोरोना से बचाव का पहला टीका लगाया जा चुका है।

---

**सीएम हेमंत सोरेन ने टीका एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना**

# कोरोना की चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार की पूरी तैयारी: मुख्यमंत्री

- राज्य में 1 करोड़ 70 लाख से अधिक लोगों का हो चुका है टीकाकरण

पंच संवाददाता

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज पुराना विधानसभा के बगल स्थित मैदान, धुर्वा, रांची से टीका एक्सप्रेस) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि राज्य में कोविड-19 टीकाकरण अभियान में तेजी लाने के उद्देश्य से आज 60 मोबाइल वैक्सीनेशन वैन को राज्य के विभिन्न जिलों में रवाना किया जा रहा है। ये सभी वैन टीका एक्सप्रेस के रूप में टीकाकरण अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण से आने वाली संभावित चुनौती से निबटने के लिए राज्य सरकार द्वारा पूरी तैयारी की गयी है। राज्य के सभी जिलों में टीका एक्सप्रेस चलाकर छूटे हुए लोगों का वैक्सीनेशन कराने का काम आज से शुरू हो रहा है। इन टीका एक्सप्रेसोंर की मदद से लोगों को टीका लेने में सहूलियत होगी। लोगों को यह सुविधा उनके घरों पर ही उपलब्ध होगी। राज्य में 1 करोड़ 70 लाख से अधिक मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि अब तक राज्य भर में 1 करोड़ 70 लाख से अधिक लोगों को कोविड-19 का टीका लग चुका है। लगभग 40 लाख लोगों को टीका का दूसरा डोज भी लग चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अधिक से अधिक लोगों तक टीकाकरण अभियान पहुंचे इसी क्रम में आज राज्य में केयर के सहयोग से टीका एक्सप्रेस का शुभारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पहले भी कोविड-19 संक्रमण काल में राज्य सरकार ने टीकाकरण अभियान में गति लाने को लेकर नए-नए कार्यक्रमों के जरिए लोगों तक पहुंचने का काम किया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण से बचने का बहुत ही सीमित औषधियां देश और दुनिया में उपलब्ध है। वैज्ञानिकों ने इस संक्रमण से बचने के लिए कोविड-19 वैक्सीन का खोज किया है।

## नवजोत सिद्धू का पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा

- समर्थन में मंत्री रजिया सुल्ताना का भी इस्तीफा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** नवजोत सिंह सिद्धू ने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। सिद्धू ने सोनिया गांधी को अपना इस्तीफा भेज दिया है। सिद्धू ने लिखा है कि मैं पंजाब के भविष्य और पंजाब के कल्याण के एजेंडे से समझौता नहीं कर सकता हूं। पत्र में लिखा है कि एक आदमी के चरित्र का पतन समझौते से उपजा है, मैं पंजाब के भविष्य और पंजाब के कल्याण के एजेंडे से कभी समझौता नहीं कर सकता। इसलिए, मैं पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देता हूं। कांग्रेस की सेवा करता रहूंगा। पंजाब कांग्रेस में मचा घमासान खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया। इसकी वजह सिद्धू को माना गया। उन्होंने साफ-साफ कहा कि वो सिद्धू के साथ काम नहीं कर सकते। इस्तीफे के बाद कैप्टन ने सिद्धू ने लगातार हमले किए उन्हें देशविरोधी तक कहा। अमरिंदर ने कहा कि अगर कांग्रेस सिद्धू को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाती है तो वो इसका हर हद तक विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि वो सिद्धू के खिलाफ एक मजबूत उम्मीदवार खड़ा करेंगे, वह (सिद्धू) राज्य के लिए खतरनाक हैं। सिद्धू के इस्तीफे पर अमरिंदर सिंह ने ट्वीट कर कहा कि मैंने कहा था वह स्थिर व्यक्ति नहीं है और पंजाब जैसे सीमावर्ती राज्य के लिए उपयुक्त नहीं है।

## 224 करोड़ में बनेगा कांटाटोली ओवरब्रिज

- विवि में घंटी आधारित शिक्षकों की अवधि बढ़ाई गई
- राज्य में 25 एमवीआई की होगी नियुक्ति
- सुकुरहुट्टू में 113 करोड़ से बनेगा ट्रांसपोर्ट नगर

पंच संवाददाता

**रांची।** राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में घंटी आधारित शिक्षकों को सेवा विस्तार दे दिया गया है। 31 मार्च 2022 तक विश्वविद्यालय में घंटी आधारित शिक्षकों की सविंदा बढ़ाई गई है। मंगलवार को आयोजित झारखंड कैबिनेट की बैठक में इसे स्वीकृति दे दी गई है। 30 सितंबर को इनकी संविदा समाप्त हो रही थी। साथ ही कैबिनेट की बैठक में राज्य में 25 नए मोटर यान निरीक्षक की नियुक्ति का निर्णय लिया है। राज्य में 24 पहले से ही कार्यरत हैं। टश्कुकी नियुक्ति के लिए जिले को ए, बी और सी की तीन कैटेगरी में बांटा गया है। ए में 3, बी में 2 और सी में 1 की नियुक्ति की जाएगी। कैबिनेट की बैठक में रांची के कांके थाना क्षेत्र के सुकुरहुटू में ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माण को स्वीकृति दे दी गई। सीएम हेमंत सोरेन पहले ही इसे अपनी मंजूरी दे चुके हैं। सुकुरहाटू में 48 एकड़ भूमि में मॉडल पर ट्रांसपोर्ट नगर तैयार किया जाएगा। इसे 113 करोड़ 24 लाख रुपए से तैयार किया जाएगा।

**कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण निर्णय**

→ देवघर के दुम्मा में आवासीय कॉलोनी विकसित करने के लिए नगर विकास व आवास विभाग के पक्ष में हस्तांतरित 58 एकड़ प्रति कदीम भूमि को झारखंड राज्य आवास बोर्ड, रांची को निशुल्क हस्तांतरण किए जाने की स्वीकृति दी गई।

→ सरायकेला-खरसावां के चांडिल अनुमंडल में अनुमंडलीय न्यायालय के गठन करने की स्वीकृति दी गई।

### शांति नगर से योगदा मठ तक 2224 मीटर लंबा बनेगा फ्लाई ओवर

**रांची।** नई डीपीआर के मुताबिक, इसे अब कोकर के शांति नगर से बहू बाजार होते हुए योगदा सत्संग मठ तक बनाया जाएगा। इसमें अब 224.94 करोड़ रुपए खर्च होंगे। पहले इसे कोकर स्थित शांति नगर से खादगढ़ा बस स्टैंड के थोड़ा आगे तक बनना था। नई डीपीआर में इसे 24 महीने के भीतर पूरा कर लेने का लक्ष्य रखा गया है।

### मुर्मू और महतो बने आन्दोकारी चिन्हितीकरण आयोग के सदस्य

**रांची।** देवघर के नरसिंह मुर्मू और पश्चिमी सिंहभूम के भुवनेश्वर महतो को झारखंड आंदोलन चिन्हितीकरण आयोग का सदस्य बनाया गया है। इस संबंध में गृह विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। सेवा निवृत्त भारतीय पुलिस सेवा के दुर्गा उरांव को पहले ही आयोग का अध्यक्ष मनोनीत किया गया था। झारखंड आंदोलनकारी मोरचा के मुख्य संयोजक व अधिवक्ता मुमताज खान ने आयोग के सदस्यों का मनोनयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग में सदस्यों के मनोनयन से झारखंड आंदोलनकारियों को चिन्हित करने में तेजी आयेगी।

## पुलिस-नक्सली मुठभेड़, सहायक कमांडेंट शहीद, एक नक्सली भी ढेर

पंच संवाददाता

**लातेहार।** उग्रवादी संगठन जेजेएमपी और झारखंड जगुआर के बीच मंगलवार के दोपहर करीब 3 बजे मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में झारखंड जगुआर के सहायक कमाडेंट राजेश कुमार शहीद हो गये, वहीं, एक नक्सली की मौत हो गयी। सहायक कमांडेंट श्री कुमार के दाहिने सीने एवं जांघ में गोली लगी थी। उन्हें घायल अवस्था में लातेहार से हेलीकाप्टर से रांची भेजा गया था, लेकिन मेडिका हॉस्पिटल में इलाज के दौरान वो शहीद हो गये। घटना सदर थाना क्षेत्र के नारायणपुर-सलैया गांव के जगड़ा पहाड़ की है। जानकारी के अनुसार, झारखंड जगुआर की टीम स्थानीय पुलिस के सहयोग से उग्रवादियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन में निकली थी। पुलिस की टीम नावागढ़ गांव होते हुए जगड़ा पहाड़ की ओर जा रही थी। इसी दौरान पहाड़ पर पहले से जमे खखटढ के उग्रदवादियों ने सुरक्षा बलों को देखते ही गोली चलाना शुरू कर दिया। सुरक्षा बलों के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए मोर्चा संभाल लिया। दोनों ओर से लगभग आधे घंटे तक रूक-रूक गोलीबारी होती रही। इस गोलीबारी में जगुआर के सहायक कमाडेंट कुमार उग्रवादियों के गोली के शिकार हो गये। आनन-फानन में मुठभेड़ स्थल से ही सुरक्षा बलों ने इसकी सूचना वरीय पुलिस पदाधिकारियों को दी।

## कांग्रेस में शामिल हुए कन्हैया और जिग्नेश

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सीपीआई नेता कन्हैया कुमार और गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवानी ने आज कांग्रेस का दामन थाम लिया है। इससे पहले राहुल गांधी के साथ दोनों नेता दिल्ली के आईटीओ स्थित शहीदी पार्क पहुंचे। यहां तीनों नेताओं ने भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल भी मौजूद रहे।

कांग्रेस दफ्तर के बाहर लगे पोस्टर दिल्ली में सुबह ही कांग्रेस दफ्तर के बाहर कन्हैया कुमार के स्वागत के पोस्टर लग गए हैं। कई नेताओं ने अपने-अपने पोस्टर लगाकर 'जनाब कन्हैया कुमार' को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल होने पर स्वागत और शुभकामनाएं दी हैं। पोस्टर में राहुल गांधी की बड़ी तस्वीर लगी है। कन्हैया कुमार के सीपीआई छोड़ने की कई वजह सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि वह बड़ी भूमिका चाहते थे और पार्टी के सीनियर नेता इसके लिए एकमत नहीं थे। 2016 में जेएनयू में कथित तौर पर देश विरोधी नारे लगाने के बाद कन्हैया कुमार सुर्खियों में आए थे। इसके बाद से उन्होंने कई विवादित बयान दिए। उनके निशाने पर पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह रहते हैं। अब कांग्रेस के लिए उनका आना कितना फायदेमंद होगा, यह वक्त बताएगा।

लेफ्ट पार्टी सीपीआई के लिए भी यह झटका माना जा रहा है। हालांकि पार्टी के लोग इसे अस्थायी झटका बता रहे है। उनका तर्क है कि पार्टी की विचारधारा सबसे अहम है, यहां किसी व्यक्ति को नहीं पार्टी को महत्व दिया जाता है। कन्हैया को कांग्रेस में शामिल करवाने में किसकी भूमिका कांग्रेस के विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक कन्हैया कुमार को कांग्रेस के निकट लाने में सबसे बड़ी भूमिका विधायक शकील अहमद खान ने निभाई है। बताया जा रहा है कि कन्हैया से उनका अच्छा तालमेल है और उन्होने ही राहुल गांधी से कन्हैया कुमार की मुलाकात करवाई थी। दरअसल नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ आंदोलन में भी शकील बिहार में कन्हैया के साथ घूम रहे थे।

### लद्दाख में तनाव के बीच चीन की भारत में घुसपैठ

**नई दिल्ली।** लद्दाख में भारत और चीन के बीच तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अब खबर है कि 30 अगस्त को चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के 100 सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की थी. सूत्रों ने बताया कि ये सैनिक घोड़े पर सवाल होकर उत्तराखंड के बाराहोती पहुंचे थे. इतना ही नहीं चीनी पक्ष भारतीय क्षेत्र में करीब तीन घंटों तक रुका रहा था. दोनों देशों के बीच बीते साल मई से तनाव काफी बढ़ गया था। सूत्रों ने कहा कि चीन सेना ने पैदल पुल को भी खत्म कर दिया था, लेकिन इस दौरान उनका सामना भारतीय सेना से नहीं हुआ. उन्होंने बताया, जब तक सेना और के जवान आए, तो सैनिक वापस लौट गए थे. हालांकि, सरकार ने इस घुसपैठ के बारे में जानकारी होने से इनकार किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि सरकार के पास ऐसी कोई जानकारी नहीं थी।.

## जलवायु परिवर्तन का मुकाबला अनुसंधान और उपकरण से: प्रधानमंत्री मोदी

- आधुनिक कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी को हर गांव तक ले जाने की अवश्कता
- भारतीय बाजरा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ले जाने के लिए टास्क

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन को पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि जब विज्ञान, सरकार और समाज मिलकर काम करेंगे तो नतीजे बेहतर आएंगे। उन्होंने कहा कि किसानों और वैज्ञानिकों का ऐसा गठबंधन देश को नई चुनौतियों से निपटने में मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण नये प्रकार के कीट, नये बीमारियां, महामारियां सामने आ रही हैं, जिससे मानव एवं पशुओं के स्वास्थ्य पर बड़ा खतरा उत्पन्न हो रहा है तथा फसलें भी प्रभावित हो रही हैं। इन पहलुओं पर गहन निरंतर शोध आवश्यक है। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने जलवायु परिवर्तन और कुपोषण को दूर करने के लिए विशेष गुणों वाली 35 फसलों की किस्में राष्ट्र को समर्पित की। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने इन्हें विकसित किया है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान रायपुर के नवनिर्मित परिसर को भी राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालयों को ग्रीन कैंपस अवार्ड भी वितरित किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कृषि क्षेत्र में नवीन तरीकों का उपयोग करने वाले देश के अलग-अलग हिस्सों के पांच किसानों के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में उच्च गुणवत्ता वाले कृषि डेटा और वास्तविक समय समाधान प्राप्त करने के लिए आधुनिक ड्रोन और सेंसर के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

## पीएम आवास योजना से सोशल मोबलाइजेशन को मिला बढ़ावा: विजया जाधव

- प्रोजेक्ट बिल्डिंग सभागार में आवास पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन
- 46 हजार भूमिहीनों को घर दिया गया

पंच संवाददाता

**रांची।** प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से न केवल लोगों को आवास दिया जा रहा है, बल्कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ देकर गरीब और वंचित परिवारों को सशक्त बनाने का भी प्रयास किया जा रहा है। ये बाते नगर विकास निदेशालय की निदेशक सुश्री विजया जाधव ने प्रोजेक्ट बिल्डिंग सभागार में आयोजित आवास पर संवाद कार्यक्रम में कही।

जाधव ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित अमृत महोत्सव के पूर्व सरकार की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर सीधे लाभुकों से संवाद कर उनके विचारों से अवगत होना है। साथ ही उन्हें कल्याणकारी योजना से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना में महिलाओं को भी को- ओनरशिप प्रदान किया जा रहा है, ताकि उन्हें उनका हक दिया जा सके। आवास पर संवाद कार्यक्रम के उद्देश्य की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे लोगों को एक मंच प्रदान करना है, जो वंचित हैं और जो पीएम योजना में परोक्ष रूप से अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

आवास योजना शहरी की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि इसके कुल चार अवयव हैं। उनमें से राज्य में तीन अवयवों पर काम हो रहा है। अब तक 1.57 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं। उसमें से 77 हजार आवास पूर्ण हो चुके हैं। 50 हजार आवास निर्माण का काम तीव्र गति से चल रहा है। उन्होंने बताया कि 46 हजार भूमिहीनों को घर दिया गया है। बताया कि सरकार ने स्लम एरिया को चिह्नित किया है साथ ही ऐसे इलाकों में 15 हजार 817 आवास की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

सामाजिक अंकेक्षण के विशेषज्ञ श्री गुरमीत सिंह ने कहा कि कन्वर्जन लेवल पर भी काम किया जा रहा है। सोसल ऑडिट से भी सोशल मोबलाइजेशन हुआ है। लोगों में सरकार की योजना को लेकर जागरूकता आई है। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस के पूर्व निदेशक डॉक्टर अमर एरॉन तिग्गा ने कहा कि पीएम आवास योजना से कई सामाजिक बदलाव आये हैं। आवास के साथ सरकार की ओर से रसोई गैस, बिजली, पानी की सुविधाएं उपलब्ध होने से वंचितों के बच्चे तरक्की के सपने देखते हैं और उसे पूरा करने का प्रयास भी करते हैं।

## चरमरायी अफगानिस्तान की बैंकिंग प्रणाली

एजेंसी

**काबुल।** अफगानिस्तान की बैंकिंग प्रणाली चरमराने के करीब है। बीबीसी ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि इस्लामिक बैंक ऑफ अफगानिस्तान के मुख्य कार्यकारी सैयद मूसा कलीम अल-फलाही ने कहा है कि देश का वित्तीय उद्योग अस्तित्व के संकट की चपेट में है और ग्राहक में घबराहट कायम है। फिलहाल सैयद मूसा कलीम काबुल में अराजकता के कारण दुबई में हैं। उन्होंने दुबई से बोलते हुए कहा, इस समय बड़ी निकासी हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, केवल निकासी हो रही है, अधिकांश बैंक काम नहीं कर रहे हैं और पूरी सेवाएं नहीं दे रहे हैं। अगस्त में तालिबान के नियंत्रण में आने से पहले ही अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही अस्थिर स्थिति में थी। लेकिन तालिबान के अधिग्रहण के बाद से, पश्चिम ने अंतरराष्ट्रीय फंड को फ्रीज कर दिया है, जिसमें अफगानिस्तान की संपत्ति विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास पहुंच सकती है। कुल मिलाकर अंतर्राष्ट्रीय धन और विदेशी सहायता प्राप्त करना अफगानिस्तान के अस्तित्व की कुंजी है। लेकिन अमेरिका जैसे देशों ने कहा है कि वे तालिबान के साथ काम करने पर विचार करने को तैयार हैं, मगर यह कुछ पूर्व शर्तों पर निर्भर करेगा।

## एक झलक

### अनगड़ा थाना पुलिस ने चलाया एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

**अनगड़ा** : अनगड़ा थाना पुलिस ने मंगलवार को अनगड़ा चौक में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया। अनगड़ा थानेदार ब्रजेश कुमार को रांची-मुरी मार्ग से कुछ असमाजिक तत्वों के गुजरने की जानकारी मिली थी। इसी सूचना के आधार पर चेकिंग अभियान चलाया गया। चार पहिया व दो पहिया वाहनों की सघन जांच की गई। वाहनों के कागजात आदि की जांच की गई। थानेदार ब्रजेश कुमार ने बताया कि, क्षेत्र में शांति व सुरक्षा का माहौल बनी रहे इसको लेकर एंटी क्राइम चेकिंग अभियान समय समय पर चलाया जाता है।

### बैल ने बुजुर्ग को मार कर किया गंभीर रूप घायल

**बेड़ो** : प्रखंड के बोदा गांव निवासी 66 वर्षीय बुजुर्ग लजीम खान को मंगलवार दोपहर खेत में मवेशी चराने के दौरान एक बैल ने अचानक अपने सींग से वार कर दिया। अचानक हुए इस हादसे में लाजीम खान गंभीर रूप घायल हो गए। जिन्हें इनके परिजनों ने ग्रामीणों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो लाया। जहां डॉ अनुप्रिया ने प्राथमिक उपचार के बाद इन्हें बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि मवेशी चराने के दौरान एक बैल ने लजीम पर अचानक हमला कर दिया। जिससे उनके सीने में गंभीर चोटे लगी है।

### बेड़ो में नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ जिउतिया पर्व

**बेड़ो** : प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में संतान की दीघार्यु जीवन की मंगल कामना को लेकर मनाया जाने वाला जितिया व्रत नहाय-खाय के साथ मंगलवार को शुभारंभ हो गया है। व्रत के अनुष्ठान से एक दिन पूर्व नहाय-खाय की रस्म पूरी की जाती है। अगले दिन बुधवार को जिवित्पुत्रिका व्रत का अनुष्ठान किया जाएगा। पर्व को लेकर बाजारों की रौनक बढ़ गई हैं। सभी घरों में इस व्रत की तैयारियां चल रही हैं। पर्व के जरूरी सामानों की खरीदारी में लोग पूरी तरह व्यस्त हो गए हैं। मान्यता के अनुसार, नहाय-खाय के दिन प्रात: स्नान आदि के बाद व्रती सितपुतिया की सब्जी व मड़ुआ की रोटी का प्रसाद खाएंगे तथा शाम को पुआ-पकवान आदि व्यंजन खाकर चौबीस घंटे का निर्जला व कठिन व्रत प्रारंभ करेंगी। संतान की सलामती व दीघार्यु के लिए जिवित्पुत्रिका व्रत रखने का विधान है। इस व्रत का अनुष्ठान अश्विन मास कृष्ण पक्ष की सप्तमी से शुरू होती है और नवमी तिथि को समाप्त हो जाती है। जितिया व्रत संतान की लंबी आयु के लिए माताएं रखती हैं।

### अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया

**चान्हो** : सिलागाई मे केन्द्रीय डाक विभाग के रांची ईकाई द्वारा अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया। मौके पर उपस्थित केन्द्रीय अनुमंडल डाक निरीक्षक शिव कुमार सिंह ने अमर शहीद वीर बुधु भगत के वंशजो को शॉल ओढाकर सम्मानित किया साथ ही पहले से जारी हुए वीर बुधु भगत के नाम डाक टिकट भी उन्हे भेंट किया।इस दौरान उन्होने डाक विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभीन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए इसका लाभ उठाने का आह्वान भी किया।मौके पर शिवव्रत साहु,अभिषेक कुमार गुप्ता,शंकर साहु,मनेश्वर चौबे,मुकेश सिंह,कृष्णमनी यादव के अतिरिक्त शहीद के वंशज हरिहनन्द भगत,बिहारी भगत आदि मौजुद थे।

### मांडू में धोती साड़ी किया गया वितरण

**मांडू** : प्रखंड कज मांडू चट्टी पंचायत के पूर्व मुखिया अनीता देवी के द्वारा जन वितरण प्रणाली दुकान मनोज कुमार मोदी की दुकान में धोती साड़ी का वितरण की गई। मौके पर समाजसेवी बालेश्वर भुइयां, वार्ड सदस्य देवंती देवी, आनंद गंझू, सुधीर मोबीन,आलम अंसारी, मुन्नी देवी एवं सीता देवी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

---

## मनरेगा से विकास अभियान के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

# रामगढ़ पूरे देश के लिए एक आदर्श जिला : जयंत सिन्हा

▪ विधायक रामगढ़ ममता देवी एवं विधायक बड़कागांव अंबा प्रसाद रही उपस्थित

पंच संवाददाता

**रामगढ़** : समाहरणालय सभाकक्ष में 28 सितंबर को सांसद हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र जयंत सिन्हा की अध्यक्षता में ग्रामीणों की आस मनरेगा से विकास अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सांसद जयंत सिन्हा, विधायक रामगढ़ ममता देवी, विधायक बड़कागांव अंबा प्रसाद, उपायुक्त माधवी मिश्रा, जिला परिषद अध्यक्ष सहित अन्य ने दीप प्रज्वलित कर की। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त नागेंद्र कुमार सिन्हा ने कार्यशाला में उपस्थित सांसद, विधायक, उपायुक्त, अध्यक्ष जिला परिषद सहित अन्य अधिकारियों का स्वागत करते हुए अपना कीमती वक्त निकालकर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के दौरान सांसद हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र शजयंत सिन्हा ने कहा कि रामगढ़ जिला पूरे देश के लिए एक आदर्श जिला है। कई क्षेत्रों में रामगढ़ जिला ने काफी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अन्य जिलों के लिए एक उदाहरण पेश किया। कार्यशाला के विषय पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि मनरेगा को और भी प्रभावी बनाने के लिए यह बहुत जरूरी है कि महिलाओं की सहभागिता भी इसमें बढ़ाई जाए। इस दौरान उन्होंने विधायक रामगढ़ एवं विधायक बड़कागांव से अनुरोध किया कि वे महिलाओं को मनरेगा से जुड़कर रोजगार प्राप्त करने के प्रति प्रोत्साहित करें। इस दौरान माननीय विधायक ममता देवी ने जिला प्रशासन रामगढ़ को राज्य स्तरीय रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मनरेगा के क्षेत्र में जिला प्रशासन एवं सभी जनप्रतिनिधियों ने अपना पूरा योगदान दिया है। इस दौरान उन्होंने प्रवासी मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराने, समय से भुगतान करने तथा अलग-अलग क्षेत्रों से प्राप्त हो रही हो रही शिकायतों को समय से निष्पादित करने की बात कही। वही विधायक बड़कागांव अंबा प्रसाद ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित मनरेगा योजना एक बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के माध्यम से ग्रामीणों को सीधा फायदा हो रहा है। कोरोना काल के दौरान जिस प्रकार से मनरेगा के माध्यम से लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया वह अपने आप में एक बड़ी बात है। उन्होंने मौजूद सभी जनप्रतिनिधियों से मनरेगा का लाभ लेने में आ रही किसी भी प्रकार की कठिनाइयों को जिला प्रशासन तथा उन्हें अवगत कराने की अपील की। कार्यशाला के दौरान उपायुक्त माधवी मिश्रा ने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ग्रामीणों की आस मनरेगा से विकास अभियान का उद्देश्य मानव दिवस सृजन को बढ़ाना, महिलाओं की सहभागिता मनरेगा में बढ़ाना तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोगों को ज्यादा से ज्यादा मनरेगा के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराना है। इस दौरान उन्होंने कहा कि हाल ही में राज्य सरकार द्वारा मनरेगा के संबंध में जारी किए गए रैंकिंग में रामगढ़ जिला को पहला स्थान प्राप्त हुआ है। इसके लिए उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए अभियान को गंभीरता से लेने एवं इसे सफल बनाने हेतु कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। कार्यक्रम के दौरान जिले के अलग अलग प्रखंडों में कार्य कर रही पांच बैंकिंग कॉरस्पॉंडेंट सखियों को सांसद, विधायक एवं उपायुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।उक्त कार्यशाला के दौरान सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि, जिला स्तरीय पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों सहित अन्य उपस्थित थे।

---

# संवेदक व इंजीनियर का कमाल, बिना सीढ़ी निर्माण के ही बना देते हैं दो मंजिला स्कूल भवन

▪ करांजी में इंजीनियर ने बनाया बिना सीढ़ी का स्कूल भवन, पहले तल्ले के क्लास में जाने के लिए बच्चे करते हैं पुराने भवन के जर्जर सीढ़ी का इस्तेमाल

▪ मामले को बीइईओ, बीडीओ, डीडीसी व डीसी ने भी संज्ञान नहीं लिया

पंच संवाददाता

**बेड़ो** : भ्रष्टाचार की बानगी देखनी है तो प्रखंड के करांजी गांव में नव निर्मित उर्दू सरकारी स्कूल के भवन में चले जाए जहां दूसरी मंजिल पर जाने के लिए सीढ़ी ही नहीं बनाई गई। गांव के राजकीय उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय के परिसर में आठ कमरों का दो मंजिला भवन का निर्माण कराया गया हैं। जहां संवेदक द्वारा बिना सीढ़ी बनाए योजना मद की सारी राशि डकार लिए जाने की बू आ रही है। अब स्थिति ऐसी है कि बिना सीढ़ी वाले स्कूल में बच्चों को ऊपर चढ़ने के लिए पुराने भवन के जर्जर सीढ़ी से बच्चे व शिक्षक ऊपर तल्ले पर जाते है। विद्यालय भवन का निर्माण एमएसडीपी योजना से हुआ है। बताते चलें कि योजना 2017-18 की है। निर्माण स्थल व विद्यालय परिसर में कोई सूचना बोर्ड नहीं लगी हुई है। मामला पर प्रकाश डालते हुए नए स्कूल प्रबंधन समिति के अनुसार लगभग पूरी राशि की निकासी कर लिया गया है। मामले का उजागर तब हुआ जब स्कूल प्रबंधन समिति की नई कमिटि बनी और कमिटि ने शनिवार को निरीक्षण के दौरान देखा कि स्कूल के नए भवन में सीढ़ी, शौचालय, खिड़की,पंखा वायरिंग सभी को उखाड़ लिया गया है। प्रबंध समिति के अध्यक्ष सबीना खातुन, उपाध्यक्ष शहबान अंसारी ने बताया की भवन निर्माण कार्य में घोर अनियमितता बरती गई है। बीना सीढ़ी के दो मंजिला भवन बनाये जाने पर उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि सभी जगहों पर खिड़की दरवाजे भी सही से नहीं लगाए गए हैं। इस संदर्भ में शिक्षक अब्दुल जब्बारअंसारी ने बताया कि अभी तक संवेदक द्वारा नए स्कूल भवन को नहीं सौंपा गया। उन्होंने बताया कि इस समस्या को लेकर बीइईओ, बीडीओ, डीडीसी व डीसी तक को पत्राचार कर चुके है लेकिन समस्या का समाधान करने के लिए किसी ने भी पहल नहीं कि है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में कक्षा प्रथम से आठ तक में अभी कुल 140 छात्र छात्रएं, जिसमें तीन शिक्षक व दो पारा शिक्षक है।

---

### बैठक में क्षेत्रीय कमेटी की मजबूती पर हुई चर्चा

**उरीमारी** : सियाल अंबेडकर भवन में ऑल इंडिया एससी एसटी एंड ओबीसी इंप्लाइज कोऑर्डिनेशन काउंसिल बरका सयाल क्षेत्र की बैठक सयाल अंबेडकर भवन में मंगलवार को हुई। जिसमें क्षेत्रीय कमेटी को और मजबूत बनाने को लेकर चर्चा की गई साथ ही सदस्यता बढ़ाने और कर्मचारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक की अध्यक्षता सीसीएल अध्यक्ष वीरेंद्र पासवान और संचालन सीसीएल सह सचिव शशि कुमार दुसाद ने किया।मौके पर सीसीएल कोषाध्यक्ष सुमन कुमार , क्षेत्रीय सचिव कमलेश कुमार , क्षेत्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र पासवान, क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष ललन पासवान, कमलेश कुमार यादव, पचू राम, साहेब अंसारी, ललन यादव उपस्थित थे।

### उरीमारी पंचायत में 326 लोगों को लगी वैक्सीन

**उरीमारी** : उरीमारी पंचायत सचिवालय में जानलेवा कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए 326 ग्रामीणों को कोविशील्ड का टीका मंगलवार को लगाया गया। मौके पर मुखिया कमला देवी एवं उप मुखिया फुलमति किस्कू द्वारा पंचायत के सभी ग्रामीणों को बिना किसी अफवाह एवं भय से मुक्त होकर कोरोना टीका लगवाने की अपील किया गया। इसे लेकर पूरे पंचायत में जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। सरकार द्वारा दी जा रही टीकाकरण का लाभ सभी लोगों को उठानी चाहिए। ताकि पंचायत के ग्रामीणों को कोरोना से सुरक्षित रखा जा सके। शिविर को सफल बनाने में एएनएम अर्चना टोप्पो, सहिया साथी लक्ष्मी देवी, सहिया सुमिता कुमारी सुषमा श्रीवास्तव का सराहनीय योगदान रहा।

### श्रीरामनगर में पंचदेव मंदिर निर्माण हुआ आरंभ

**भुरकुंडा** : मस्जिद कॉलोनी के समीप श्रीरामनगर मंगलवार को मंदिर निर्माण विधिवत पूजा अर्चना के साथ आरंभ हो गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नारियल फोड़कर कार्य आरंभ किया। मंदिर निर्माण को लेकर क्षेत्र के लोगों में हर्ष व्याप्त है। मौके पर जवारनगर पंचायत मुखिया प्रदीप मांझी, योगेश दांगी, सतीश मोहन मिश्रा, राजेश सिन्हा, राजेंद्र राम, संजय कुमार दास, शिवकुमार तिवारी, बिनोद साव, नरेश रजक, महेश राम,सुरेश महतो, विकास कुमार तिवारी, सागर ठाकुर, अशोक कुमार, गौतम कुमार एवं पवन कुमार जवारनगर पंचायत मुखिया प्रदीप मांझी,योगेश दांगी, सतीश मोहन मिश्रा, राजेश सिन्हा, उपस्थित थे।

---

## दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत

पंच संवाददाता

**बुढ़मू** : दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई वही तीन घायल हो गये। जानकारी के अनुसार प्रियंका जयसवाल (31) अपने भाई उमेश जयसवाल के साथ बाइक में ठाकुरगांव से रातू जा रही थी इसी दौरान सुबह करीब 5:00 बजे रातू थाना क्षेत्र के टुइ टुइ अंबा के पास सब्जी लेकर कर जा गाड़ी ने बाइक को पीछे से धक्का मार दिया जिससे दोनों गिर पड़े। आनन-फानन में इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने प्रियंका को मृत घोषित कर दिया वही उमेश जयसवाल को हल्की चोट आई है। शव का पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार के लिए प्रियंका के ससुराल चतरा ले जाया गया। प्रियंका जितिया पर्व मनाने के लिए अपने ससुराल जाने के लिए घर से निकली थी। वहीं दूसरी ओर दोपहर करीब 3:00 बजे हुई सड़क दुर्घटना में पूरनीराय निवासी राजेंद्र महतो एवं एक अन्य घायल हो गए। जानकारी के अनुसार राजेंद्र महतो अपनी बाइक से रातु से राय जा रहा था इसी दौरान इटेहे मोड़ के पास एक बाइक उसकी बाइक टकरा गई जिसमें दोनों बाइक चालक घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को तत्काल एक निजी अस्पताल ले जाया गया वही राजेंद्र महतो को 108 के माध्यम से सीएससी लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया।

## भाजयुमो जिला ग्रामीण के कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

पंच संवाददाता

**अनगड़ा** : सेवा व समर्पण अभियान को लेकर मंगलवार को भाजयुमो कार्यकताओं ने रक्तदान दिया। सीएचसी अनगड़ा में सदर अस्पताल के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया गया। रक्तदान शिविर का आयोजन भाजयुमो रांची जिला ग्रामीण ने किया। इसका नेतृत्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष विवेक आनंद जायसवाल कर रहे थे। उदघाटन भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, भाजपा रांची जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार महतो व भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यदेव मुण्डा ने की। कुल तैतीस कार्यकताओं ने अपना अपना रक्तदान किया। गंगोत्री कुजूर ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को लेकर बीस दिवसीय घोषित कार्यक्रम के तहत रक्तदान किया गया। जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार महतो ने रक्तदान जीवनदान है इसी सोच के तहत रक्तदान किया गया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष विवेक आनंद जायसवाल ने कहा कि, रक्तदान कार्यक्रम में भाजपा के युवा कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अनगड़ा सीएचसी प्रभारी डॉ. अमरेन्द्र कुमार का भी इसमें उल्लेखनीय योगदान रहा। इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजयुमो अनगड़ा अध्यक्ष संतोष कुमार महतो, जिला मीडिया प्रभारी रामसाय मुण्डा, बुंडू नगर भाजयुमो अध्यक्ष अपुल राय, भाजयुमो कार्यालय मंत्री शुभम चेल, जिला प्रभारी रिद्धिराज, रंजन कुमार, संजय महतो, पूजा सिंह, संजय साहू, उमेश महतो, सत्यजीत सिंह, शशिकांत सिंह, नेहा सिंह, आशीष वर्मन, कुणाल शाहदेव, राहुल शाहदेव, अजय करमाली, सुप्रेश महतो, संजीत सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

## लोबिन भोगता मूसलाधार बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे हुआ खड़ा, ठनका गिरा, मौत

पंच संवाददाता

**अनगड़ा** : बैल चरा रहे लोबिन भोगता 44 वर्ष की मौत ठनका गिरने से हो गई। मृतक बेंती चांवरबेड़ा का रहनेवाला था। घटना सोमवार की शाम में हुई। लोबिन बैल चराकर अपने घर लौट रहा था। इसी बीच मूसलाधार बारिश होने लगी। बारिश से बचने के लिए लोबिन आम पेड़ के नीचे खड़ा हो गया। तभी आम पेड़ के बगल में ठनका आ गिरा। मौके पर ही लोबिन की मौत हो गई। मृतक घर का एक मात्र कमाऊ सदस्य था। घटना के बाद पत्नी पैरो देवी और पुत्र चुनूलाल भोगता का रो रोकर बुरा हाल था। घटना की जानकारी मिलते ही अनगड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजवाया। घटना की जानकारी मिलने पर भाजपा नेता सत्यदेव मुण्डा, बीसा मुखिया मानेश्वर मुण्डा, बेंती के ग्राम प्रधान कमलाकान्त बेंती, बीसा के ग्राम प्रधान उमेश कुमार बड़ाईक, पूर्व मुखिया सुषमा बड़ाईक, अजय करमाली, कपिल बड़ाईक, पंचायत सीमति सदस्य सविता देवी, भाजपा नेता सत्यदेव मुण्डा घटनास्थल पहुंचे। भाजपा नेता जैलेन्द्र कुमार ने प्रशासन से पीड़ीत परिवार को चार लाख रुपए मुआवजा देने मांग की।

---

# अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बैठक संपन्न

पंच संवाददाता

**रामगढ़** : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बैठक आभा भवन में रखी गई। जिसमें रामगढ़ नगर इकाई की घोषणा की गई। बैठक में मुख्य रूप से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश सह मंत्री नवलेश सिंह उपस्थित रहे।नवलेश सिंह ने कहा कि विद्यार्थी परिषद विश्व की सबसे बड़ी छात्र संगठन है और 1949 से निरंतर छात्रों के समस्या के समाधान के लिए कार्य कर रही है।विद्यार्थी परिषद छात्र हित के साथ साथ समाज और राष्ट्र हितों में भी कार्य करती है।नवलेश सिंह ने सभी कार्यकताओं को सक्रिय होकर कार्य करने को कहा। नवलेश सिंह के संबोधन के बाद जिला संयोजक अंशु पाण्डेय ने नगर इकाई की घोषणा की। जिसमे नगर अध्यक्ष प्रो. सुधीर कुमार, नगर उपाध्यक्ष प्रो नीलिमा झा, नगर मंत्री अभिषेक पांडेय नगर सह मंत्री भूमि सिंह,रुचि कुमारी, यश वर्मा और राजेश मुंडा को बनाया गया। कार्यलय मंत्री उमेश कुमार,राहुल रजक को बनाया गया। सोशल मीडिया प्रभारी गौतम कुमार और सपना कुमारी,कला मंच प्रमुख रेणुका कुमारी, रौशन कुमार, एसएफडी प्रमुख अंजलि कुमारी, सौरभ तिवारी,एसएफएस कृष्णा कुमार, अंजनी कुमारी, कोष प्रमुख सूरज ठाकुर , सिंपी कुमारी, खेल खुद प्रमुख प्रिंश सिंह, रोहित कुमार, छात्रावाश प्रमुख प्रकाश कुमार, अंशु कुमार, कोचिंग प्रमुख सूरज कुमार, टीएसवीपी प्रमुख सत्यम कुमार, प्लस टू प्रमुख सिमरन कुमारी तन्वी सिंह विशेष आमन्त्रित सदस्यता अमित साह, प्रो मधु सिंह, नगर कार्यसमिति सदस्य विशाल कुमार, विष्णु कुमार, अमरजीत कुमार रितिक कुमार, सागर ठाकुर, रश्मि कुमारी गीता कुमारी, इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्मृति सौरभ, शिवानी कुमारी, स्लोनी कुमारी, अंशु पांडे, मधु सिंह, संगठन मंत्री विक्रम राठौर उपस्थित रहे।

### चरमराई विद्युत आपूर्ति पर अधिकारियों से की मुलाकात

**रामगढ़** : भाजपा के युवा नेता राजीव जायसवाल ने रामगढ़ विधुत कार्यपालक अभियंता से मुलाकात कर कई समस्याओं से अवगत कराया । मालूम हो कि पिछले दिनों ही भाजपा नेता राजीव ने चितरपुर मे बिजली की लचर आपूर्ति को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस किया था ओर आंदोलन करने की चेतावनी दी थीं । वहीं विद्युत कार्यपालक अभियंता ने बताया कि कुछ तकनीकी कारणों से बिजली की सही से आपूर्ति नहीं हो पा रही थी, जिसे अब ठीक कर लिया गया है। सभी जगह अब नियमित रूप से बिजली की सप्लाई होगी।

## उपायुक्त ने की जिला सुरक्षा समिति एवं जिला कारा समिति की बैठक

पंच संवाददाता

**रामगढ़** : उपायुक्त रामगढ़ माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला सुरक्षा समिति एवं जिला कारा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त माधवी मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार के द्वारा रामगढ़ जिले में कार्यरत अंगरक्षकों के वर्तमान प्रतिनियुक्ति स्थलों की जानकारी ली गई। इस दौरान उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक सहित समिति के अन्य सदस्यों द्वारा आवश्यकतानुसार विभिन्न स्थलों पर अंगरक्षकों की प्रतिनियुक्ति करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वही जिला कारा समिति की बैठक के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा उपकारा रामगढ़ तथा व्यवहार न्यायालय रामगढ़ में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई। इस दौरान उन्होंने उप कारा रामगढ़ तथा व्यवहार न्यायालय रामगढ़ में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की जानकारी लेते हुए आवश्यकता अनुसार और सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने उपकारा रामगढ़ में मरामत्ती की आवश्यकता के संबंध में जानकारी लेते हुए कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल रामगढ़ मरम्मती का कार्य कराने का निर्देश दिया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारीपुलिस पदाधिकारी स्पेशल ब्रांच, उप कारा अधीक्षक, उपाधीक्षक सदर अस्पताल, सहायक कारा अधीक्षक, सहायक जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

### अमृत महोत्सव योजना के तहत पीसीसी पथ का किया शिलान्यास

**बरकाकाना** : केंद्रीय कर्मशाला नया नगर बरकाकाना के द्वारा पीरी पंचायत के ललकी धंसना में मंगलवार को आजादी के अमृतसर महोत्सव कार्यक्रम के तहत पीसीसी पथ का शिलान्यास केंद्रीय कर्मशाला के महाप्रबंधक त्रिपुरारी मिश्रा के द्वारा विधिवत नारियल फोड़कर किया गया। कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक त्रिपुरारी मिश्रा ने कहा कि समाजिक निर्मित गाइड योजना के अंतर्गत रह रहे क्षेत्र का विकास हर संभव मदद करने के लिए तत्पर है। मौके पर एसओपी एसएन बोहीदार, एसओसी रत्नेश्वर मल्लिक, शशि पंकज, रंजन भट्टाचार्य मोहम्मद आलम रवि कुमार मुखिया गंगाधर बेदिया सहित कई लोग मौजूद थे।

---

## भाजपा अनुसूचित जनजाति रामगढ़ जिला कार्यसमिति की हुई बैठक

# भारत एक गुलदस्ता, जिसमें आदिवासी खुशबू बिखेरते गुलाब : जयंत सिन्हा

▪ अप्रैल में शुरू हो जायेगा रांची-कोडरमा रूट पर रेल परिचालन

पंच संवाददाता

**रामगढ़** : भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा रामगढ़ जिला कार्यसमिति की बैठक मंगलवार को बरकाकाना कम्युनिटी हॉल में हुई जिसकी अध्यक्षता अनुसूचित जनजाति मोर्चा रामगढ़ जिला अध्यक्ष कुमेल उरांव और संचालन जिला महामंत्री राजेश करमाली ने किया बैठक में बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग लोकसभा के भाजपा सांसद जयंत सिन्हा उपस्थित रहे। वहीं मंचासीन अतिथियों में प्रदेश महामंत्री बिंदेश्वर उड़ाओ प्रदेश प्रवक्ता अनिल अकड़ा प्रदेश कार्यालय मंत्री रवि मुंडा, भाजपा रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, जिलामंत्री खिरोधर साहू, जिला महामंत्री छोटन सिंह शामिल रहे। बैठक की शुरूआत सांसद जयंत सिन्हा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलित कर किया गया। अतिथियों का स्वागत अनुसूचित जाति मोर्चा जिला उपाध्यक्ष प्रिया करमाली के द्वारा किया गया। झारखंड के पारंपरिक वेशभूषा में युवतियों ने स्वागत गान और लोकगीत से अतिथियों का अभिनंदन किया। मोर्चा के जिलाध्यक्ष कुमेल उरांव ने सांसद जयंत सिन्हा को शॉल और बुके देकर अभिनंदन किया। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी भारत देश रूपी गमले के गुलाब फूल हैं। जिससे देश का गुलशन खुशबू से सुगंधित होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर देश को चीरने का काम कर रही है। भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के सिद्धांत पर चलती है। तीन साल बाद होनेवाले विधानसभा चुनाव में यह सरकार झारखंड से गायब हो जायेगी। कहा कि क्षेत्र आनेवाले 25 वर्षों में अकल्पनीय परिवर्तन होगा। मार्च 2022 में रांची-बरकाकाना-कोडरमा पर ट्रेन चलेगी। राजधानी ट्रेन हफ्ते में एक दिन इस रूट पर चलेगी। क्षेत्र में विकास के काम निरंतर हो रहे हैं। बैठक में लोकसभा सांसद प्रतिनिधि नारायण चंद्र भौमिक, अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला प्रभारी जगरनाथ भगत, देवेंद्र सिंह, जगेश्वर प्रजापति, मनोज गिरी, संतोष बेदिया, विकास उरांव, रमेश करमाली, अलवीना तिग्गा, बबीता देवी, अमृत करमाली, संजय लाला, जगतार सिंह, सुखदेव प्रसाद संतन सिंह सहित कई मौजूद थे।

### भाकपा ने शहीद भगत सिंह की जयंती मनायी

**भुरकुंडा** : शहीद-ए-आजम भगत सिंह कि114वी जयंती भाकपा कार्यालय भुरकुंडा में भाकपा और ऑल इंडिया यूथ फेडरेशन द्वारा संयुक्त रूप से मनाई गई। जहां कार्यकताओं ने उनकी तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी । अवसर पर राज्य सचिव सह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड विष्णु कुमार एवं ऑल इंडिया फेडरेशन के रामगढ़ जिला सचिव मनोज कुमार महतो इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे विष्णु कुमार ने कहा की शहीद भगत सिंह युवा क्रांति के सूत्रधार रहे हैं। क्रांति की मशाल से उन्होंने राष्ट्र प्रेमियों में आजादी को लौ जलाई। मनोज कुमार महतो, नौशाद हुसैन, संतोष मुंडा, मनोज पहान, प्रेम पासवान, रमेश महतो, किशोर महतो, सुरेंदर कुमार महतो, जितेंद्र कुमार, सोनी कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

### सयाल दक्षिणी पंचायत में साड़ी धोती का हुआ वितरण

**उरीमारी** : सयाल दक्षिणी पंचायत के पीडीएस संचालक विजय जायसवाल के जन वितरण प्रणाली के दुकान में सोना सोबरन योजना के तहत मंगलवार को गरीब, असहाय, राशन कार्डधारियों के बीच साड़ी, धोती और लुंगी का वितरण पंचायत की मुखिया उमीर्ला देवी के द्वारा किया गया। मौके पर वार्ड सदस्य गणेश साव, बिलखी देवी, जगदीश कुमार साव, डीलर-विजय जायसवाल, अनुराग जायसवाल मौजूद थे।

## एक झलक

### मुख्यमंत्री ने भगत सिंह की जयंती पर किया नमन

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वीर बलिदानी, वीर सपूत और शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन किया है।

### कोरोना के 79 सक्रिय मरीजों में सबसे अधिक 42 रांची में

**रांची।** झारखंड की राजधानी रांची में पिछले 24 घंटे में कोरोना के दो नए मरीज मिले हैं। मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गयी जानकारी के मुताबिक राज्य में कुल सक्रिय 79 मामले में 42 मामले रांची में हैं। जबकि जिले में चार मरीज डिस्चार्ज हुए हैं। अबतक कुल 85791 पॉजिटिव केस आए हैं, जिनमें 84160 मरीज डिस्चार्ज हो चुके हैं। पिछले 24 घंटे के भीतर राज्य में कोरोना से एक भी मरीज की मौत नहीं हुई है। इस दौरान कोरोना से पांच लोग स्वस्थ हुए हैं। इसके विपरीत मंगलवार सुबह तक राज्य में कोरोना के चार नए केस मिले हैं। राज्य में कोरोना के कुल मामलों की संख्या 348198 हो गयी है। राज्य में कुल 14654787 सैंपल की जांच की गयी है। जबकि राज्य में कोरोना के 342986 मरीज ठीक हुए हैं। अब तक राज्य में 5133 मरीजों की मौत कोरोना से हुई है। झारखंड में कोरोना का रिकवरी रेट 98.50 प्रतिशत है।

### कर्मचारियों की नौकरी रेगुलर करने में रांची विवि ने की नियमों की अनदेखी: संघ

**रांची।** 16 सितंबर को रांची विवि ने सिंडिकेट की बैठक में निर्णय लेते हुए अनुबंध पर काम कर रहे वैसे 36 कर्मचारियों की सेवा को नियमित कर दिया गया, जिन्होंने 10 साल पूरे कर लिए थे. इन 36 कर्मचारियों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी थे. इनकी सेवा नियमितीकरण पर रांची विवि प्रशासन ने नियमों की अनदेखी की है. यह आरोप विश्वविद्यालय महाविद्यालय कर्मचारी संघ ने लगाया है. विश्वविद्यालय महाविद्यालय कर्मचारी संघ के जेनरल सेक्रेटरी पवन जेडिया ने बताया कि विवि ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश और राज्य सरकार के गाइड लाइन का पालन नहीं किया. सुप्रीम कोर्ट ने जिस तिथि को कट ऑफ डेट मानते हुए सेवा नियमित करने का निर्देश दिया था, उसका सीधा उलंघन किया गया है.सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार एवं अन्य बनाम उमादेवी एवं अन्य मामले में आदेश देते हुए कहा था कि देश के सभी राज्यों के सभी विवि में वैसे कर्मचारी जिनकी नियुक्तियां अनुबंध पर हुई हैं. पर यह नियुक्ति सृजित पद के विरुद्ध, नियमों का पालन करते हुए विज्ञापन के माध्यम से हुई हो, उन्हें नियमित करना है. सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि 20 जून 2019 तक नियमित रूप से सेवा देते हुए 10 साल पूरा कर लिया हो, उन्हें ही नियमित किया जाना है।

### लंबोदर महतो ने मुख्यमंत्री के फैसले का किया स्वागत

**रांची।** आजसू पार्टी के विधायक लंबोदर महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ओर से आदिवासियों का जाति प्रमाण पत्र एक ही बार बनाने के निर्णय का स्वागत किया है। महतो ने मंगलवार को कहा कि यह लंबे समय से मांग की जा रही थी। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुसूचित जाति, अत्यंत पिछड़ी जाति और पिछड़ी जाति के लोगों का भी जाति प्रमाण पत्र एक ही बार बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इन जाति के लोगों को भी बार-बार जाति प्रमाण पत्र बनाना पड़ता है। जाति प्रमाण पत्र बनाने में परेशानियों से गुजरना पड़ता है और क्या हाल होता है। यह बनाने वाले ही जानते और समझते हैं। हम जनप्रतिनिधि भी इस बात से आए दिन अवगत भी होते रहते हैं। महतो ने कहा कि हम सबको यह ध्यान रखना चाहिए किसी की जाति नहीं बदलती है। जाति प्रमाण पत्र एक बार ही बने और वह आजीवन मान्य हो। इस लिहाज से मुख्यमंत्री को इस विषय पर भी गंभीरता पूर्वक निर्णय लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम इसे बात को लेकर आशान्वित है कि जिस प्रकार मुख्यमंत्री ने आदिवासियों का जाति प्रमाण पत्र एक बार ही बनाने का निर्णय लिया है। उसी प्रकार अनुसूचित जाति, अत्यंत पिछड़ी जाति और पिछड़ी जाति के हितों का ध्यान में रखकर प्रमाण पत्र एक बार ही बनाने का निर्णय लेंगे।

### डी.ए.वी.पुंदाग में शिक्षण कला संवर्धन कार्यशाला

**रांची।** एस. आर. डी. ए. वी. पब्लिक स्कूल पुंदाग में दिनांक 28.9.21 से 8.10.21 तक के नौ दिवसीय अंतः विद्यालयीन शिक्षण - प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ । कार्यक्रम का उद्घाटन ज्ञान दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस कार्यक्रम में नीरजा सहाय डी. ए. वी. के प्राचार्य श्री टी. के मिश्रा ने उपस्थित होकर शिक्षक - शिक्षिकाओं का मार्ग दर्शन किया। उन्होंने शिक्षकों को मजबूत राष्ट्र की नींव और निर्माता बताया तत्पश्चात शैलेंद्र कुमार पाठक और सुजाता सिन्हा ने गीत - संगीत प्रस्तुत करके सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। प्राचार्य संजय कुमार मिश्रा ने स्वागत भाषण में डी. ए. वी. प्रबंधन समिति के निदेशक जे.पी.सूर, प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पी.पी. आर्या, सहायक क्षेत्रीय अधिकारी एम. के. सिन्हा, विद्यालय के प्रबंधक वी. के . पाण्डेय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सुयोग्य नेतृत्व में विद्यालय उन्नति के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने शिक्षकों को शिक्षण में नवाचार के साथ अपने शिक्षण कौशल को धारदार बनाने की प्रेरणा दी। कार्यशाला में नई शिक्षा नीति से संबंधित विषयों एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा करने तथा सूक्ष्म शिक्षण के माध्यम से शिक्षण कौशल के विकास की योजना है,जिसके तहत आज का विषय' मूल्य आधारित शिक्षा ' पर मीनू पाठक ने प्रस्तुति दी। इस कार्यशाला में सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया । कार्यक्रम का सफल संचालन इंदिरा घोष ने किया।राजश्री मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा शांति पाठ के साथ सभा का समापन हुआ ।

# जेपीएससी 6वीं सफल अभ्यर्थियों को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

पंच संवाददाता

**रांची।** 6वीं जेपीएससी पीटी रिजल्ट (क्वालिफाइंग मार्क्स) को लेकर सिंगल बेंच के आदेश को चुनौती देने वाली अपील याचिकाओं पर आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान जेपीएससी सिविल सेवा के सफल अभ्यर्थियों को एक बार फिर से बड़ी राहत मिली है। सुनवाई के दौरान अपीलार्थियों की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण और वरीय अधिवक्ता पीएन शाही और अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया और प्रतिवादियों की ओर से वरीय अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा, अजीत कुमार, सुभाष रसिक सोरेन, अमृतांश वत्स, अपराजिता भारद्वाज और कुमारी सुगंधा ने अपना पक्ष रखा। सभी पक्षों को सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ। रविरंजन और न्यायमूर्ति सुजीत नारायण की खंडपीठ ने यथास्थिति बनाये रखने का निर्देश देते हुए अगली सुनवाई 5 अक्तूबर को दोपहर सवा दो बजे निर्धारित की है बता दें कि पिछली सुनवाई के बाद अदालत ने सिंगल बेंच के आदेश पर रोक लगा दी थी,फलस्वरूप छठी जेपीएससी के

## जेएसएससी परीक्षा में हिंदी भाषा जोड़ने को लेकर हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर

**रांची।** झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) परीक्षा की नयी नियमवाली में हिंदी भाषा जोड़ने को लेकर मंगलवार को हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। सरायकेला जिले की सामाजिक संस्था एकता विकास मंच ने जनहित याचिका दायर कर जेएसएससी परीक्षा में हिंदी भाषा को जोड़ने की मांग की है। याचिकाकर्ता की ओर से हाई कोर्ट की अधिवक्ता रितु कुमार ने जनहित याचिका दाखिल की है।

## आरोपी राजीव सिंह को हाइकोर्ट से मिली जमानत

**रांची।** रेमडेसिविर कालाबाजारी मामले के आरोपी राजीव सिंह की जमानत याचिका पर मंगलवार को हाइकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान राजीव सिंह की ओर से हाइकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता आरएस मजूमदार ने अदालत में पक्ष रखा. ऐसे में सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने राजीव सिंह को 10- 10 हजार के दो निजी मुचलके पर जमानत की सुविधा प्रदान की है. मामले की सुनवाई जस्टिस आर मुखोपाध्याय की अदालत में हुई।

## रोलर स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ झारखंड के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से की मुलाकात

पंच संवाददाता

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से झारखंड मंत्रालय में आज रोलर स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ झारखंड के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की. प्रतिनिधिमंडल ने रांची के मोरहाबादी में अंतरराष्ट्रीय स्केटिंग रिंक के निर्माण कार्य का शिलान्यास किए जाने हेतु राज्य सरकार की ओर से मिले सहयोग के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा कि झारखंड में खेल को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है. प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास जताया कि तय समय सीमा के अंदर रांची के मोराबादी में अंतर्राष्ट्रीय स्केटिंग रिंक का निर्माण कार्य पूरा होगा। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को अपनी शुभकामनाएं दीं।

मौके पर राज्य के खेल मंत्री हफीजुल हसन अंसारी, रोलर स्केटिंग एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष विकास सिंह, सचिव सुमित शर्मा एवं कोषाध्यक्ष जय प्रकाश गुप्ता उपस्थित थे।

# रानी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में बच्ची का नहीं बनाया आयुष्मान कार्ड

**⇨कहा, 1,43,750 चुकाने के बाद ही करेंगे डिस्चार्ज**

पंच संवाददाता

**रांची।** राजधानी के रेडियम रोड स्थित रानी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल का विवादों से पुराना नाता है. कभी मरीजों को भारी भरकम बिल तो कभी गलत इलाज को लेकर हॉस्पिटल चर्चा में रहता है. अब एक और ताजा मामला सामने आया है. इसमें मरीज को इलाज के नाम पर 1,43,750 रुपये का बिल थमाया गया है. वहीं 37 हजार रुपये चुकाने के बाद ही बच्ची को हॉस्पिटल से छोड़ने की बात कही गई है। परिजनों का कहना है कि कागजात उपलब्ध कराने के बाद भी बच्ची का आयुष्मान कार्ड नहीं बनाया गया. आयुष्मान कार्ड बन जाने से बच्ची का मुफ्त में इलाज हो सकता था. अब उनके पास हॉस्पिटल का बिल देने के लिए एक रुपया भी नहीं है तो 37 हजार

बकाया कहां से लाएंगे

**क्या कहते हैं मैनेजर**

वहीं मैनेजर टुनटुन का कहना है कि इलाज में जो खर्च आया है, वहीं बिल दिया गया है. जहां तक आयुष्मान कार्ड की बात है तो कुछ टेक्निकल कारणों से परेशानी हुई है. इसलिए बिल चुकाने को कहा गया है, बिल चुकाने के बाद ही बच्ची को डिस्चार्ज करेंगे.

**क्या है पूरा मामला**

गोमिया के चेलिया गांव के रहने वाले बिनोद रविदास ने बच्ची को चोट लगने के बाद रानी चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में 5 सितंबर को एडमिट कराया था. उसके बाद से बच्ची का इलाज शुरू होने पर कई तरह के टेस्ट कराए गए. इसके लिए परिजन पैसे हॉस्पिटल में जमा कराते रहे। बच्ची का आधार कार्ड बना हुआ था. इसके बाद भी आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए बच्ची के परिजनों से कुछ और पेपर की मांग की गई. पिता ने 15 सितंबर को कागजात हॉस्पिटल प्रबंधन को दिये. इसके बाद भी इतने दिनों तक बच्ची का आयुष्मान कार्ड नहीं बनाया गया. और इलाज के नाम पर बिल बढ़ता चला गया. सोमवार को बच्ची के पिता ने हॉस्पिटल से डिस्चार्ज करने को कहा तो प्रबंधन ने कहा कि शाम तक उसका आयुष्मान कार्ड बना दिया जाएगा. जब परिजन डिस्चार्ज कराने पर अड़ गए तो तब हॉस्पिटल प्रबंधन ने एक लाख 43,750 रुपये का बिल दिया. जिसमें 37 हजार रुपए बकाया दिखाया गया।

## बिना परिवहन विभाग को बताये ऑटो चालकों ने बढ़ाया भाड़ा

**रांची।** हटिया रेलवे स्टेशन से रांची के विभिन्न रूटों के लिए रिजर्व ऑटो का भाड़ा बिना परिवहन विभाग को बताये बढ़ा दिया गया है. झारखंड प्रदेश डीजल ऑटो चालक महासंघ ने हटिया रेलवे स्टेशन मार्ग पर सोमवार को किराया बढ़ा दिया गया है. ऑटो चालक महासंघ ने गाड़ी में 3 प्लस 1 को ही बैठना है. वहीं ऑटो संघ की बैठक में चालकों और मालिकों ने निर्णय लिया की जल्द से जल्द डीआरएम से मिलकर टोकन की समस्या का समाधान की मांग करेंगे. ताकि गरीब चालकों को इस रंगदारी से बचाया जा सके.ऑटो का अचानक किराया बढ़ जाने से आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

## पर्यावरण जागरूकता अभियान के तहत वृक्षारोपण सह सेमिनार का हुआ आयोजन

पंच संवाददाता

**रांची।** सामाजिक संस्था स्नेह फाउंडेशन एवं एलुमनाई एसोसिएशन मारवाड़ी कॉलेज रांची के संयुक्त तत्वाधान में पर्यावरण जागरूकता अभियान के तहत काके रोड स्थित कैम्ब्रियन पब्लिक स्कूल में वृक्षारोपण कार्यक्रम सह कोरोना काल के बाद पर्यावरण संरक्षण का महत्व विषय पर परिचर्चा का भी आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों के लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता सह बच्चों को स्वास्थ्य एवं रोगमुक्त रहने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गई।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता रांची के लोकप्रिय सांसद श्री संजय सेठ जी उपस्थित थे।श्री संजय सेठ ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों बच्चों का मूल अधिकार है।हमें अपने बच्चों को संस्कार के साथ साथ भारत कि संस्कृति से भी अवगत कराने की आवश्कता है। तभी हमारे बच्चे के साथ साथ देश भी विकसित होगा।इस अवसर स्कूल कि प्राचार्या श्रीमती नीता पांडेय,भाजपा नेता संजय जायसवाल, समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी,समाजसेवी राजीव रंजन ,एलुमनाई अध्यक्ष व समाजसेवी गौरव अग्रवाल,संजय प्रामाणिक ने भी अपने अपने विचार रखे।सभी लोगों ने स्कूल परिसर में आदि वृक्ष लगाकर के प्रकृति बचाने का संकल्प लिया।

# महिला के अपहरण की कोशिश

## शोर मचाने पर ऑटो से फेंका

पंच संवाददाता

**रांची।** रांची के नगड़ी में महिला के हल्ला मचाने की वजह से अपराधी अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो पाया. नयासराय रिंग रोड तलाब के पास एक ऑटो में बैठ कर एक महिला अपने घर जा रही थी. महिला को जगन्नाथपुर जाना था. लेकिन वो उधर ना जाकर रिंग रोड की तरफ जाने लगा. महिला ने इसका विरोध किया. फिर भी ड्राइवर ने ऑटो को नहीं रोका। जिसके बाद महिला शोर मचाने लगी। महिला को चिल्लाते देख ऑटो वाले ने चलती गाड़ी से उसे सड़क पर फेंक दिया. जिस देख आस-पास के लोग महिला के पास आए और उसे उठाया। वहीं महिला को फेंकने के बाद ऑटो ड्राइवर फरार हो गया. घायल महिला को 108 एंबुलेंस से कटहल मोड़ स्थित रिंची हॉस्पिटल पहुंचाया गया. जिसके बाद पुलिस ऑटो वाले की तलाश में जुटी है।

## 24 हजार लोगों ने ली एंटी रैबीज इंजेक्शन

**रांची।** आज विश्व रैबीज डे है. यानी की लोगों को रैबीज के प्रति जागरूक करने का दिन. इस दिवस को हर साल थीम के अनुसार मनाया जाता है. इस वर्ष रैबीज के प्रति लोगों के अंदर के डर को खत्म करने और सही जानकारी सामने रखने के लिए थीम रैबीजः तथ्य और डर रखा गया है. हालांकि राजधानी रांची के लिए एक राहत भरी बात है कि यहां रैबीज के एक भी मरीज नहीं हैं. जिले में रैबीज को लेकर जागरूकता भी है. यही कारण है कि कुत्तों व अन्य जानवरों के काटने के बाद लोग रैबीज का इंजेक्शन लेने के लिए अस्पताल आते हैं.रांची में प्रतिमाह चार हजार से अधिक लोग कुत्ता काटने की शिकायत के बाद एंटी रैबीज का टीका लेने पहुंचते हैं।

# संविदा पर बहाल 2 सहायक पुलिसकर्मी हो चुके हैं शहीद

- **परिवार को नहीं मिली कोई आर्थिक मदद**
- **मांगों को लेकर मोरहाबादी मैदान में अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हैं सहायक पुलिसकर्मी**

पंच संवाददाता

**रांची।** राज्य के बारह नक्सल प्रभावित जिले में नक्सली गतिविधियों पर नजर रखने के लिए संविदा पर 2500 सहायक पुलिस कर्मियों की 2017 में नियुक्ति की गई थी. इन सभी पुलिसकर्मियों को कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर बहाल की गई थी. इनमें से अब तक 2 पुलिसकर्मी नक्सली अभियान में शहीद हो चुके हैं, लेकिन सरकार की ओर से उनके परिवार को कोई भी आर्थिक मदद नहीं मिली है। गढ़वा जिले से आए मिथिलेश यादव ने बताया कि साल 2018 में मनोज गुड़िया नक्सली अभियान में शहीद हो गया था और एक अन्य साथी शहीद हुए हैं लेकिन उनके परिवार वालों को सरकार की ओर से कोई भी मदद नहीं मिली है.हालांकि सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति में इस बात की जिक्र है कि यदि कोई भी सहायक पुलिसकर्मी नक्सली अभियान में शहीद होता है उसके परिवार वालों को आर्थिक मदद के तौर पर दो लाख रुपये दिये जायेंगे। पूर्व सीएम रघुवर दास ने कहा था कि आपकी जिंदगी के साथ खिलवाड़ नहीं होगा पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने सहायक पुलिसकर्मियों को आश्वासन दिया था कि आपकी जिंदगी के साथ खिलवाड़ नहीं होगा. 3 साल के बाद आप लोगों को जिला पुलिस में तैनाती की जाएगी. लेकिन सरकार बदल जाने के बाद इनकी स्थाई नहीं किया गया. इसकी वजह से यह लोग काफी नाराज हैं. ये अपनी मांगों को लेकर मोरहाबादी मैदान में अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हुए हैं। क्या कहते हैं पुलिसकर्मी विभिन्न जिलों से आए पुलिसकर्मियों ने बताया कि हमारी बहाली लोकल थाने में की गई थी और जासूसी के तौर पर काम करने की जिम्मेवारी सौंपी गई थी. लेकिन आज सभी पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है।

# संगरूर,पंजाब से भाई जगसीर सिंह जी के रांची आगमन

## पर गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा द्वारा विशेष दीवान सजाया गया

पंच संवाददाता

**रांची।** गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा,कृष्णा नगर कॉलोनी में आज 28 सितंबर, मंगलवार को सुबह 8:00 बजे से विशेष दीवान सजाया गया। यह विशेष दीवान सिख पंथ के महान कीर्तनी जत्था भाई जगसीर सिंह जी,संगरूर वाले के आगमन के उपलक्ष में सजाया गया।दीवान की शुरुआत हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह जी एवं साथियों द्वारा गुरुनानक की वडीआइ शबद गायन से हुई तत्पश्चात भाई जगसीर सिंह जी संगरूर वाले ने तरस पइया मिहरामत होइ सतगुर सजण मिलिया, नानक नाम मिले तां जीवां तन मन थिवै हरिया एवं मेरे राम एह नीच करम हर मेरे जैसे कई शबद गायन कर श्रद्धालुओं को भक्ति भाव से जोड़ा।श्री अनंद साहिब जी के पाठ,अरदास,हुकुमनामा एवं कढ़ाह प्रसाद वितरण के साथ सुबह 9.45 बजे दीवान की समाप्ति हुई। मंच संचालन मनीष मिढ़ा ने किया। सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि दीवान की समाप्ति के पश्चात सत्संग सभा द्वारा चाय नाश्ते का लंगर चलाया गया साथ ही जानकारी दी कि आगामी 22 अक्टूबर को सत्संग सभा द्वारा चौथे नानक श्री गुरु रामदास जी का पावन प्रकाश पर्व मनाया जाएगा।

आज के विशेष दीवान में सत्संग सभा के अध्यक्ष द्वारकादास मुंजाल,सचिव अर्जुन देव मिढ़ा,मनीष मिढ़ा, सुंदरदास मिढ़ा,अशोक गेरा,सुरेश मिढ़ा,जीवन मिढ़ा,मोहन काठपाल,लक्ष्मण सरदाना,हरगोविंद सिंह,जगदीश मुंजाल,विनोद सुखीजा,हरीश मिढ़ा,अनूप गिरधर,महेंद्र अरोड़ा,चरणजीत मुंजाल,भगवान दास मुंजाल,नीरज गखड़,कमल मुंजाल,पवनजीत सिंह खत्री,राजेन्द्र मक्कड़,रमेश पपनेजा,इंदर मिढ़ा,महेश सुखीजा,आशु मिढ़ा,नवीन मिढ़ा,कमल अरोड़ा,मनीष गिरधर,ज्ञान मादन पोतरा,शीतल मुंजाल,गीता कटारिया,नीता मिढ़ा,रेशमा गिरधर,इंदु पपनेजा,बंसी मल्होत्रा,बिमला मिढ़ा,दुर्गी देवी मिढ़ा,नीतू किंगर समेत अन्य शामिल हुए।

## एक्सपो उत्सव विस्टा 2021 का पोस्टर रिलीज

**रांची।** नए प्रारूप डिजिटल वर्चुअल स्टाल्स में आयोजित किया जा रा है। झारखंडवासी हर 3 घंटे में लकी ड्रा में भाग ले कर आकर्षक उपहार जीत सकते है. साथ ही साथ रजिस्ट्रेशन में भाग लेने पर डिस्काउंट वॉचर्स लिए जा सकते जिसका उपयोग प्रतिष्ठित ब्रांड्स, इलेक्ट्रॉनिक के शोरूम, कपड़ों के शोरूम और अन्य जगह किया जा सकता है।

## सड़क सुरक्षा समिति बैठक से डीसी रहे गायब

### नाराज सांसद संजय सेठ बोले- करूंगा शिकायत

पंच संवाददाता

**रांची।** हाईकोर्ट का आदेश है हर तीन महीने में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक होनी है. मंगलवार को क्लेक्ट्रेट भवन में डीसी चैम्बर में यह बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता सांसद संजय सेठ ने की. डीसी चैम्बर में हुई बैठक में खुद डीसी ही उपस्थित नहीं रहे. डीसी से इस बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि मुझे इस बैठक में उपस्थित नहीं रहना है. हालांकि कमरा संख्या 207 में डीसी छवि रंजन की अध्यक्षता में दूसरी बैठक हो रही थी. इसके साथ ही इस बैठक में एनएच अधिकारी, मेयर, नगर आयुक्त, प्रदूषण विभाग सहित कई दूसर विभागों के अधिकारी उपस्थित नहीं थे. इसपर सांसद ने नाराजगी जताई.सांसद संजय सेठ ने बैठक को लेकर एनएच अधिकारी का उदाहरण दिया और कहा कि वे इसमें मौजूद नहीं थां. साथ ही कहा कि पिछली बैठक में भी एनएच अधिकारी नदारद थे. सांसद ने एनएच अधिकारी से बैठक में ना आने को लेकर जवाब मांगा है. ऐसा नहीं करने पर वे इसकी लिखित शिकायत एनएचएआई (नेशनल हाईवे आथॉरिटी ऑफ इंडिया) भारत सरकार को करेंगे। संजय सेठ ने कहा कि आज की बैठक में नगर निगम के कोई उच्च अधिकारी मौजूद नहीं थे. जो अधिकारी बैठक में शामिल हुए भी तो डेढ़ घंटे लेट से खाली हाथ हिलाते हुए पहुंचे।

# रिम्स: डिस्पेंसरी बंद, फार्मासिस्ट बन गए क्लर्क, मरीजों को कैसे मिलेगी दवाई

**•हमारे पास जो दवाएं है उससे हम सबकी डिमांड पूरी नहीं कर पा रहे हैं: अमित कुमार**

पंच संवाददाता

**रांची।** झारखंड के सबसे बड़े हॉस्पिटल रिम्स में राज्य के अलावा दूसरे राज्यों से भी इलाज के लिए मरीज आते हैं. मरीजों को इलाज के साथ सभी दवाएं उपलब्ध कराने के दावे भी किए जाते हैं। इसके लिए डिस्पेंसरी भी खोले गए थे, जहां ओपीडी के मरीजों को मुफ्त में दवाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इतने बड़े हॉस्पिटल में मरीजों को दवा उपलब्ध कराने वाली डिस्पेंसरी पर ताला लग गया और मरीजों को दवा देने वाले फार्मासिस्ट बेकार हो गए। अब प्रबंधन इनसे अलग-अलग विभागों में क्लर्क का काम करा रहा है।जिससे कि

हॉस्पिटल में इलाज को आने वाले मरीजों को बाहर से दवाएं खरीदनी पड़ रही है। वहीं इसके लिए प्राइवेट मेडिकल में भारी कीमत भी चुकानी पड़ रही है। बताते चलें कि प्रबंधन अगर मैनपावर का इस्तेमाल कर हॉस्पिटल की सभी डिस्पेंसरी को चालू कर दें तो मरीजों को दवा खरीदने के लिए बाहर का रूख नहीं करना पड़ेगा।

**हॉस्पिटल में है 10 फार्मासिस्ट**

कहीं भी दवा दुकान या वितरण केंद्र के संचालन के लिए फार्मासिस्ट की जरूरत होती है। एक समय रिम्स में भी अलग-अलग डिस्पेंसरी में 10 फार्मासिस्ट को दवा वितरण केंद्र में तैनात किया गया था। जहां पर मरीजों को मुफ्त में दवाएं दी जाती थी। केंद्र के बंद होने के बाद फार्मासिस्ट को अपना मूल काम छोड़कर क्लर्क की ड्यूटी में लगा दिया गया। जिससे यह भी साफ है कि प्रबंधन नहीं चाहता कि डिस्पेंसरी को चालू कर मरीजों को दवाएं उपलब्ध कराई जाए।

**एक डिस्पेंसरी के भरोसे 2500 मरीज**

1500 बेड के इस हॉस्पिटल में बेड की क्षमता से ज्यादा मरीज एडमिट है। वहीं ओपीडी में भी हर दिन 2000 मरीजों का आना होता है। इमरजेंसी में भी 350-400 मरीज हर दिन इलाज के लिए आ जाते है। अब ओपीडी के मरीजों के लिए एक डिस्पेंसरी रिम्स में चल रही है। उसमें भी गिनती की 20 दवाएं रखी गई है जो मरीजों को मुफ्त में दी जाती है। ऐसे में ओपीडी के मरीजों को लिखी जाने वाली दवाएं कहां से मिलेगी।

**260 दवाएं किसी काम की नहीं**

हॉस्पिटल कैंपस में जन औषधि केंद्र का टेंडर होने तक टेंपरी संचालन किया जा रहा है। वहीं 260 तरह की दवाएं भी रखी गई है, लेकिन ये दवाएं मरीजों के किसी काम की नहीं है। चूंकि डॉक्टरों की लिखी ज्यादातर दवाएं केंद्र में नहीं है। जिससे कि मरीजों को वहां से निराश होकर लौटना पड़ रहा है। वहीं जन औषधि केंद्र में तैनात फार्मासिस्ट अमित कुमार का कहना है कि हमारे पास जो दवाएं है उससे हम सबकी डिमांड पूरी नहीं कर पा रहे हैं।

## अमन सिंह ने कर दिया है कारोबारियों का जीना हराम

**रांची।** नीरज सिंह हत्या मामले में जेल में बंद अमन सिंह ने धनबाद के कारोबारियों का जीना हराम कर रखा है. अमन सिंह गिरोह के आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह लगातार कारोबारियों को फोन कर अमन सिंह के नाम पर रंगदारी मांग रहा है. रंगदारी नहीं देने पर दिनदहाड़े कारोबारियों के घरों और दुकानों पर बम भी फेंका जा रहा है. 27 सितंबर को धनबाद जिले के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र अंतर्गत जीटी रोड के बगल में कार के शोरूम में अपराधियों ने बमबाजी की घटना को अंजाम दिया था. इस घटना के पीछे अमन सिंह गिरोह के हाथ होने की आशंका जताई गई है।

## एक झलक

### विद्यालय खुलने से विद्यार्थियों को हुआ बेसुमार खुशी

**टाटीझरिया :** प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायत के गांवो में वैश्विक महामारी कोरोना के बढ़ते संक्रमण को लेकर बन्द हुआ विद्यालय से विद्यार्थियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वही प्रखण्ड क्षेत्र से महज लगभग 7 किमी की दूरी पर स्थित झरपो पंचायत में स्थित मध्य विद्यालय के सहायक शिक्षक कौलेश्वर मिश्र ने कहा। कि अब विद्यालय खुलते ही बच्चों में शिक्षा ग्रहण की लालसा में काफी उत्साह देखा जा रहा है। विद्यालय में सरकारी गाइडलाइन को पालन करते हुवे विद्यर्थियों को शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जा रहा है।

### नगर निगम की टीम ने हटाया अवैध होर्डिंग बोर्ड

**हजारीबाग :** नगर आयुक्त गरिमा सिंह के आदेशानुसार बंसीलाल चौक से कटैक्स चौक तक अवैध होर्डिंग हटाया गया। इस अभियान में 10 फर्मो के होर्डिंग हटाया गया। इसमें लिफाफट, कुरियर स्काई किंग, फिटनैस, डुलक्स, पीटर इंग्लैंड,वी आई,लेनोवो,सी पी प्लस, ब्रदर, एयरटेल शामिल है। तीन फर्मो ने स्थल पर भुगतान कर, अपने होर्डिंग को वैध कराया। इसमें स्टी वर्ड, बॉस कलेक्शन, ख्वूबसूरत शामिल है। जनसाधारण को सूचित किया जाता है जिन किन्ही का भी अवैध होर्डिंग लगा हुआ है वे निगम कार्यालय में आकर इसे वैध करा लें, ये अभियान अभी निरंतर जारी रहेगा। इस अभियान में नगर प्रबंधक फरहत अनिसी, सहायक श्री धर्मेंद्र राय,विनोद , रितिका के शेखर, विकास कुमार उपस्थित थे।

### हॉस्पिटल के सामने से बाइक की चोरी

**हजारीबाग :** लोहसिंघना थाना क्षेत्र के सदर थाना के सामने ओकनी रोड स्थित एक हॉस्पिटल के सामने से बीती रात्रि एक बाइक की चोरी हुई है। यह बाइक पदमा थाना क्षेत्र के रेबर निवासी बसंत कुमार की है। उनकी बाइक संख्या एचआर51 बीइ3543 है। भुक्तभोगी ने बताया कि हॉस्पिटल में किसी काम से गए थे और रात में बाइक वहीं खड़ी थी। वे हॉस्पिटल से जब बाहर निकले तो उनकी बाइक वहां खड़ी नहीं मिली। वे आसपास बाइक को खोजने का बहुत प्रयास किए पर वह नहीं मिला। जिससे उन्हें आभास हो गया कि उनकी बाइक चोरी कर ली गई है।

### दारू थाना परिसर में लगे कैम्प 22 सिक्योरिटी गार्ड का हुआ चयन

**दारू :** थाना परिसर में मंगलवार को एसआईएस सिक्योरिटी गार्ड के चयन के लिए शिविर लगा जिसमे काफी संख्या में युवा पहुंचे। सभी युवाओ की शारिरिक जांच के बाद लिखित परीक्षा ली गयी। इस शिविर में अंतिम रूप से 22 युवाओं का चयन हुआ जिन्हें मौके पर भर्ती अधिकारी अनुपम सिंह ने नियुक्ति पत्र दिया। इस बारे में उन्होंने बताया कि चयनित सभी युवाओं को गढ़वा में एक महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी जिसके बाद उनकी पोस्टिंग होगी।

### अंचल के लापरवाही से लंबित है सैकड़ों प्रमाण पत्र

**बरकट्ठा :** विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि अंचल कार्यालय के लापरवाही और उदासीन रवैये के कारण सैकड़ों छात्रों के आय, जाति, आवासीय प्रमाण पत्र लंबित है। इससे छात्रों को कॉलेज में एडमिशन से लेकर नौकरी के लिए उन्हें कठिनाई हो रही है। उन्होंने इस बाबत में अंचलाधिकारी श्रीकांत लाल मांझी से मिलकर लंबित आवेदनों का शीघ्र निपटारा करने की हिदायत दी। अमित कुमार यादव ने कहा कि एक अक्टूबर को इन्ही समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर भाजपा के धरना कार्यक्रम का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी, कर्मचारी छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करना बंद करें। विधायक ने कहा कि इसी तरह दाखिल खारिज के आवेदन को लंबित रखकर रैयतों को अंचल कार्यालय परेशान कर रहा है।

# उपायुक्त ने की राज्य प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

**पंच संवाददाता**

**हजारीबाग :** मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 30 सितंबर को निर्धारित बैठक को लेकर केंद्र व राज्य प्रायोजित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा उपायुक्त आदित्य कुमार आनंद की अध्यक्षता में हुई। समाहरणालय सभागार में मंगलवार को संपन्न हुए समीक्षा बैठक में जिला के विभिन्न विभागों के द्वारा केंद्र व राज्य प्रायोजित विकास योजनाओं से संबंधित प्रगति व योजनाओं के प्रारम्भ करने में आ रही अड़चनों व परेशानी पर विशेष चर्चा की गई। आधारभूत संरचनाओ से जुड़ी परियोजनाओं में भू अर्जन से संबंधित मामलों के निष्पादन व रैयतों को मिलने वाली मुआवजा राशि को निर्धारित समय सीमा पर भुगतान के लिए तत्परता बरतने के लिए जिला

भू अर्जन अधिकारी को संबंधित ऐजेंसी के साथ समन्वय बनाकर काम करने का निर्देश उपायुक्त ने दिया। इसके अलावा जनहित से जुड़ी कल्याणकारी परियोजना के लिए सरकारी भूमि के हस्तांतरण के मामले पर उपायुक्त ने अपर समाहर्ता को निर्देशित किया कि जमीन का हस्तांतरण प्रस्ताव तभी लाया जाय जब योजना पूरी तरह से स्वीकृति मिल गई हो। इसके अलावा एलटी विधुत संचरण लाइन निर्माण में कुछ ग्रामीण इलाकों में अनावश्यक विवादों को स्थानीय प्रशासन, जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर जल्द समाधान निकल योजना को 15 दिन में पूरा करना का निर्देश कार्यपालक अभियंता विधुत प्रमंडल को दिया। राज्य सरकार द्वारा जनवितरण प्रणाली दुकानों के माध्यम से गरीबों के लिए सोना-सोबरन योजना अंतर्गत उपलब्ध कराई जाने वाले धोती, साड़ी, लूंगी को लाभुकों के बीच वितरण को जमीनी स्तर पर शुरू करने का निर्देश आपूर्ति पदाधिकारी को दिया। साथ ही अवैध राशनकार्ड धारियों व धान अधिप्राप्ति योजना के तहत फर्जी धान विक्रेताओं पर जांच व कृत कारवाई का प्रतिवेदन देने को कहा। सम्भावित कोरोना के तीसरे लहर के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में निर्मित पेट्रियेट्रिक वार्ड में ऑक्सीजन पाइप लाइन एवं प्रेशर स्विंग अब्जॉर्शन प्लांट (पी.एस.ए) की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। कृषि विभाग द्वारा किसानो को दी जाने वाली केसीसी लोन की स्वीकृति एवं खाद,यूरिया संबंधी विस्तृत जानकारी ली पशुपालन विभाग द्वारा चलायी जा रही मुख्यमंत्री पशुधन योजना के अंतर्गत सभी स्वीकृत लाभुकों को जल्द से जल्द योजना से जोड़ने का निर्देश दियो आगे उन्होंने कल्याण विभाग से छात्रवृति, पेयजल विभाग से पेयजलापूर्ति योजना संबंधी एवं समाज कल्याण सहित जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने की धीमी गति को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री द्वारा झारखंड सरकार द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन तथा वर्तमान स्थिति पर सभी उपायुक्तों के साथ बैठक आयोजित है जहां उपरोक्त वर्णित सभी विभागों की समीक्षा की जानी है। इस बैठक मे उपायुक्त के अलावे पुलिस अधीक्षक मनोज रतन चोथे, उप विकास आयुक्त अभय कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता प्रदीप तिग्गा, राकेश रौशन, रंजीत कुमार लाल व जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

## नहाय-खाय के साथ शुरू, जीवित्पुत्रिका व्रत पर बन रहे हैं शुभ संयोग

**राहुल कुमार**

**हजारीबाग :** संतान की लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की मंगलमय कामना को लेकर किया जाने वाला महिलाओं का जीवित्पुत्रिका (जिउतिया) व्रत मंगलवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ। व्रत करने वाली महिलाएं मंगलवार को नहाय-खाय कर व्रत का संयत किया। व्रती बुधवार को 24 घंटे का अखंड निर्जला उपवास करेंगी। इसी दिन व्रती पूजा-अर्चना कर व्रत कथा का श्रवण करेंगी। व्रत का पारण तीसरे दिन अर्थात 30 सितम्बर गुरुवार को किया जाएगा। जन्मकुंडली, वास्तु व कर्मकाण्ड परामर्श के आचार्य पं. चेतन पाण्डेय ने बताया कि इस बार जीवित्पुत्रिका व्रत पर कई दुर्लभ संयोग बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय इस व्रत में 24 घंटे का अखंड निर्जला उपवास का खास महत्व है। व्रत करने वाली महिलाएं इस दरमियान कुछ भी अन्न-जल ग्रहण नहीं करती हैं। आचार्य ने बताया कि जीवित्पुत्रिका व्रत हर साल अश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को किया जाता है। इस व्रत की शुरुआत सप्तमी तिथि को नहाय-खाय के साथ होती है और नवमी तिथि में पारण के साथ इसका समापन होता है। इस व्रत का महाभारत काल से भी जुड़ाव रहा है। कथा के अनुसार जब अश्वथामा ने पांडवों के सोते हुए सभी बेटों और अभिमन्यु के अजन्मे बेटे को मार दिया था, उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन के पोते को गर्भ में ही जीवित कर दिया। इसी वजह से अर्जुन के इस पोते का नाम जीवित्पुत्रिका पड़ा और मान्यता के अनुसार यही कारण है कि माताएं अपने बेटे की लंबी उम्र के लिए यह व्रत करती हैं।

## अम्बाजीत टीम बना क्रिकेट टूर्नामेंट का विजेता

**पंच संवाददाता**

**बरही :** प्रखंड अंतर्गत कोनरा में स्थित केंदुइया मैदान में बरही क्रिकेट क्लब के द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच अम्बाजीत टीम व साकरी मोहल्ला के बीच खेला गया। टॉस जीतकर अम्बाजीत की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। वहीं निर्धारित 14 ओवर में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 183 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। वही जवाबी पारी में शाकरी मोहल्ला की टीम ने मात्र 123 रन ही बना पाई। इस प्रकार 70 रन से जीतकर अंबाजीत की टीम ने टूर्नामेंट पर कब्जा जमा लिया। वहीं टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि कोनरा पंचायत के संभावित मुखिया प्रत्याशी मो. गुफरान अंसारी उर्फ (सोनू) ने अतिथियों के साथ मिलकर विजेता व उपविजेता टीम को ट्रॉफी के साथ नगदी राशि दिया। मैन ऑफ द सीरीज मो परवेज अंसारी को दी गई। मौके पर मो. गुफरान अंसारी ने कहा कि सभी टीमों ने इस टूर्नामेंट में बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। वही सभी टीमों के खिलाड़ियों व आयोजक टीम को शांतिपूर्ण खेल को संपन्न करवाने को लेकर धन्यवाद दिया। मौके पर पंसस प्रमोद विश्वकर्मा वरिष्ठ समाजसेवी मो ज्याउल हक, मो फरीद, मो सागर, मो सेराज अली उर्फ चाँद, मो शोएब, मो इजहार, मो राजू, मो एहसान, मो आशिफ अली, मो मेहताब उर्फ डब्लू, मो कफील इमरोज, टूर्नामेंट आयोजक टीम के अध्यक्ष मीनू खान, उपाध्यक्ष मो सेराज, संयोजक मो. राजा अंसारी, सचिव अब्दुल कलाम, मो इजहार, मो आफताब आलम, मो सागर, मो इजहार उर्फ डब्लू, मो मंसूर आदि मौजूद थे।

### नौकरी के नाम पर ठगी करने के मामले में पति-पत्नी गिरफ्तार

**हजारीबाग :** सदर थाना पुलिस ने नौकरी के नाम पर ठगी करने के मामले में पति पत्नी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पेलावल निवासी पति जावेद उर्फ ऋषभ शर्मा, शिवपुरी निवासी पत्नी पूनम कुमारी के रूप में भी है। इस संबंध में सदर थाना कांड संख्या 355/21 दर्ज किया गया है। सूचक सदर थाना क्षेत्र के बंसीलाल चौक में विपुल सर क्लासेज कोचिंग चलाते हैं। उन्होंने सदर थाना में लिखित आवेदन देकर यह जानकारी दी कि उनके भाई प्रिया रंजन को सीसीएल चरही में नौकरी दिलाने के नाम पर पति पत्नी एवं उनका एक विद्यार्थी लाखे निवासी ओम प्रकाश सिंह पिता शिवमंगल सिंह ने 25 लाख रुपए की ठगी की है। सूचक ने बताया कि उन्होंने 2017 में उन्हें 25 लाख रुपए दिए थे।

## आईसेक्ट विश्वविद्यालय में चार दिवसीय खेल प्रतियोगिता आयोजित

**पंच संवाददाता**

**हजारीबाग :** आईसेक्ट विश्वविद्यालय सभागार में चार दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन बीते सोमवार को किया गया। प्रतियोगिता की शुरूआत कैरम के खेल से हुआ, जिसका उद्घाटन आईसेक्ट विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एकेडमिक डॉ बिनोद कुमार, डीन एडमिन डॉ एस आर रथ व स्पोर्ट्स कमिटी के चेयरपर्सन डॉ रूद्र नारायण ने किया। कैरम खेल प्रतियोगिता में रीतिक कुमार को पहला, नवीन कुमार को दूसरा और अमरेंद्र रंजन को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। सभी बीसीए पांचवें सेमेस्टर के छात्र हैं। वहीं मंगलवार को खेले गए शतरंज प्रतियोगिता में बीएससी आईटी के तीसरे सेमेस्टर के छात्र सागर कुमार विजेता व एमए इतिहास विभाग के तीसरे सेमेस्टर के छात्र सुशील कुमार उपविजेता घोषित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने इस मौके पर कहा कि विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास के लिए शिक्षा के साथ साथ खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सेदारी व अन्य गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी जरूरी है। इसी के मद्देनजर आईसेक्ट विश्वविद्यालय में लगातार इंडोर, आउटडोर खेलों के साथ साथ समय समय पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को भाग लेने के लिए प्रेरित भी किया जाता है। बताते चलें कि कैरम प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में परफॉर्मिंग आर्ट्स की डीन डॉ रोजीकांत व शतरंज में डीन एडमिन डॉ एसआर रथ थे। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कमिटी के चेयरपर्सन डॉ रूद्र नारायण, उदय रंजन, शिवजी, मुकेश साव, राहुल राजवार व कोच अजय रवि का काफी अहम योगदान रहा।

### बीडीजेजे इंटर महाविद्यालय में दो अक्टूबर को लगेगा मेगा स्वस्थ शिविर

## जच्चा बच्चा, महिला एवं शिशु का किया जायेगा मुफ्त जांच

**पंच संवाददाता**

**दारू :** भारतीय जनता पार्टी के द्वारा देश के यशस्वि प्रधानमंत्री के देश हित मे किए गए कार्यों को उनके जन्म दिवस माह के अवसर पर सेवा एवं समर्पण अभियान सम्पूर्ण देश मे विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत दो अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर बीडीजेजे इंटर महाविद्यालय हरली में मेगा स्वस्थ शिविर का आयोजन किया जा रहा है। स्वस्थ शिविर में जच्चा -बच्चा, महिला एवं बच्चा के स्वस्थ के विशेषज्ञ चिकित्सक के द्वारा जांच किया जाएगा। इस मेगा शिविर में स्वस्थ सभी लोगों का निःशुल्क जांच किया जाएगा एवं निःशुल्क दवाई उपलब्ध कराया जाएगा। इस मेगा शिविर का आयोजन सदर विधायक मनीष जायसवाल एवं सहयोगी एचजेडबी आरोग्यम अस्पताल के द्वारा किया जा रहा है। मेगा स्वास्थ शिविर के आयोजन की तैयारी को लेकर दारू मंडल भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मंगलवार को एक बैठक किया गया। साथ ही एचजेडबी आरोग्यम अस्पताल के निदेशक हर्ष अजमेरा व सदर विधायक के मीडिया प्रभारी के द्वारा स्थल का निरीक्षण भी किया गया। दारू मंडल के भाजपा अध्यक्ष व कार्यकर्ताओं के द्वारा मेगा स्वास्थ शिविर के आयोजन को लेकर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। बैठक में उपाध्यक्ष शत्रुंजय प्रसाद, विनोद कुमार, महामंत्री इंद्रदेव कुशवाहा, दिनेशचंद्र चौरसिया, पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष देवदत्त प्रसाद, विधायक प्रतिनिधि बलदेव बाबू, बसन्त नारायण सिंह, इंद्र पासवान सहित कई लोग उपस्थित थे।

## भारतीय रिजर्व बैंक का एमएसएमई पर टाउनहॉल बैठक सम्पन्न

**पंच संवाददाता**

**विष्णुगढ़ :** भारतीय रिजर्व बैंक के रांची क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा विष्णुगढ़, जिला - हजारीबाग में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों पर टाउनहॉल बैठक का आयोजन संजीव सिन्हा, महाप्रबंधक(प्रभारी अधिकारी), भारतीय रिजर्व बैंक, झारखंड की अध्यक्षता में किया गया। बैठक को संबोधित करते हुये महाप्रबंधक(प्रभारी अधिकारी), भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि हमारे देश में एमएसएमई क्षेत्र बहुत बड़ी आबादी को रोजगार और व्यवसाय का अवसर प्रदान करता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम [एमएसएमई] क्षेत्र, एक मजबूत और स्थाई राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के निर्माण के साथ - साथ रोजगार सृजन, निर्यात एवं लोगों के सशक्तिकरण में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता है। केंद्र सरकार, राज्य सरकार, बैंकों एवं अन्य संस्थाओं द्वारा एमएसएमई के विकास से संबंधित कई योजनाएं जैसे MUDRA, PMEGP, इत्यादि चलाई जाती हैं जिसका आप लाभ उठा सकते हैं। साथ ही, मुद्रा के तहत 10 लाख तक ऋण बिना किसी गारंटी के स्वीकृत किए जाते हैं। एमएसएमई पर ब्याज सबवेंशन योजना के तहत नई या वृद्धिशील ऋणों पर सभी जीएसटी से पंजीकृत एमएसएमई के लिए 2% ब्याज सबवेंशन का लाभ दिया जा रहा है। विष्णुगढ़ में एमएसएमई उद्यम की अपार संभावनाएं हैं। यहां पर करीब 300 से अधिक घरों में कांसा एवं पीतल से संबंधित कार्य किया जाता है और तैयार समान को झारखंड के विभिन्न जिलों के साथ साथ, बिहार, बंगाल एवं उड़ीसा में भी भेजा जाता है। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की भी सराहना की जिन्होंने छोटे व्यवसाय जैसे-साबुन से संबंधित समान एवं सिलाई कार्यों से जुड़कर स्वरोजगार को अपनाया है। इस दिशा में और भी बेहतर करने की जरूरत है। उन्होंने क्षेत्र में कार्यरत बैंकों को आग्रह किया कि उद्यमियों को आसान प्रक्रिया के तहत पर्याप्त मात्रा में वित्त उपलब्ध करा कर प्रोत्साहित करें। इससे न केवल उनकी उद्यमिता में तेजी आएगी बल्कि उनसे जुड़े अन्य लोगों को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, आय के स्रोत बढ़ेंगे एवं आर्थिक संपन्नता आएगी। उन्होंने एमएसएमई से जुड़े वित्तपोषण संबंधित मामलों का निपटान बैंकों को निश्चित समय सीमा में करने के लिए सुझाव दिया।

### डपोक पंचायत में विहिप समिति गठित

## धर्मांतरण एक सामाजिक जहर है, इससे बचें : कृष्णा भूइयां

**पंच संवाददाता**

**बरही :** प्रखंड अंतर्गत विभिन्न गांव में चल रहे धर्मांतरण के अवैध खेल पर अंकुश लगाने के लिए विश्व हिंदू परिषद के बैनर तले डपोक पंचायत के खुर्द जवार गांव में एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता विहिप जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता एवं संचालन बजरंग दल संयोजक प्रदीप चंद्रवंशी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में सनातनी कृष्णा भुइयां उपस्थित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता कृष्णा भुइयां ने कहा कि भारत एक सनातनी राष्ट्र है और यहां रहने वाले लोग सनातन प्रेमी हैं। ऐसे सनातनी राष्ट्र में लोभ, लालच, भय का बहाना बनाकर अवैध रूप से धर्मांतरण किया जाना सामाजिक जहर से ज्यादा खतरनाक है। यदि समाज में पोटेशियम साइनाइड का नाम दिया जाए तो भी कम नहीं है। हमें अपने विचारों से ऐसे पाखंडीयों को समूल उखाड़ फेंकना है। इसके लिए हमें सामाजिक रुप से संगठित होने और भेदभाव को मिटाकर एक सूत्र में आंदोलन करने की आवश्यकता है। मूल मंत्र समानता का होना चाहिए,मौके पर मौजूद जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता व रंजीत चंद्रवंशी ने कहा कि हमें विभिन्न प्रकार के जातिगत भाव से ऊपर उठकर सामाजिक एकता का परिचय पेश करनी है और सनातन धर्म की रक्षा करनी है। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रसोईया धमना खंड के मुख्य शिक्षक अरविंद कुमार ने बच्चों में संस्कार शिक्षा एवं शाखा से जोड़कर उनमें संस्कार भरने की बात कही।

## स्व. टेकलाल महतो की मनायी गयी पुण्यतिथि

**पंच संवाददाता**

**टाटीझरिया :** प्रखण्ड क्षेत्र के होलग गांव में लवकुश एकतामन्च के सौजन्य से झामुमो नेता सह झारखण्ड के क्रांति कारी योद्धा टेकलाल महतो के तस्वीर पर मालार्पण व फूल अर्पित कर पुण्यतिथि मनाया गया। कार्यकर्ताओ ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए टेकलाल महतो जिंदाबाद, अमर रहे नारे लगाते हुए कहा कि टेकलाल महतो गरीबों के मसीहा थे। पुण्यतिथि मनाने के दौरान कई समाज सेवी नेता व जनता उपस्थित थे।

### स्व. टेकलाल महतो की मनायी गयी 10वीं पुण्यतिथि

**इचाक :** प्रखंड के बरकाखुर्द में झारखंड राज्य के जननायक पूर्व सांसद स्व टेकलाल महतो की 10वीं पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत स्व महतो के चित्र पर पुष्प अर्पित व माल्यार्पण कर किया गया। स्व टेकलाल महतो कांग्रेस पार्टी से मांडु विधान से पांच बार विधायक और गिरिडीह लोक सभा क्षेत्र से एक बार सांसद चुने गए थे। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे भाजपा किसान मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी ओम प्रकाश मेहता ने स्व टेकलाल महतो के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वर्गीय टेकलाल महतो एक ऐसे व्यक्तित्व का नाम था जिन्होंने झारखंड की राजनीति के साथ-साथ पूरे देश की राजनीति में अपनी पहचान बनाई थी। झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में या फिर झारखंड को अलग राज्य बनाने में उन्होंने अग्रणी भूमिका निभाया। वह पूरे क्षेत्र में गरीबों का मसीहा के रूप में जाने जाते थे। हर लोगों के दुख और सुख में शामिल होने का काम करते थे। पुण्यतिथि कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा किसान मोर्चा के रामजय प्रसाद मेहता, भाजपा पूर्वी मंडल के मीडिया प्रभारी राहुल राणा, समाजसेवी तिलक मेहता, रवि कुमार, मुंशी ठाकुर, केदार मेहता, प्रमेश्वर मेहता, सुनील कुमार मेहता, राम जी मेहता, विनोद मेहता समेत कई लोग शामिल थे।

### 33 हजार का जर्जर बिजली तार टूट कर गिरा

**कटकमसांडी :** पेलावल दक्षिणी के सघन मुहल्ले के बीच से गुजरा 33 हजार का जर्जर बिजली तार गत सोमवार को देर शाम टूटकर बीच रास्ते में गिरा। बाल बाल राहगीर बचे। आनन फानन में बिजली विभाग को दूरभाष कर लाइन को काटा गया। बिजली नहीं रहने से रातभर और मंगलवार को दिनभर लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। मालूम हो कि पेलावल दक्षिणी पंचायत के मुखिया नूरजहां एक दिन पूर्व ही पत्र लिखकर बिजली विभाग को संभावित खतरे से आगाह किया है। पत्र में कहा गया है कि 33 हजार के बिजली वायर का सघन इलाके से गुजरने के बाद भी बिजली विभाग द्वारा सेफ्टी का कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं किया गया।

## समाज के ज्वलनशील मुद्दे पर लघु फिल्म धर्मांतरण बन कर तैयार, 03 को होगा रिलीज

**पंच संवाददाता**

**इचाक :** समाज में तेजी से हो रहे धर्मांतरण जैसे गंभीर समस्या को लेकर एसएस स्टूडियो फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले लघु फिल्म धर्मांतरण बनकर तैयार हो चुका है। यह फिल्म आगामी 3 अक्टूबर को एसएस स्टूडियो ऑफिशियल यूट्यूब चैनल के साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज किया जायेगा। बताते चलें कि इचाक क्षेत्र के विभिन्न गांव में एसएस स्टूडियो फिल्म प्रोडक्शन के द्वारा इस फिल्म की शूटिंग की जा रही थी, जो मंगलवार को अंतिम कैरेक्टर के साथ समाप्त कर दिया गया है। फिल्म बनकर तैयार हो चुकी है। इस फिल्म का शीर्षक धर्मांतरण है। जिसके निर्देशक सुशांत सोनी और निर्माता एसएस स्टूडियो फिल्म प्रोडक्शन है। इस लघु फिल्म के माध्यम से यह बताया गया है कि इससे पहले भी कई सारे लघु फिल्म कर चुके हैं जिसमें 'आखिर बेटा ही क्यों' साथ ही साथ अन्य लघु फिल्म शामिल है। वहीं उन्होंने यह भी बताया कि जिस गति से धर्मांतरण किया जा रहा है वह समाज के लिए कितना खतरनाक साबित होगा तथा धर्मांतरण किए हुए लोगों को पुनः अपने समाज में आने के लिए कितनी जद्दोजहद करनी पड़ती है। धर्म, संस्कार और संस्कृति बचाने के उद्देश्य इस फिल्म को बनाया गया है, जिसकी शूटिंग प्रखंड में ही किया गया तथा स्थानीय कलाकारों के द्वारा इस फिल्म के रंगमंच को सुसज्जित किया गया है। फिल्म के निर्देशक ने बताया की कोरियोग्राफर मुकेश कुमार उर्फ गोविंद, पटकथा प्रो. राजेंद्र यादव, डीओपी सुमंत सोनी के द्वारा तैयार किया गया है। जिसमें स्थानीय कलाकार भाजपा के वरिष्ठ नेता बटेश्वर मेहता, पवन आर्य, राजेंद्र यादव, मुकेश कुमार, गोपी राणा, प्रो. पंकज कुमार, विश्व हिंदू परिषद के जिला प्रचार प्रसार प्रमुख अभिषेक कुमार, रंजीत कुमार, विजय कुमार, विशाल कुमार, अनिकेत भारती, बादल कुमार, संजय कुमार, संदीप मुखर्जी, वीरेंद्र कुमार ने फिल्म में विभिन्न किरदार निभाकर अपना कला को पेश किया है।

# विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के यूसेट परिसर में शहीद भगत सिंह की मनायी गयी जयंती

**पंच संवाददाता**

**हजारीबाग :** यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के यूसेट परिसर में शहीद भगत सिंह की जयंती मनाई गई। मौके पर मुख्य अतिथि यूसेट के निदेशक डॉ कामेश्वर प्रसाद ने कहा की शहीद भगत सिंह से युवाओं को देश भक्ति एवं बलिदान की प्रेरणा मिलती हैं। कार्यक्रम का संचालन यूसेट के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉक्टर खेमलाल महतो एवं यूएलसी की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. लक्ष्मी सिंह संयुक्त रूप से कर रहे थे। मौके पर प्रो॰ रंजित कुमार, प्रो. शशांक कुमार सिंह, सुजाता कुमारी,ज्योति जारिका, अंजली राज, अमिता कुमारी, किरण कुमारी, विभा कुमारी, शिवानी कुमारी, सौम्या कुमारी, चांदनी कुमारी, हर्षित प्रधान, उज्ज्मा नसीम, उत्कर्ष कुमार, उज्जवल जयपुरियार, रामदुलार प्रसाद आदि स्वयंसेवक शामिल थे।

## सुख समृद्धि पार्टी ने भगत सिंह की जन्म जयंती पर दी श्रद्धांजलि

**हजारीबाग :** भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद ए आजम भगत सिंह की 114वीं जयंती पर सुख समृद्धि पार्टी ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार ने याद करते हुए कहा की महज 23 की उम्र में देश की आजादी के लिए शहीद भगत सिंह ने ख़ुशी ख़ुशी फांसी के फंदे को चूम लिया। पर आजादी के 75 वर्ष बीतने के बावजूद आज भी समाज का अंतिम व्यक्ति मूलभूत सुविधा का दंश झेल रहा है यह काफी दुख है। आज देश की दुर्दशा पर भगत सिंह की आत्मा रो रही होगी। देश की आर्थिक आजादी के लिए एक और क्रांति की जरूरत है इसके लिए युवा को आगे आना होगा। देश हित में आवाज बुलंद करना होगा यही शहीद भगत सिंह की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। केंद्रीय सदस्य अनिल कुमार ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भगत सिंह विचारों का नाम है वो देश के लोगों की रग रग में संचारित रहेंगे। छात्र मोर्चा के प्रदेश सचिव दिलकश हुसैन ने कहा ने भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव तीनों स्वतंत्रता सेनानियों ने मिलकर ब्रिटिश शासकों की रातों की नींद उड़ा दी। युवा प्रदेश सचिव पवन कुमार साहू ने कहा शहीद भगत सिंह आने वाली कई पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे। जिला अध्यक्ष रोहित कुमार ने कहा शहीद भगत सिंह का वक्तव्य याद करते हुए कहा मेरे दिल से वतन की उल्फत नहीं निकलेगी, मेरी मिट्टी से भी वतन की ही खुशबू आएगी यह बात आज सम्पूर्ण देश में देखने को मिल रही है।

### शहीद भगत सिंह का मनाया गया शहादत दिवस

**चौपारण :** प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत झापा स्थित शहीद भगत सिंह ऊंच विद्यालय झापा बिशनपुर में शहिद आजम भगत सिंह के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए 114 वी जयंती मनाई गई, मौके पर छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए महान देशभक्ति से सम्पूर्ण देश के युवाओं में राष्ट्रभक्ति एवम स्वतंत्रता की अलख जगाने वाले महान क्रांतिकारी, अमर बलिदानी शहीद भगत सिंह के जीवनी पर प्रकाश डाला और उन्हें नमन किया, कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सेवा निवृत्त शिक्षक दिवाकर पांडेय ने किया जबकि संचालन विद्यालय के शिक्षक कृष्णा कुमार शर्मा ने किया, कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, विशिष्टअतिथि विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव राकेश रंजन, सेवा निवृत प्राचार्य नकुल देव पोद्दार, रोशन साव, शिक्षक मो. शौकत अली अंसारी, किरण कुमारी, दीपक कुमार, हेमंत कुमार, सहायक खुशी यादव, सेवा निवृत शिक्षक बीरेंद्र कुमार सिंह, भास्कर सिंह, सेवा निवृत सहायक सियाशरण सिंह, अभिभावक रामाधीन ठाकुर, तुलसी साव सुधीर कुमारसहित अन्य लोग एवम विद्यालय के सभी छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

## सार संक्षेप

### कुरानख्वानी कार्यक्रम का आयोजन

**जमशेदपुर।** मानगो जाकिरनगर चौक स्थित इमामबाड़ा मे आज चहल्लुम कार्यक्रम परंपरागत व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। प्रातः 7 बजे कुल व कुरानख्वानी कार्यक्रम का आयोजन किया गया । फातिहाख्वानी व सलाम के पश्चात दुआएं की गयीं। बाद नमाज जोहर लंगर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर हाफिज मो.नईमुद्दीन , हसन रजा , कारी जहीर रजा , आजम खान , वसीम रजा , मुजाहिद रजा , गुलजार अहमद , मुजम्मिल अहसन , अमीन रजा , दिलकश रामगढ़ी , मो.रहमान , शम्स तबरेज , शाहजहां अंसारी , शेख शरीक , अशरफ हुसैन आदि उपस्थित थे। इस के पूर्व हाफिज नईमुद्दीन ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य मे हजरत इमाम हुसैन के व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए उन्हें शहीद ए आजम बताया और कहा कि प्राण गवां कर जीत हासिल करने का इतिहास कोई कर्बला से सीखे। उस घटना की पुनरावृत्ति कयामत तक नही हो सकती।

### मास कॉम फाइनल ईयर की परीक्षा 10 अक्टूबर से पहले लिया जाए : नया जुल्का

**जमशेदपुर।** करीम सिटी कॉलेज मास कॉम की फाइनल ईयर की छात्रा नया जुल्का ने कोल्हान यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर से आग्रह करते हुए परीक्षा को 10 अक्टूबर से पहले करने की मांग की है। उसने कहा कि हम स्नातक फाइनल ईयर के विद्यार्थी है, हमारे परीक्षा के तारीख में जो बदलाव आए है उससे हम विद्यार्थियों को बहुत नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। हम जैसे बहुत से विद्यार्थियों ने अपनी आगे की पढ़ाई के लिए दूसरे कॉलेज में दाखिला करवा लिया है । हम सबने सोचा की 10 तारीख से पहले तक सारा परीक्षाएं हो जायेंगी तो हम आगे की पढ़ाई के लिए अपने दूसरे कॉलेज जा सकते है और जाने का टिकट भी करवा लिए एडमिशन और साल भर का कॉलेज फीस भी दे दिया है। पर अब जो 1 महीने का तारीख बढ़ा है। 27 सितंबर 2021 वाली को 22 अक्टूबर 2021 किया गया है। परीक्षा बोर्ड वालों ने इससे हमारे सारे पैसे और आगे की पढ़ाई बर्बाद होने वाली है, क्योंकि कॉलेज ने हमे सिर्फ 15 तारीख तक का समय दिया है। वहा जाके पढ़ाई शुरू करने के लिए क्योंकि वह पढ़ाई 1 सितंबर 2021 से शुरू हो जा चुकी है। इस परेशानी को देखते हुए आपसे आग्रह है कि जो परीक्षा 22 अक्टूबर 2021 को लेने का निर्णय लिया गया है, उसे 10 अक्टूबर 2021 से पहले करवाने का अनुराग करते है सारे विद्यार्थियों कर रहे है।

### राजस्थान दिवस मनाने की तैयारी को लेकर 10 को बैठक

**जमशेदपुर।** कोरोना संक्रमण के कारण पिछले दो साल से पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा राजस्थान स्थापना दिवस नहीं मनाया जा रहा हैं। आगामी वर्ष 2022 में ईश्वर की कृपा से कोरोना का प्रकोप नहीं रहा और प्रशासन से आयोजन संबंधित स्वीकृति मिलती है तो इस बार राजस्थान दिवस का पांच दिवसीय आयोजन पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा मारवाड़ महोत्सव के रूप में मनाने का प्रयास किया जायेगा। 30 मार्च को राजस्थान दिवस मनाया जाता हैं। यह जानकारी मारवाड़ी सम्मेलन के जिलाध्यक्ष अशोक मोदी एवं महामंत्री अरुण गुप्ता ने मंगलवार को संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में विस्तृत चर्चा हेतु आगमी 10 अक्टूबर रविवार को साकची बाजार शिव मंदिर में जिला मारवाड़ी सम्मेलन कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया हैं। मालूम हो कि राजस्थान स्थापना दिवस पूरे मारवाड़ी समाज के लिए एक त्यौहार की तरह होता है। विगत कई सालो से पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन भी इस दिवस को बहुत बड़े स्तर पर मनाते आ रहा है। इसमें जमशेदपुर समेत आस पास के क्षेत्रो के करीब 3 हजार से अधिक लोग शामिल होते है। विगत दो सालो से कोरोना के चलते इसका आयोजन नहीं हो सका है।

### रक्तदान एवं निः शुल्क नेत्र जांच शिविर 30 को

**जमशेदपुर।** पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन द्वारा आयोजितअग्रसेन जयंती के शुभ अवसर 30 सितंबर, गुरुवार को रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क नेत्र जाँच एवं परामर्श का आयोजन साकची स्थित श्री महालक्ष्मी मंदिर के एसी हॉल प्रथम तल पर (श्री सत्यनारायण ठाकुरबाड़ी मंदिर) होने जा रहा है। अग्रवाल युवा मंच, जमशेदपुर द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम सुबह 10 से संध्या 5 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अग्रवाल सम्मेलन के जिलाध्यक्ष संतोष अग्रवाल, अग्रवाल युवा मंच जमशेदपुर अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, महासचिव सन्नी संघी, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी एवं इस कार्यक्रम के संयोजक रोहत अग्रवाल व आशुतोष काबरा समेत युवा मंच की पुरी टीम लगी हुई है।

### मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिये 9 को भेजा पूर्णिमा नेत्रालय

**जमशेदपुर।** झारखण्डवासी विकास समिति के संस्थापक एवं महासचिव मनिल महतो के नेतृत्व में पुराना सोनारी बस्ती में नेत्र जांच शिविर लगाया गया, जिसमे बस्ती के आसपास के लगभग 43 लोगों की जांच की गई. पूर्णिमा नेत्रालय के चिकित्सकों ने शिविर में आनेवालों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया. इसके बाद चिकित्सकों को सलाह पर 9 लोगों का मोतियाबिंद आपरेशन हेतु तामोलिया ब्रम्हानंद अस्पताल के पूर्णिमा नेत्रालय भेजा गया. आपरेशन हेतु चयनित मरीजों में दीनानाथ मिस्त्री, अमर कोर, दीप लहरी, श्यामलाल साहू, काकोली महतो, गणेश साहू, अर्चना महतो, विनती बागती तथा बबलू दीप के नाम शामिल है।

## मत्स्य पालकों की सुरक्षा के लिये डीसी के निर्देशानुसार

# मोटरचलित नाव के लिए लाभुकों का चयन किया गया

**तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 में लघुशीर्ष 101 में 02 मोटरचलित नाव का लक्ष्य प्राप्त है।**

पंच संवाददाता

**देवघर।** उपायुक्त सह जिला दण्डधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निदेशानुसार, अपर समाहत्र्ता चन्द्र भूषण प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में मोटर वोट के लाभुकों हेतु चयन को लेकर बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना अंतर्गत जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समिति को मोटर चलित नाव उपलब्ध कराने निमित जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक में अपर समाहर्ता ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। इसके अलावा बैठक के दौरान जिला मत्स्य पदाधिकारी प्रशांत कुमार दीपक द्वारा बताया गया कि तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 में लघुशीर्ष 101 में 02 मोटरचलित नाव का लक्ष्य प्राप्त है, जिसकी आवंटित राशि झास्कोफिश, झारखण्ड, रांची के पीएल खाते में रखी गई है तथा चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 में लघुशीर्ष 101 में 01 का लक्ष्य प्राप्त है, जिसका आवंटन प्राप्त है। साथ हीं तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना अंतर्गत जलाशयों में मछली पालन के दौरान मत्स्य पालकों की सुरक्षा तथा आपदा की स्थिति में जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समिति को 90 प्रतिशत अनुदान पर मोटरचलित नाव उपलब्ध कराया जाना है। बैठक के दौरान जिला स्तरीय समिति द्वारा मत्स्य पालकों की सुरक्षा हेतु मोटरचलित नाव के

चयनित लाभुक (पीएल खाता(20-21) के तहत दो लाभुकों का चयन किया गया है। साथ हीं चालू वित्तीय 20-21 के तहत एक लाभुकों का चयन मोटरचलित नाव के लिए किया गया। इस दौरान उपरोक्त के अलावे जिला मत्स्य पदाधिकारी प्रशांत कुमार दीपक, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अमित कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी कमल कुमार कुजूर, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रवि कुमार, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र सैमरॉम बारला, जिला खेल पदाधिकारी राजेश कुमार चैधरी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, मुख्य अभियंता (जल संसाधन), देवघर, कार्यपालक अभियंता, पुनासी बांध प्रमण्डल, खाद्य निरीक्षक, ईओडीबी मैनेजर पियुष कुमार, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

### जिले में कुल 25 धान अधिप्राप्ति केन्द्रों का चयन किया गया.....

**देवघर।** मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दण्डधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निदेशानुसार, अपर समाहत्र्ता चन्द्र भूषण प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में धान अधिप्राप्ति को लेकर बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान उन्होंने नियमावली के अनुसार निर्बंधित जिले के किसानों से ही धान क्रय करने, राइस मिल का जायजा लेने, इसके निबंधन का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। इसके अलावे बैठक के दौरान सभी को जानकारी दी गयी कि गोपालपुर, मानिकपुर व खसपैका पैक्स को चयनित किया गया है। साथ हीं मोहनपुर प्रखण्ड अन्तर्गत बल्थर, हरकट्टा व सरासनी पैक्स का चयन किया गया है। सोनारायठाढ़ी प्रखण्ड अन्तर्गत माहपुर एवं बिंझा पैक्स के अलावा सारवां प्रखण्ड अन्तर्गत जियाखाड़, रक्ति एवं नारंगी पैक्स का चयन किया गया है, सारठ प्रखण्ड अन्तर्गत ठाढ़ी, सधरिया व सबैजोर पैक्स एवं पालोजोरी प्रखण्ड अन्तर्गत कांकी व सगराजोर पैक्स का चयन किया गया है। इसके अलावे करौं प्रखण्ड अन्तर्गत टेकरा, सिरसा, बधनाडीह व साल्तर पैक्स एवं मधुपुर प्रखण्ड अन्तर्गत गढ़िया, गोविन्दपुर पैक्स के अलावा मारगोमुण्डा प्रखण्ड अन्तर्गत पिपरा पैक्स का चयन किया गया है। साथ हीं देवीपुर प्रखण्ड अन्तर्गत टटकियो, अमडीहा पैक्स का चयन किया गया है। आगे बैठक के दौरान अपर समाहर्ता ने संबंधित अधिकारियों को निदेश दिया कि जिले के गोदामों की क्षमता, भवन की स्थिति आदि का भौतिक निरीक्षण कर फोटोग्राप्स के साथ रिपोर्ट्स तैयार कर जिला में संबंधित कार्यालय को उपलब्ध कराए।

## पांच लाख कामगारों का होना है श्रम पोर्टल पर निबंधन

पंच संवाददाता

**चाईबासा।** जिला समाहरणालय के जिला सभागार में उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में श्रम पोर्टल पर निबंधन को लेकर जिला स्तरीय श्रम कार्यान्वयन समिति कि बैठक हुई. बैठक में पदाधिकारियों को सूचित किया गया कि असंगठित क्षेत्र के कामगारों का निबंधन प्रज्ञा केंद्रों में जाकर निःशुल्क कराया जा सकता है. साथ ही कामगार अपने मोबाइल से भी ई-श्रम पोर्टल (म-ौंतंउ.हवअ.पद) के माध्यम से निबंधन कर सकते हैं. निबंधन के समय बैंक खाता, आधार संख्या, मोबाइल संख्या आदि की उपलब्धता आवश्यक है. स्वयं निबंधन हेतु आधार एवं मोबाइल नंबर का संबद्ध होना आवश्यक है. बैठक में उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को क्षेत्रवार प्रतिदिन 2,500 कामगारों के निबंधन के लिए लक्ष्य निर्धारित कर विशेष शिविर का आयोजन करने का निर्देश दिया. उन्होंने बताया कि श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के द्वारा असंगठित क्षेत्र के कामगारों के निबंधन हेतु के लिए जिले में 4,95,600 लक्ष्य निर्धारित किया गया है. जिसे 31 दिसंबर 2021 तक पूरा किया जाना है. उपायुक्त ने कहा कि दिन के समय में सभी कामगार अपने-अपने कार्यों में व्यस्त रहते हैं. अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी पदाधिकारी अपने अधिकार क्षेत्र में रात्रि चौपाल का आयोजन कर असंगठित क्षेत्र के कामगारों का निबंधन करवाना सुनिश्चित करें. ताकि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं सुविधाओं से कामगारों को आच्छादित किया जा सके.बैठक में असंगठित क्षेत्रों के कर्मकार यथा निर्माण संलग्न, प्रवासी मजदूर, घरेलू कामगार, कृषि एवं पशुपालन में कार्यरत मजदूर, स्वनियोजित मजदूर, फुटकर विक्रेता, छोटे दुकानदार, आशा कर्मी, आंगनबाड़ी कर्मी, मत्स्य पालन में लगे कामगार, वृक्षारोपण में लगे असंगठित कामगार, मनरेगा मजदूर, दूध विक्रेता सहित वैसे मजदूर जिनका पीएफ/ईएसआई नहीं कटता है एवं आयकर के दायरे में नहीं आते हैं उन पर विचार किया गया. बैठक में मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बुका उरांव, सहायक समाहर्ता रवि जैन, श्रम अधीक्षक अविनाश ठाकुर, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी सहित सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी उपस्थित थे।

### खरसावां छऊ नृत्य कला केंद्र के कलाकारों ने दी कोलकाता में प्रस्तुति

**सरायकेला।** भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय के सौजन्य से पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र कोलकाता द्वारा आयोजित फॉक एंड ट्राइबल आर्ट फेस्टिवल ऑफ झारखंड में खरसावां छऊ नृत्य कला केंद्र के कलाकारों ने अपना जलवा बिखेरा. इस मंच में शिकार प्रथा पर आधारित नृत्य शिकारी की भव्य प्रस्तुति दी गई. कलाकारों ने अपनी सहेली के माध्यम से लोगों तक यह संदेश पहुंचाया कि भले ही हमारी परंपरा में शिकार प्रथा शामिल है परन्तु वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिकार करना न केवल कानूनी अपराध है बल्कि पाप है. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कमल महतो, बसंत गंतायत, कमल कृष्ण साहु,ज्योति मोदक, आदि कलाकारों ने प्रमुख भूमिका निभाई।

## एकदिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

पंच संवाददाता

**देवघर।**आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मंगलवार को सदर अस्पताल देवघर के सभागार में एकदिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. सीके शाही द्वारा कहा गया कि अधिक से अधिक जरूरतमंदों को योजना का लाभ मिल सके इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। यह योजना उन लोगों के लिए वरदान साबित हुई है जिनके पास इलाज के लिए पैसे नहीं होते थे। गंभीर बीमारी होने पर उनको कोई रास्ता नजर नहीं आता था। माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा लोगों की पीड़ा को समझा गया और इस योजना को लागू किया गया। सरकार के इस कदम से लाखों लोगों को लाभ मिल सका है। आगे उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिले में कुल 27 केंद्र है जहाँ से आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत गोल्डन कार्ड बनवाया जा सकता है। कार्यशाला को संबोधित करते हूए सिविल सर्जन द्वारा कहा गया कि आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत जिले के लगभग योग्य लोगो का गोल्डन कार्ड बनाया जा चुका है। शेष बचे लोगो का भी जल्द ही कैम्प लगाकर या फिर सेविका/सहायिका के मदद से गोल्डेन कार्ड बनवाया जायेगा।

## पंकज बेहरा बनाए गए एआईएसएफ के प्रमंडल अध्यक्ष

पंच संवाददाता

**घाटशिला।** मंगलवार को ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन घाटशिला प्रमंडल ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 114वीं जयंती राखा चौक स्थित केदार भवन यूनियन ऑफिस में मनाया. इस मौके पर एआईएसएफ घाटशिला प्रमंडल का चुनाव एआईएसएफ जिला सचिव विक्रम कुमार की उपस्थिति में हुआ. इसमें सर्वसहमति से पंकज बेहरा को अध्यक्ष, दीपक सिंह को सचिव, रोहित राय को उपाध्यक्ष, अंकित मुखी को सह सचिव, सौरभ पात्र को कोषाध्यक्ष चुना गया. मौके पर छात्रों को संबोधित करते हुए विक्रम कुमार ने बताया कि एआईएसएफ देश का पहला छात्र संगठन है जिसने आजादी की लड़ाई में अपनी भूमिका निभाई. जिस समय यह संगठन बना उस समय इस संगठन के अंदर विभिन्न प्रगतिशील दलों के छात्र एक साथ काम करते थे. यह एक स्वतंत्र छात्र संगठन है, जो हमेशा छात्रों की बेहतरी के साथ ही भगत सिंह के सपनों का देश बनाने के लिए संघर्षरत है. इस मौके पर इंटक के नेता राजू मुखी, सोनू करूवा, अरविंद मुखी, आशीष तामसेव, आर्यन वर्मा, मनीष कुमार, प्रिंस

### भू-माफियाओं से जमीन बचाने के लिए डीसी ऑफिस के सामने प्रदर्शन

**जमशेदपुर।** गोविंदपुर से सटे खैरबनी मौजा में स्थित आदिवासी और सरकारी गैरमजरूआ जमीन के अतिक्रमण के खिलाफ मंगलवार को भीम आर्मी भारत एकता मिशन के बैनर तले ग्रामीणों ने उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया. इस दौरान आदिवासियों और सरकार की जमीन पर हो रहे अतिक्रमण को रोकने की मांग की. भीम आर्मी एकता मिशन के जिलाध्यक्ष विकास हेम्ब्रम ने बताया कि विगत कई वर्षों से खैरबनी मौजा में भोले भाले आदिवासियों को बहला कर गैर आदिवासी उनकी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं।

## जुस्को ने शुरू किया जेम्को रोड की मरम्मत का काम

पंच संवाददाता

**जमशेदपुर।** टाटा मोटर्स कंपनी से सटे जेम्को रोड की मरम्मत का काम मंगलवार को तार कंपनी की पहल पर जुस्को ने शुरू किया. उक्त सड़क की मरम्मत को लेकर गदड़ा-गोविंदपुर के लोगों ने बीते सप्ताह टाटा मोटर्स के सीएसआर विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की थी. टाटा मोटर्स के मेंटेनेंस डिपार्टमेंट के लोगों ने सड़क का मुआयना भी किया. लेकिन बाद में टाटा मोटर्स सीएसआर डिपार्टमेंट ने तार कंपनी का एरिया बताते हुए मरम्मत करने से पल्ला झाड़ लिया. सामाजिक सेवा संस्था के संयोजक राजेश सामंत ने बताया कि टाटा मोटर्स के मरम्मत से इनकार के बाद संघ का एक प्रतिनिधिमंडल तार कंपनी के सीएसआर अधिकारी अरुण सिंह से मुलाकात की और रोड की मरम्मत कराने एवं जल निकासी की व्यवस्था की मांग. इसके बाद आज तार कंपनी की पहल पर जुस्को ने उक्त सड़क की मरम्मत शुरू की है. हल्की बारिश में उक्त सड़क पानी की निकासी नहीं होने के कारण तालाब बन जाती है. इससे आने जाने वाले राहगीरों को परेशानी होती थी. सड़क मरम्मत के दौरान जेएमएम पूर्वी सिंहभूम जिला उपाध्यक्ष सागेन पूर्ति, भूपति सरदार, अखिलेश महतो, सोनू श्रीवास्तव, छोटे सरदार, मंगल शर्मा, कृष्णा हेम्ब्रम आदि मौजूद थे।

## कांग्रेस भवन में मनाई गई शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती

पंच संवाददाता

**चाईबासा।** जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वाधान में मंगलवार को कांग्रेस भवन में कांग्रेसियों ने स्वतंत्रता सेनानी शहीद भगत सिंह के जन्म दिवस पर उनकी शहादत को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई. पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने आह्वान करते हुए कहा कि हमें भगत सिंह की कुबार्नी को याद करते हुए उनके द्वारा बताये हुए रास्ते पर चलकर देश सेवा करने की शपथ लेनी चाहिए. युवाओं को उनके इतिहास को पढ़ना चाहिए. जलियांवालाबाग के नरसंहार को देखकर उन्होंने चन्द्रशेखर आजाद के साथ मिलकर एक क्रांतिकारी संगठन तैयार कर आजादी के आंदोलन में कूदने का संकल्प लिया. विधायक सोनाराम सिंकु ने कहा कि देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद भगत सिंह की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन. मातृभूमि के प्रति उनका समर्पण, त्याग एवं बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा. मौके पर कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष अम्बर रायचौधरी, सांसद प्रतिनिधि त्रिशानु राय, लखन बिरुवा, जितेन्द्र नाथ ओझा, विकास वर्मा , राकेश सिंह, चरण पाल सिंह, ओबीसी प्रकोष्ठ चेयरमैन चंद्रशेखर दास, उपाध्यक्ष मासूम राजा, महासचिव हरिचरण गोप, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां, ईस्माईल सिंह दास, राजेश दास, वरीय कांग्रेसी कृष्णा सोय, विजय सिंह सुंडी, जंग बहादुर, अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष रफीक अंसारी, लियोनार्ड बोदरा, प्रेम पूर्ती, केरसे सोय, आफताब आलम , अभिराज सुंडी , विशाल पूर्ती , फकीर चन्द, संजय धोष, राहुल दास, नारायण निषाद, सुभम सुंडी, सुशील दास आदि उपस्थित थे।

### हुरलुंग जंगल में दो महुआ शराब की भट्ठियों को किया ध्वस्त

**जमशेदपुर।** सहायक आयुक्त उत्पाद एके मिश्रा को मिली गुप्त सूचना के बाद मंगलवार को उत्पाद विभाग ने बिरसानगर में छापामारी की. इस थाना अंतर्गत हुरलुंग जंगल में दो अवैध महुआ शराब चुलाई भट्ठियां संचालित हो रही थीं. दोनों शराब अड्डों को बिरसानगर थाना के सहयोग से ध्वस्त किया गया. इस दौरान संचालक फरार हो गए. यहां दो अवैध चुलाई अड्डा संचालकों के विरुद्ध फरार अभियोग दर्ज किया गया है. वहीं अन्य छापामारी में परसुडीह थाना अंतर्गत सोपोडेरा तथा गोविन्दपुर थाना अंतर्गत सेरेगबेडा में भी छापामारी सह तलाशी ली गयी. तलाशी के दौरान अवैध शराब बरामद हुआ. 04 अवैध शराब बिक्रेताओं के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है।

## टीएमएच के पूर्व आरएमओ की कोरोना से मौत

पंच संवाददाता

**जमशेदपुर।** टाटा मेन हॉस्पिटल के रिटायर्ड डॉक्टर की मंगलवार दोपहर में कोरोना बीमारी से संघर्ष करते हुए मौत हो गई. इसकी पुष्टि सिविल सर्जन डॉक्टर एके लाल ने की है. उन्होंने बताया कि 75 वर्षीय उक्त चिकित्सक को बीते दिनों पॉजिटिव पाए जाने के बाद टीएमएच में भर्ती कराया गया था. जहां सीसीयू में उनका इलाज चल रहा था. उन्होंने बताया कि फिलहाल चिकित्सक का शव टाटा मैन हॉस्पिटल के कोविड मॉर्ग में रखा गया है, उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था की जा रही है. वे 25 सितंबर को कोरोना संक्रमित होने के बाद टीएमएच के सीसीयू में भर्ती कराए गए थे. उनकी किडनी सहित कई अंग काम नहीं कर रहे थे. उन्हें हाईपर टेंशन, स्वांस संबंधी और मोटापा संबंधित भी परेशानियां थीं. वे 15 साल पहले टीएमएच से आरएमओ के पद से रिटायर हुए थे. कोरोना से दो महीने बाद जिले में यह पहली मौत है. इस मौत ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है. गौरतलब है कि कुछ दिनों से कोरोना का एक भी मामला नहीं आने से लोग राहत की सांस ले रहे थे।
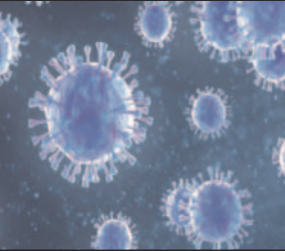
## झारखंड के 980 यूनियनों का फिर से निबंधन की प्रक्रिया शुरू होगी : राकेश्वर पांडेय

**राकेश्वर पांडेय ने बताया कि जल्द ही झारखंड प्रदेश इंटक के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन जमशेदपुर में कराया जाएगा जिस की तिथि अभी तय नहीं है।**

पंच संवाददाता

**जमशेदपुर।** बिहार से वर्ष 2000 में अलग झारखंड राज्य बनने के बाद बिहार सरकार ने झारखंड के 980 यूनियनों का निबंधन को रद्द कर दिया था, कारण था की सरकार को वार्षिक रिटर्न नहीं मिल रहा था। अब फिर से निबंधन की प्रक्रिया फिर से शुरू की जाएगी। यह बातें तीनप्लेट वर्कर्स यूनियन सभागार में प्रेस वार्ता में झारखंड प्रदेश इंटक के अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय ने कही। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार द्वारा यूनियनों का निबंधन रद्द किए जाने के बाद वह लगातार प्रयास करते रहे लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। यहां तक की

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मिलकर इस मुद्दे को रखा लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इस संबंध में उन्होंने कहा कि वह सभी यूनियन के पदाधिकारियों को फिर से निबंधन की प्रक्रिया शुरू करने की बात कही है। श्री पांडे ने बताया कि झारखंड में 980 यूनियनों में 127 यूनियन इंटक की है। गंभीर आरोप लगाते हुए राकेश्वर पांडेय ने कहा की सरकार है मजदूरों के साथ अन्याय कर रही है। सरकार को गरीब और मजदूरों की कोई चिंता नहीं है, जबकि दुनिया का सारा निर्माण कार्य मजदूर ही करते हैं। उन्होंने कहा कि कई कंपनियों और निजी संस्थानों में मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी भी नहीं मिल पाती है, जबकि उनकी मांग है कि कम से कम 25000 महीना हर मजदूर को वेतन मिले। वहीं दूसरी ओर झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय ने कहा कि प्रदेश में इंटक संगठन को मजबूत करना है। इसके लिए राज्य में जिला इकाई का गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अब तक 8 जिलों में अध्यक्षों की घोषणा कर दी गई है। अन्य बचे जिलों में भी जिला इकाई का गठन जल्द ही कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना को ध्यान में रखते हुए काम करना है। प्रेस वार्ता में इंटक के महेंद्र मिश्रा, विनोद राय राजीव और तीनप्लेट वर्कर्स यूनियन के कमेटी मेंबर उपस्थित थे। राकेश्वर पांडेय ने बताया कि जल्द ही झारखंड प्रदेश इंटक के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन जमशेदपुर में कराया जाएगा जिस की तिथि अभी तय नहीं है।

### प्राचार्य का छात्रों ने किया घेराव

**जमशेदपुर।** मंगलवार को ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स आगेर्नाइजेशन एआईडीएसओ के जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज इकाई के प्रतिनिधिमंडल ने कॉलेज प्राचार्य का घेराव किया. कॉलेज सचिव कामेश्वर प्रसाद ने कहा कि इतिहास, राजनीति विज्ञान और हिंदी जनरल सेमेस्टर-6 के विद्यार्थियों को डीएसई की जगह जीई का सिलेबस पढा.दिया गया और परीक्षा से 12 घंटे पहले विद्यार्थियों को बताया जाता है कि आपका सिलेबस चेंज हो चुका है. विद्यार्थियों को हिदायत दी जाती है कि आप कॉपी को भरिए और आपको पास कर दिया जाएगा. गौरतलब है कि इसके तहत इतिहास, हिंदी और राजनीतिक विज्ञान की परीक्षा 21, 22 और 23 सितंबर को ली गई।

## पाक का राग

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें अधिवेशन के बाद एक तरफ भारत के विजन की तारीफ हो रही है तो दूसरी तरफ पाकिस्तान को उसकी आतंकवाद परस्त नीति के लिए लताड़ लग रही है। आतंक को पालने वाला पाकिस्तान इस तरह घिर चुका है कि उसके प्रधानमंत्री इमरान खान दुनिया को मुंह दिखाने लायक नहीं रह गए हैं। इमरान संयुक्त राष्ट्र महासभा के अधिवेशन में हिस्सा लेने तक नहीं गए। भाषण भी दिया तो रिकॉर्ड किया हुआ। यह देखने में भले ही सामान्य लगे, मगर इसका असर बेहद गंभीर है। ऐसा क्या हुआ कि पाकिस्तान पूरी दुनिया से अलग-थलग पड़ गया। बाइडेन ने सत्ता में आने के बाद से अब तक इमरान खान से बात नहीं की है। चीन उसके साथ न होता तो शायद अब तक पाकिस्तान के सामने कटोरा पकड़ने के अलावा कोई चारा नहीं होता। बावजूद इसके वह आतंकवाद को पालने की आदत से बाज नहीं आ रहा। अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार बनवाने से लेकर कश्मीर में अपना मतलब साधने की फिराक में बैठा है।संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें अधिवेशन में अपने देश के विकास या निवेश की बात करने के बजाए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक बार फिर कश्मीर राग अलापा। प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि जब तक भारत जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने के निर्णय को वापस नहीं लेता है, तब तक पाकिस्तान भारत से वार्ता नहीं करेगा। तो मत करिए। भारत तो फैसला वापस लेने से रहा। इमरान का कश्मीर राग कोरोना वायरस और आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान से ऊपर था। भारत और पाकिस्तान के पहले से तल्ख रिश्तों में हर बार कश्मीर को लेकर कड़वाहट बढ़ जाती है। जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को खत्म करने का फैसला भारत का अंदरूनी मामला है लेकिन इस बात से पाकिस्तान तो और बौखलाया बैठा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि कश्मीर का मुद्दा उठाना पाकिस्तान की मजबूरी है क्योंकि यह उसके वजूद की लड़ाई है। आखिर क्या वजह है कि पाकिस्तान अक्सर यूएन जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर की बात उठाता है और हर बार उसे भारत से न केवल करारा जवाब मिलता है बल्कि लताड़ भी मिलती है। लेकिन पाकिस्तान है कि बाज नहीं आता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसकी सबसे बड़ी वजह तो यह है कि पाकिस्तान ऐसा केवल सेना के अपने आकाओं को खुश करने के लिए ही करता है क्योंकि वे कश्मीर मुद्दे को जिंदा रखना चाहते हैं। पाकिस्तान को किसी राजनीतिक पार्टी के प्रवक्ता की तरह समझना चाहिए। जैसे किसी पार्टी के प्रवक्ता अपनी पार्टी की नीतियों और विचारधारा के अनुरूप अपने आलाकमान को खुश करने के लिए बयान देते हैं उसी तरह पाकिस्तान का भी बॉस है उनकी सेना। सब जानते हैं कि पाकिस्तान में सेना की ही चलती है और वहां की सरकार सेना के हाथों की कठपुतली होती है। इमरान खान भी उनके समर्थन से ही सत्ता में आए हैं इसलिए वे अपनी सेना के आकाओं को खुश करने के लिए इस तरह की बात करते हैं। इमरान खान आज जो कर रहे हैं उनसे पहले के प्रधानमंत्री भी ऐसा ही करते रहे हैं।

# आधुनिक जीवनशैली पहुंचा रही हृदय को आघात

-डॉ. प्रितम भि. गेडाम -

आज के आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य का जीवन चक्र ही बिगाड़ दिया है जिसका गंभीर परिणाम मनुष्य के स्वास्थ्य पर हो रहा है, अनिद्रा, जंक फूड, धूम्रपान, अल्कोहोल, तनाव, खाद्य पदार्थों में पोषक तत्वों की कमी, यांत्रिक संसाधनों का अत्यधिक प्रयोग, प्रकृति से दूरी, प्रदूषण, बढ़ता वजन, आलस्य जैसी बातें मनुष्य को कमजोर बना रही है। मानव का शरीर और मन दोनों पर तनाव लगातार दबाव बना रहा है जिसके कारण बीमारियों का जाल बढ़ता जा रहा है। लोगों में पहले बीमारियां उम्र के हिसाब से दिखायी पडती थी लेकिन अब जीवनशैली के बदलाव के कारण किसी भी उम्र में कोई भी गंभीर बीमारी होने लगी है। इसी में प्रमुखता से बढ़ने वाली बीमारियों में हृदय रोग है, जो तेजी से विश्वभर में अत्यधिक असमय मौतों का कारण है। हृदय लगातार रक्त पंप कर पूरे शरीर में ऑक्सीजन युक्त रक्त को पहुँचाता है, परंतु कार्य करते वक्त कोई असामान्य व्यवधान उत्पन्न होता है, जो हृदय की मांसपेशियों और रक्त नलिकाओं की दीवार को प्रभावित करती है, तब उसे हृदय रोग कहा जा सकता है। हृदयघात के रोगियों में से 50 फीसदी मरीज तो अस्पताल जाने से पहले ही दम तोड़ देते है। कोरोनरी आर्टरी डिजीज, कार्डियोमायोपैथी, एथेरोस्क्लेरोसिस, हार्ट संक्रमण, जन्मजात हार्ट डिजीज यह सभी हृदय संबंधित बीमारी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड् ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े कहते हैं कि भारत में वर्ष 2014 के बाद हार्ट अटैक से मरने वालों की संख्या बढ़ी है। 2016 में 21,914 लोगों ने हार्ट अटैक के कारण जान गंवाई, 2017 में मरने वालों की संख्या 23,249 रही, 2018 में 25,764 और 2019 में 28,005 लोगों की हार्ट अटैक से मौत हुई। अधिकतर हमारे देश में घरों में होने वाले हृदय संबंधी मौत के केसेस परिवार के सदस्य योग्य कारण सहित दर्ज नहीं करवाते है इसलिए मौत के आंकड़े हकीकत में कहीं ज्यादा हो सकते है। भारत में अब हर 04 बीमारी से मरने वाली मौतों में एक मौत हार्ट अटैक से होती है एनसीआरबी की रिपोर्ट कहती है कि ये बीमारी अब हर 14-18, 18-30, 30-34 आयु वर्ग में भी खूब बढ रही है।

**(विश्व हृदय दिवस पर विशेष )**

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट कहती है कि दुनिया में बीमारियों की वजह से होने वाली मौतों में सबसे बड़ा हिस्सा हृदय रोग (कार्डियोवास्कुलर डिजीज) का होता है। वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन के अनुसार हर साल 17.9 मिलियन यानि करीब 02 करोड़ लोग मरते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में हृदय रोग से हर 36 सेकंड में एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। हर साल लगभग 6,55,000 अमेरिकी हृदय रोग से जान गंवाते हैं। भारत में भी पिछले एक दशक में इस बीमार के शिकार लोगों में 50 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है। इंडियन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, भारत में होने वाले कुल हार्ट अटैक का 50 प्रतिशत 50 से कम उम्र और 25 प्रतिशत 40 से कम उम्र के लोगों में होता है। छाती में दर्द, सांस फूलना, घबराहट, जी मिचलाना, पेट दर्द, पसीना आना, अनियमित दिल की धड़कन, घुटन की अनुभूति, सूजे हुए टखने, थकान, हाथ, जबड़े, पीठ या पैर में दर्द जैसे लक्षण दिल के दौरे का संकेत दे सकते है। विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार हृदय रोग (कार्डियोवैस्कुलर डिजीज) संबंधित प्रमुख तथ्य हृदय रोग (सीवीडी) विश्व स्तर पर मृत्यु का प्रमुख कारण हैं। 2019 में सीवीडी से अनुमानित 17.9 मिलियन लोगों की मृत्यु हुई, जो सभी वैश्विक मौतों का 32 प्रतिशत है। इनमें से 85 फीसदी मौतें हार्ट अटैक और स्ट्रोक के कारण हुईं। सीवीडी से होने वाली मौतों के तीन चौथाई से अधिक निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होते हैं। 2019 में गैर-संचारी रोगों के कारण 1.7 करोड़ अकाल मृत्यु (70 वर्ष से कम आयु) में से 38 प्रतिशत सीवीडी के कारण हुई। हृदय रोग का जल्द से जल्द पता लगाना आवश्यक है ताकि उचित सलाह और दवाओं के साथ इलाज शुरू हो सके। तंबाकू के उपयोग, अस्वास्थ्यकर आहार और मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता और शराब के हानिकारक उपयोग जैसे व्यवहार संबंधी जोखिम कारकों से जागरूकता द्वारा अधिकांश हृदय रोगों को रोका जा सकता है। भारत सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य विभाग की ओर से, बीमारियों, प्राथमिक चिकित्सा, निर्देशिका सेवाओं, स्वास्थ्य कार्यक्रमों, नीतियों, कानूनों और दिशानिर्देशों के विभिन्न मुद्दों से संबंधित प्रश्नों के समाधान के लिए स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए एक वॉयस पोर्टल बनाया गया है।

# भारत में महिला जजों की कमी

**मंथन**

-डॉ. वेदप्रताप वैदिक-

भारत के मुख्य न्यायाधीश न.व. रमन ने पिछले हफ्ते भारत की न्याय व्यवस्था को भारतीय भाषाओं में चलाने की वकालत की थी, इस हफ्ते उन्होंने एक और कमाल की बात कह दी है। उन्होंने भारत की अदालतों में महिला जजों की कमी पर राष्ट्र का ध्यान खींचा है। उन्होंने कहा है कि भारत के सभी न्यायालयों के जजों में महिलाओं की 50 प्रतिशत नियुक्ति क्यों नहीं होती? देश में कानून की पढ़ाई में महिलाओं को क्यों नहीं प्रोत्साहित किया जाता? महिला वकीलों की संख्या पुरुष वकीलों के मुकाबले इतनी कम क्यों है? उनकी राय है कि देश की न्याय व्यवस्था में महिलाओं की यह कमी इसलिए है कि हजारों वर्षों से उन्हें दबाया गया है। न्यायमूर्ति रमन ने मांग की है कि राज्य सरकारें और केंद्र सरकार इस गलती को सुधारने पर तुरंत ध्यान दें। यदि भारत के नेताओं और लोगों को यह बात ठीक से समझ में आ जाए तो हमारी अदालतों की शक्ल ही बदल जाएगी। सबसे पहले हम यह समझें कि आंकड़े क्या कहते हैं। हमारे सर्वोच्च न्यायालय में इस समय 34 जज हैं। उनमें से सिर्फ चार महिलाएं हैं। अभी तक सिर्फ 11 महिलाएं इस अदालत में जज बन सकी हैं। छोटी अदालतों में महिला जजों की संख्या ज्यादा है लेकिन वह भी 30 प्रतिशत से ज्यादा नहीं है। इस समय देश की अदालतों में कुल मिलाकर 677 जज हैं। इनमें से महिला जज सिर्फ 81 हैं याने सिर्फ 12 प्रतिशत ! प्रदेशों के उच्च न्यायालयों में 1098 जज होने चाहिए लेकिन 465 पद खाली पड़े हैं। इन पदों पर महिलाओं को प्राथमिकता क्यों नहीं दी जाती ? प्राथमिकता देने का यह अर्थ कतई नहीं है कि अयोग्य को भी योग्य मान लिया जाए। महिलाओं को या किसी को भी जो 50 प्रतिशत आरक्षण मिले, उसमें योग्यता की शर्त अनिवार्य होनी चाहिए। देश के वकीलों में सुयोग्य महिलाओं की कमी नहीं होगी लेकिन दुर्भाग्य है कि देश के 17 लाख वकीलों में मुश्किल से 15 प्रतिशत महिलाएं हैं। राज्यों के वकील संघों में उनकी सदस्यता सिर्फ दो प्रतिशत है और भारत की बार कौंसिल में एक भी महिला नहीं है। देश में कुल मिलाकर 60 हजार अदालतें हैं लेकिन लगभग 15 हजार में महिलाओं के लिए शौचालय नहीं हैं। हमारे इस पुरुषप्रधान देश की तुलना जरा हम करें, यूरोप के देश आइसलैंड से ! वहाँ कल हुए संसद के चुनाव में 63 सांसदों में 33 महिलाएँ चुनी गई हैं याने 52 प्रतिशत। वहां की प्रधानमंत्री भी महिला ही हैं- श्रीमती केटरीन जेकबस्डोटिर। उसके पड़ौसी देश स्वीडन की संसद में 47 प्रतिशत महिलाएँ हैं और अफ्रीका के रवांडा में 61 प्रतिशत हैं। दुनिया के कई छोटे-मोटे और पिछड़े हुए देशों में भी उनकी संसद में भारत के मुकाबले ज्यादा महिलाएँ हैं। भारत गर्व कर सकता है कि उसके राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष पद पर महिलाएं रह चुकी हैं लेकिन देश के मंत्रिमंडलों, संसद और अदालतों में महिलाओं को समुचित प्रतिनिधित्व मिले, यह आवाज अब जोरों से उठनी चाहिए।

## राज-काज

### ब्रिटेन में खाने, ईंधन की कमी

ब्रिटेन में ब्रेग्जिट और कोरोना महामारी के बाद देश भर में ट्रक ड्राइवरों की भारी कमी हो गई है। इसके चलते देश में खाद्य संकट गहरा गया है। सुपरमार्केट की रैक्स खाली होने लगी हैं। पेट्रोल पंप और गैस स्टेशन बंद होने लगे हैं। आलम यह है कि लोग पेट्रोल समेत जरूरी सामानों की पैनिक बाइंग (घबराहट में खरीदारी) करने लगे हैं। लोगों का मानना है कि आने वाले दिनों में संकट और गहरा सकता है। इन सबके बीच ब्रिटेन में एक लाख ट्रक ड्राइवरों की कमी पूरी करने के लिए सैनिकों को तैनात किया जा सकता है। ये सैनिक देशभर में खाद्य, फ्यूल और अन्य जरूरी सामान की आपूर्ति करेंगे।

### आर–पार के मूड में तेजस्वी

जाति जनगणमा को लेकर राबड़ी आवास पर शुक्रवार रात हुई महागठबंधन की बैठक के बाद राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन के सभी घटक दलों ने नीतीश कुमार को जातिगत जनगणना पर रुख स्पष्ट करने के लिए तीन दिनों की मोहलत दी है। अगर वे जवाब नहीं देते हैं तो उसके बाद हमलोग अपना एक्शन प्लान बनाएंगे। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना के लिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी। बिहार विधानसभा और विधान परिषद से दो–दो बार सर्व सम्मति से प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा जा चुका है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है। यह बिहार की इच्छा है। जो कि राष्ट्रहित में है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार के सारे दल भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से 23 अगस्त को मिलने भी गए थे।

### सामने आया नया वैरिएंट आर.1

दुनियाभर में कोरोना संक्रमण को डेढ़ साल से अधिक का समय बीत चुका है। इस दौरान कोरोना की आई दो लहरों में संक्रमण के शिकार हुए लाखों लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना के सामने आ रहे नए वैरिएंट्स ने विशेषज्ञों की चिंता और बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल ही में बताया कि कोरोना के डेल्टा वैरिएंट ने दुनिया के तमाम देशों को अपनी चपेट में ले लिया है। इस बीच कोरोना के नए स्वरूपों को लेकर अध्ययन कर रही वैज्ञानिकों की एक टीम ने एक नए और बेहद खतरनाक वैरिएंट के बारे में लोगों को आगाह किया है। शोधकताओं ने पिछले दिनों संयुक्त राज्य अमेरिका में कोरोना के एक नए वैरिएंट आर.1 की पहचान की है।

### इलायची की होगी ई–नीलामी

स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे अमृत महोत्सव के तहत मसाला बोर्ड पहल करने जा रहा है। मसाला बोर्ड की ओर से रविवार को इलायची की विशेष ई–नीलामी आयोजित की जा रही है। इसमें 75000 किलो इलायची नीलाम की जाएगी। इस ई–नीलामी का उद्देय मसाला समुदाय को साथ लाना है, जिससे मसाला उत्पादकों को एक–दूसरे व्यापारियों से जुड़ने में मदद मिले।

# राजनेता नौकरशाही से नाराज क्यों

–ओमप्रकाश मेहता –

मध्यप्रदेश में क्या नौकरीशाही निरंकुश हो चुकी है? क्या सरकार के सिंहासनों पर विराजित राजनेताओं का अपने ही नौकरशाही पर नियंत्रण नही रह गया है? या यह संघर्ष किसी निराशा से जुड़ा है? मध्यप्रदेश में मौजूदा सरकार के तीन साल गुजर चुके है, जिसमें से पन्द्रह महीनें कांग्रेस की सरकार रही, कुल मिलाकर मौजूदा सरकार के सिर्फ दो साल ही शेष रहे है, मौजूदा सरकार कांग्रेस के पन्द्रह महीनों की सरकार निष्क्रियता सहित कई तरह के आरोप लगा रही है और शेष बचे इक्कीस महीनों में किए गए अपने ही कार्यों से सरकार पर विराजित राजनेता संतुष्ट नहीं है, इसलिए वे नौकरशाही को भी राजनीतिक दलों के बीच विभाजित कर स्वयं की अकर्मण्यता का ठीकरा नौकरशाही के सिर पर फोडने की जुगत भिड़ा रहे है, ऐसा मेरा नहीं, नौकरशाही के सूत्रों का कहना है। पिछले दिनों भारतीय जनता पार्टी की अग्निशलाका नैत्री उमाश्री भारती ने बहुत ही औछी भाषा में मध्यप्रदेश के अधिकारी तंत्र पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसके लिए उन्होंने एक पूर्व मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर खेद भी व्यक्त किया था, इसी बीच मुख्यमंत्री जी ने भी नौकरशाही को अपनी स्तरीय भाषा में सीख देने की कौशिश की थी, इन दोनों परिद्दष्यों ने यह स्पष्ट कर दिया कि प्रदेश का सत्तारूढ़ दल और सरकार के मुखिया अपनी सरकार की नौकरशाही से काफी नाराज है और अब जैसे-जैसे आगामी विधानसभा चुनाव निकट आते जा रहे है, वैसे-वैसे उनकी घबराहट बढ़ती ही जा रही है और अपनी निष्क्रियता अधिकारी तंत्र के सिर पर थोपना चाहते है।

अब मौजूदा हालातों में गौर करने वाली बात यह है कि मौजूदा सरकार पर काबिज नेता अपने स्वयं की क्षमता का बिना आंकलन व आत्म निरूपण किए अपनी अक्षमता छिपाकर नौकरशाही पर निशाना साध रहे है, जबकि नौकरशाही तो ऐसे नेताओं से निपटने में काफी सिद्धहस्त होती है, यद्यपि पूर्व मुख्यमंत्री उमाजी तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की तल्खी भरी टिप्पणियों पर नौकरशाही ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है, किंतु इन टिप्पणियों को लेकर इस वर्ग में हलचल तो काफी है, फिर यह भी साफ है कि अब आगे भी मुख्यमंत्री या मंत्रियों को काम तो मौजूदा नौकरशाही से ही लेना है तो फिर क्या इनका काम करने और करवाने का तरीका आगे भी यही होगा? जब इस मौजूदा माहौल और घटनाक्रमों के बारे में नौकरशाही के सूत्रों से बात करने की कौशिश की गई तो सूत्रों ने भी राजनेताओं के प्रति उतनी ही नाराजी व्यक्त की जितनी कि नेताओं ने खुलेआम की। नौकरशाही के सूत्रों का कहना है कि सरकार को आगे भी काम तो इसी नौकरशाही से चलाना है कोई नई नौकरशाही तो आएगी नहीं? फिर अपने रवैये और काम कराने के तरीके में सहयोगात्मक व रचनात्मक रूख अपनाकर सरकार के काम क्यों नहीं करवाते?

## दिमागी कसरत

## प्रेरक कहानी

**प्रसंगतः मूर्खों की चिंता**

महान दार्शनिक सुकरात बेहद साधारण जीवन जीते थे। उन्हें जो मिल जाता वह उसी में संतोष करते थे। उनके प्रशंसकों और मित्रों की एक बड़ी जमात थी। एक दिन दोपहर में सुकरात विश्राम कर रहे थे। तभी उनके कुछ मित्र आ गए। सुकरात ने आगे बढ़कर स्नेहपूर्वक उनका स्वागत किया। फिर अनेक मुद्दों पर बातचीत होने लगी। बात करते हुए अचानक सुकरात को ख्याल आया कि उन्होंने तो मित्रों से भोजन के बारे में पूछा ही नहीं। सुकरात ने अपने दोस्तों से कहा, 'माफ कीजिए, मैं एक बात तो पूछना भूल ही गया। यह बताएं कि आप लोग भोजन करके आए हैं या आप सबका भोजन तैयार कराऊं?' मित्रों ने कहा, 'भोजन हुआ तो नहीं है। यदि कष्ट न हो तो तैयार कराएं।' सुकरात घर के अंदर गए। उन्होंने पत्नी से कहा, 'मेरे कुछ दोस्त आए हुए हैं। उनके लिए भोजन का प्रबंध करना है।' पत्नी नाराज हुई। बोली, 'आप कैसी बात कर रहे हैं। आखिर घर में रखा ही क्या है जो मेहमानों को प्रस्तुत किया जाए। अभी तो प्रबंध होना संभव नहीं।' सुकरात ने कहा, 'घर में जो कुछ है, वही तैयार कर मेहमानों को परोस दो। कोई परेशानी नहीं है।' पत्नी बोली, 'अच्छा नहीं लगेगा। आपकी बात अलग है। मेहमान क्या सोचेंगे और क्या कहेंगे।' सुकरात हंसे और बोले, 'तुम जो कुछ है वही तैयार कर दो। यदि वे बुद्धिमान होंगे तो हमारी मजबूरी समझेंगे और कुछ न कहेंगे और यदि बुद्धिमान न हुए, मूर्ख हुए तो जो कहना चाहें कहें। हम मूर्खों की चिंता क्यों करें।'

## कार्टूनिस्ट कॉर्नर

# कैसे हों आईएएस-आईपीएस अफसर

-आर.के. सिन्हा-

हाल ही में यूपीएससी 2020 की सिविल सर्विस परीक्षा के नतीजे आए हैं। इन परीक्षाओं में जो अभ्यार्थी सफल हो गए हैं वे आईएएस, आईपीएस और आईएफएस आदि केन्द्रीय सेवाओं के तमाम कैडरों के क्लास-1 श्रेणी के अफसर बनेंगे। इन पर ही तमाम सरकारी कार्यक्रमों और केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू करने की अंततः जिम्मेदारी होगी। किसी भी लोकतांत्रिक देश की जान होती है उसकी नौकरशाही। अगर ये अपने कामों को सही ढंग से करें तो देश विकास के रास्ते पर चल पड़ता है। और, यदि अगर ये भ्रष्ट और काहिल हों जायें तो देश को भारी हानि होती है। यह बात सब जानते हैं फिलहाल तो नये सफल अभ्यार्थियों को बधाई देने का सिलसिला चल रहा है। लेकिन, देखा जाए तो इनके लिए असली चुनौती आने वाले समय में तब शुरू होगी जब ये ट्रेनिंग के बाद जिलों में या अपने विभागों में तैनात होंगे। भारत में ब्रिटिश काल के दौर में जब सिविल सर्विसेज की संकल्पना की गई थी तो उसका मुख्य उद्देश्य यह था कि ये अधिकारी ब्रिटिश राज को मजबूत करने व ब्रिटिश नीतियों को सख्ती से लागू करने में सहायता करेंगे। इसलिये उन्होंने सारे उच्च पदों पर शुरू में तो गोरों को ही तैनात करने की नीति बनायी थी, यहां तक कि शुरूआत में अधिकतर गोरों को ही आईसीएस और आईपी में चुना जाता था। कहा जाता है कि गोरे अफसर जिस जिले में जिलाधिकारी के तौर पर तैनात होते थे, उस जिले की एक-एक इंच जगह से अच्छी तरह वाकिफ होते थे। उन्हें पता होता था कि जिले में कृषि भूमि कितने प्रकार की है। कितनी उपजाऊ है, कितनी बंजर है, कितनी सिंचित है, कितनी असिंचित है, कौन कौन से प्रकार के पेड़-पौधे हैं, किस गाँव की कितनी आबादी है, उसकी सामाजिक और आर्थिक संरचना क्या है, जिले में कितनी नदियां और नाले हैं, जिले में कितनी औसत वर्षा होती है ? अब आज के कितने अफसरों को इन सब बातों की जानकारी होगी। जिले को तो छोड़ो जिस नगर में तैनात हैं उस नगर में कितने मोहल्ले हैं, यह तक उन्हें ठीक से पता नहीं होता है। पर इसका मतलब यह भी नहीं है कि आजाद भारत में कुशल और योग्य अफसर हुए ही नहीं। देश ने आजादी के बाद अनेक काबिल सरकारी अफसरों को देखा है। इस लिहाज से जगमोहन से लेकर के.सुब्रमण्यम और ए.के.दामोदरन से लेकर एल.पी. सिंह और टी.एन. शेषन, जे.एन. दीक्षित जैसे सैकड़ों ज्ञानी और सक्षम अफसरों का नाम लिया जा सकता है। पर बहुत सारे अफसर काहिल भी साबित हुए हैं। वे करप्शन में भी आकंठ लिप्त रहे हैं देखिए एक बात तो समझ ली जाए कि अगर हम अपने सरकारी बाबुओं से बेखौफ होकर काम करने की उम्मीद करते हैं तो हमें उन्हें उसके लिए आवश्यक माहौल भी देना होगा। उन्हें सुरक्षा देनी होगी। सत्य के रास्ते पर चलने वाले अफसरों को ही अवरोध ही अवरोध झेलने पड़ते हैं। क्या इन्हें समाज या सरकार पर्याप्त सुरक्षा या आदर देते हैं ?

## राशिफल

**मेष:** आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपमें आत्मविश्वास की कमी नहीं रहेगी और दोपहर के समय आपके पास धन का आगमन होगा।

**वृष:** घर की आर्थिक स्थिति में बदलाव लाने वाला दिन रहेगा। किसी बड़े काम का मौका अधिक धन कमाने में मदद करेगा।

**मिथुन:** आज आपको नौकरी और व्यापार में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कोई शारीरिक कष्ट आपको परेशान कर सकता है।

**कर्क:** आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आप अपने काम पर काफी ध्यान देंगे,कुछ अच्छा सुनने और समझने को मिल सकता है।

**सिंह:** किसी भी प्रकार का दान करते समय संस्था या व्यक्ति के बारे में उचित जानकारी प्राप्त करें. जल्द ही बैंक का काम हो जाएगा।

**कन्या:** आज आप किसी समस्या का समाधान निकालने में पूरी तरह सफल रहेंगे. कई दिनों से अटका हुआ धन मिल सकता है।

**तुला:** आज का दिन मध्यम फलदायी रहेगा। आप अपने गृहस्थ जीवन को सुखमय बनाने का प्रयास करेंगे, जिससे आपको जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा।

**वृश्चिक:** पत्नी की नाराजगी मानसिक तनाव देगी. अपनी गलती को स्वीकार करना सीखें। आज आप काम को लेकर उचित निर्णय लेंगे।

**धनु:** आज आपको व्यापार और व्यापार में लाभ होगा। शादीशुदा लोगों को सुख की प्राप्ति होगी। सेहत के प्रति थोड़ा ध्यान रखें।

**मकर:** आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आप अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए अपने लोगों के सामने अपनी मनोकामनाएं व्यक्त करेंगे।

**कुंभ:** कानूनी मामला चल रहा है तो उसे लेकर शुभ समाचार मिल सकता है। दोस्तों के साथ काम की योजना बन सकती है। लोगों से तालमेल बनेगा।

**मीन:** नौकरी के लिए किया गया प्रयास आज फलदायी साबित होगा, नौकरी मिल सकती है। पारिवारिक और सामाजिक संबंध मजबूत होंगे।

स्वामित्व दिग्विजय सिंह के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक विनय कुमार वर्मा द्वारा 102, प्रथम तल्ला, प्रभा किरण अपार्टमेंट, चुनाभट्ठा, कोकर, रांची, 834001 से प्रकाशित एवं अखबार–ए–मशरिक प्राइवेट लिमिटेड, कोकर इंडस्ट्रियल एरिया, ऑपोजिट मॉरिश फूड, कोकर रांची से मुद्रित। आर.एन.आई.सं : JHAHIN/2009/32422, प्रबंध सम्पादक : विनय वर्मा,दूरभाष 0651–2546660, 9431730004,9334499518. सम्पादक : शफीक अंसारी*मोबाइल नंबर 9431382426। *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरवी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा.

# शरीर में हैप्पी हार्मोंस बढ़ाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

मूड को बेहतर करने के लिए शरीर में हैप्पी हार्मोंस का संतुलित रहना बेहद जरूरी है। चलिए जानते हैं कैसे संतुलित रखें हैप्पी हार्मोंस

तनाव को हम हमेशा बुरा समझते हैं। लेकिन क्या आप एक बार तनाव को अच्छा और उत्पादन को बढ़ाने वाला मान सकते हैं। यह बात सुनने में आपको थोड़ा अजीब लग सकता है।
लेकिन थोड़ा सोचकर देखिए जब आपके ऊपर बॉस का प्रेशर रहता है, जब आपके पास काम बोझ ज्यादा रहता है, जब आपको कहीं यात्रा पर जाना होता है या फिर किसी सहकर्मी के साथ काम करना होता है, तो इस स्थिति में आप अपना कार्य किस तरह पूरा करते हैं? वहीं, जरा उस पल को भी याद कीजिए, जब आपके पास कुछ भी काम नहीं रहता है। शायद आपको याद आए कि लंबे समय तक काम बिल्कुल न रहने पर भी तनाव बढ़ता है? रिसर्च में देखा गया है कि थोड़े समय का तनाव काम के उत्पादन क्षमता को बढ़ावा देता है। लेकिन अगर तनाव दीर्घकाल तक बना रहे, तो यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। कुछ ऐसे तनाव होते हैं, जो वर्षो से हमें परेशान करते हैं। इस तरह के तनाव स्वास्थ्य के लिए अच्छे नहीं माने जाते हैं, लेकिन अगर अल्पकाल के लिए तनाव हो, तो यह अच्छा और आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। डायटीशियन स्वाती बाथवाल बताती हैं कि अल्पकालिक तनाव शरीर की कोशिकाओं के लिए अच्छा होता है। यह हमें स्वस्थ रखने में मददगार हैं। इसके अलावा कुछ ऐसे आहार होते हैं, जो तनाव को कंट्रोल करने में आपकी मदद करते हैं। साथ ही इससे हैप्पी हार्मोंस रिलीज होता है। आज हम आपको इस लेख में कुछ ऐसे तरीके बताने जा रहे हैं, जिससे हैप्पी हार्मोंस को बढ़ावा दिया जा सकता डायटीशियन स्वाती बाथवाल बताती हैं कि हमारे शरीर में 4 ऐसे हार्मोंस मौजूद होते हैं, जो हमारी खुशियों को बढ़ावा देते हैं। यह एंडोर्फिन, सेरोटोनिन, डोपामाइन और ऑक्सीटोसिन हार्मोंस हैं, जिसे आप कई तरीकों से बढ़ा सकते हैं। चलिए जानते हैं इस बारे में-

## 1. उपवास मूड को करे बेहतर

कई हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि उपवास शरीर के लिए अच्छा माना जाता है। डायटीशियन स्वाती बाथवाल बताती हैं कि उपवास के जरिए बीडीएनएफ नामक (बीडीएनएफ, मस्तिष्क व्युत्पन्न न्यूरोट्रॉफिक कारक है, जो मस्तिष्क में डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे हार्मोंस की उपलब्धता को बढ़ावा देता है। फलों, सब्जियों और मसालों का उपभोग करके यह हमारे मस्तिष्क में नई कोशिकाओं का निर्माण करता है।) न्यूरोट्रांसमीटर में सुधार किया जाता है। डॉयटीशियन बताती हैं कि 1 चम्मच हल्दी का इस्तेमाल करके हम बीडीएनएफ 50 फीसदी तक बढ़ा सकते हैं।
डायटीशियन की राय और नई रिसर्च
डायटीशियन का कहना है कि हम कई बार सुनते हैं कि उपवास हमारे दिमाग के लिए अच्छा होता है। हम में से कई लोग विभिन्न अवसरों पर उपवास करते हैं। इससे शरीर की कई परेशानियां कंट्रोल रहती हैं। जैसे- डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल इत्यादि। साथ ही यह मूड को सुधारने में भी हमारी मदद करता है। यह बिल्कुल सच है। रिसर्च से पता चलता है कि उपवास करने से मनोदशा बेहतर होती है। इससे चिंता की कमी, अवसाद, थकान और एंडोर्फिन हार्मोंस का स्तर 50 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, शुरू में आपको उपवास करने पर बेकार महसूस हो, लेकिन धीरे-धीरे जब हमारा शरीर उपवास के अनुकूल ढल जाता है. जो इससे आपको बेहतर रिजल्ट मिलने लगता है।

## 2. प्राकृतिक खाद्य पदार्थ

डायटीशियन कहती हैं कि कुछ नैचुरल खाद्य पदार्थों से भी आप बीडीएनएफ को बढ़ा सकते हैं। जैसे सेब, जामुन, अंगूर, प्याज, ग्रीन टी इत्यादि। इसके अलावा प्राकृतिक में मौजूद कुछ मसाले जैसे- लौंग, इलायची, अजवायन, जायफल से भी आप अपने बीडीएनएफ को बेहतर कर सकते हैं। कई वैज्ञानिक यह साबित कर चुके हैं कि प्राकृतिक रूप से मिले आहार को खाने से अवसाद कम होता है। अगर आप अधिक फल और सब्जियों का सेवन करते हैं, तो आपका दिमाग शांत, खुश और उजार्वान रहता

## 3. सूरज की रोशनी

क्या आपने कभी सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर के बारे में सुना है? यह एस ऐसा डिसऑर्डर है, जिसका अनुभव आपको सर्दी या फिर बारिश के सीजन में अधिक होता है। इस स्थिति में हमें लगता है कि मौसम में बदलाव की वजह से ऐसा हो रहा है। लेकिन आपको बता दें कि सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर उन लोगों को अधिक होता है, जिनके शरीर में विटामिन डी की कमी होती है। डायटीशियन स्वाती बाथवाल बताती हैं कि सूरज की रोशनी हमारे शरीर में सेरोटोनिन हार्मोंस को बढ़ावा देने में मददगार होती हैं। इस हार्मोंस की मदद से आप अपने मूड को बेहतर कर सकते हैं। इसके अलावा शरीर में विटामिन डी की पूर्ति भी आप सूरज की रोशनी से कर सकते हैं। इसलिए मौसम में बदलाव नजर आए, तो थोड़े समय के लिए सूर्य की रोशनी में जानें की कोशिश करें।

> खुश रहने के लिए समय से बेहतर कोई गिफ्ट नहीं हो सकता है। इसलिए अगर आप खुश रहना चाहते हैं, तो खुद के लिए थोड़ा समय निकालें। जिसमें अपने बारे में सोचें और खुद के लिए कुछ अच्छा करें। ताकि आपको अंदर से बेहतर महसूस हो

## 4. मूड और शुगर का क्या है संबंध?

सेरोटोनिन हैप्पी हार्मोंस काबोर्हाइड्रेट के बिना हमारे ब्लड ब्रेन बैरियर में प्रवेश नहीं कर सकते हैं। ट्रिप्टोफैन एक ऐसा एमिनो एसिड है, जो मस्तिष्क में सेरोटोनिन हार्मोंस के मूवमेंट के लिए जरूरी है। मस्तिष्क में की कमी के कारण व्यक्ति में चिड़चिड़ापन, क्रोध और अवसाद की समस्या देखी गई है। ऐसे में जब हम अधिक काबोर्हाइड्रेट का सेवन करते हैं, तो यह रक्त प्रवाह के जरिए गैर ट्रिप्टोफैन एमीनो एसिड को मांसपेशियों में छोड़ देता है। इससे हमारा मस्तिष्क और अधिक ट्रिप्टोफैन बनाने का कमांड देता है। इसी वजह से महिलाओं में साइकल के दौरान काबोर्हाइड्रेट या फिर चीनी खाने की क्रेविंग होती है।
मस्तिष्क में ट्रिप्टोफैन को बढ़ाने के लिए काबोर्हाइड्रेट जरूरी होता है। लेकिन इस स्थिति में अच्छे काबोर्हाइड्रेट का सेवन करें। प्रोसेस्ड काबोर्हाइट्रेड्स से बचें। डायटीशियन बताती हैं कि तिल, सूरजमुखी का तेल और कद्दू के बीज अच्छे ट्रिप्टोफैन माने जाते हैं। इस स्थिति में ब्लैक कॉफी भी आपके लिए फायदेमंद है। लेकिन ध्यान रखें कि 6 कप से अधिक कॉफी का सेवन न करें। ज्यादा ब्लैक कॉफी पीने से डिप्रेशन का खतरा रहता है।

## 5. कुछ बेमिसाल टिप्स

डायटीशियन बताती हैं कि अगर आप अपने शरीर में इन 4 हैप्पी हार्मोंस को बढ़ावा चाहते हैं, तो नियमित रूप से एक्सरसाइज करें। ड्यूक विश्वविद्यालय में किए गए अध्ययन के अनुसार, एंटीडिप्रेशन की दवा ले रहे जिन पुरुष और महिलाएं लगातार 4 महीनों में एरोबिक्स किया, उनके मूड में काफी बेहतर सुधार देखने को मिले। ऐसा इसलिए क्योंकि एक्सरसाइज से टेलोमेरस को संरक्षित किया जा सकता है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, अगर सप्ताह में 3 बार 45 मिनट तक करीब 6 महीनों के लिए एरोबिक्स किया जाए, तो इससे टेलोमेरेज एंजाइम को बढ़ाया जा सकता है। यह एक ऐसा एंजाइम है, जो हमारे डीएनए संरचना को बेहतर करता है। इसलिए नियमित रूप से ब्रिक्स वॉक, साइकलिंग या फिर अन्य तरीकों से एक्सरसाइज को अपने रुटीन में शामिल करें। याद रखें कि आपके शरीर के लिए एक्सरसाइज बहुत ही जरूरी है। आपको बता दें कि 1 घंटे के एक्सरसाइज से आप 3 गुना तक बीडीएनएफ को बढ़ा सकते हैं।
ध्यान रखें कि खुश रहने के लिए समय से बेहतर कोई गिफ्ट नहीं हो सकता है। इसलिए अगर आप खुश रहना चाहते हैं, तो खुद के लिए थोड़ा समय निकालें। जिसमें अपने बारे में सोचें और खुद के लिए कुछ अच्छा करें। ताकि आपको अंदर से बेहतर महसूस हो

# नहीं होगा दिल का हाल बेहाल, जब इन आसनों से रखेंगे उसका ख्याल

दिल हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है इसलिए इसका अतिरिक्त ख्याल रखना जरूरी है। तो हृदय दिवस के मौके पर जानेंगे ऐसे कुछ योग आसनों के बारे में जिनके अभ्यास से दिल को हेल्दी रखा जा सकता है.
अव्यस्थित लाइफस्टाइल, खराब खानपान, चिंता, मोटापा से मनुष्य कई बीमारियों का शिकार होता जा रहा है। डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, यूरिक एसिड के साथ ही दिल की बीमारियों का भी। जो बेहद खतरनाक है। हृदय संबंधी बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करने के मकसद से हर साल 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। आपको दिल को स्वस्थ रखने वाले कुछ आसनों के बारे में बताएंगे। जिनके रोजाना अभ्यास रखेगा आपके दिल का ख्याल।
**सेतुबंधासन:** हृदय से जुड़ी सभी प्रकार की प्रॉबलम्स के लिए सेतुबंध आसन बहुत ही लाभदायक होता है। सेतुबंध आसन में शरीर एक ब्रिज के समान दिखाई देता हैं। दिल को स्वस्थ रखने के साथ यह यह पेट की चर्बी को भी कम करने में मदद करता हैं।
**भुजंगासन:** इस आसन को करते वक्त शरीर के ऊपरी अंगों खासतौर से चेस्ट एरिया के पास खिंचाव होता है जो बेहद फायदेमंद है।
**त्रिकोणासन:** त्रिकोणासन करने से हृदय में पर्याप्त मात्रा में रक्त और ऑक्सीजन की सप्लाई होती है। दिल से संबंधित सभी प्रकार की समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। यह आसन पीठ, पैरों को मजबूत करने के साथ ही पूरे शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता हैं।
**वीरभद्रासन;** वीरभद्रासन योग हमारे दिल की धमनियों में रक्त के थक्का नहीं जमने देता है जो कि हार्ट अटैक की मुख्य वजह है। वीरभद्रासन योग शरीर के लिए फायदेमंद व्यायाम के रूप में जाना जाता हैं।
**गोमुखासन:** गोमुखासन के जितने भी फायदे होते हैं उनमें से एक है हृदय को स्वस्थ रखना। इस आसन को करने से बॉडी में ब्लड का सकुर्लेशन सही तरह से होता है। जिससे दिल से जुड़ी बीमारियों की संभावनाएं कम हो जाती हैं।
**अर्ध मत्स्येन्द्रासन :** अर्ध मत्स्येंद्रासन करने से भी पेट और हृदय दोनों हेल्दी बने रहते हैं। तो इस आसन का भी रोजाना अभ्यास करें।
**उत्कटासन:** उत्कटासन योग करने से अच्छे कोलेस्ट्रॉल में बढ़ोत्तरी हो सकती है। इसके अलावा, यह सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर और डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर को भी प्रभावी रूप से सुधार कर हार्ट को हेल्दी रखता है।

# फेफड़ों और गले को हेल्दी रखने के लिए रोजाना बजाएं शंख

अगर आप अपने फेफड़ों को हेल्दी रखने के साथ ही पेट के रोगों से भी बचे रहना चाहते हैं तो शंख बजाना बहुत ही फयदेमंद रहेगा। जी हां इसे बजाने से बॉडी में ब्लड सकुर्लेशन तेजी से और अच्छे से होता है।
मंदिर में पूजा के दौरान शंख की ध्वनि तो आपने जरूर सुनी होगी लेकिन क्या आप इसके फायदों से वाकिफ हैं? शंख बजाने से जहां-जहां तक इसकी ध्वनि जाती है सिर्फ वहीं तक का वातावरण शुद्ध नहीं होता बल्कि आपके शरीर के भी कई रोग-दोष समाप्त होते हैं।
**क्या है शंख:** शंख दरअसल समुद्री घोंघे का कवच होता है। जो कैल्शियम काबोर्नेट से निर्मित होता है। जो धीरे-धीरे घोंघे के शरीर पर बनता है। प्रोटीन ओर मिनरल्स के स्त्राव से यह कवच बनता है। बजाने वाले शंख से घोंघे को निकाल दिया जाता है और उसके कवच के ऊपरी हिस्से पर छेद किया जाता है। इसी में हवा फूंकने से शंख से ध्वनि निकली है।

### शंख बजाने के फायदे

अगर आपने शंख बजाया होगा तो महसूस किया होगा कि इससे बॉडी पर जोर लगता है। तो यही प्रेशर बॉडी को अलग-अलग तरीकों से फायदा पहुंचाता है। अथर्ववेद के चतुर्थ काडं के 10वें सूत यानि शंखमणि सूत में शंख के महत्व व फायदे का वर्णन किया गया है।
शङ्ःखेनामीवाममर्ति शङ्खेनोत सदान्वाः ।
शङ्.खो नो विश्वभेषजः कृशनः पात्वंहसः ।।
अर्थात शंख के द्वारा हम समस्त रोगों तथा विवेकहीनता को दूर करते हैं। इसके द्वारा हम सदैव पीड़ा देने वाली अलक्ष्मी को भी तिरस्कृत करते हैं। विघ्नों को दूर करने वाला यह तेजस्वी शंख पापों से हमारी सुरक्षा करे।
- शंख नाद से फेफडे मजबूत होते हैं क्योंकि इसे बजाते वक्त शरीर पर अतिरिक्त जोर लगता है।
- रोजाना शंख फूंकने वालों को गले और फेफडे को रोग नहीं होते हैं।
- शंख बजाने से पूरी बॉडी में वायु का प्रवाह अच्छे से होता है जिससे शरीर निरोगी रहता है।
- पेट में दर्द रहता है, आंतों में सूजन हो, अल्सर हो या फिर घाव तो शंख में रातभर पानी भरकर रख दें और सुबह उठकर खाली पेट इस पानी को पिएं।

# एक्सरसाइज के दौरान वॉर्म-अप जितना ही जरूरी है कूल डाउन भी, जिसे करते वक्त न करें ये गलतियां

एक्सरसाइज शुरू करने से पहले वॉर्म-अप करने से बॉडी में खिंचाव दर्द की शिकायत नहीं होती। ठीक उसी तरह एक्सरसाइज खत्म करने के दौरान कूल-डाउन करना भी जरूरी होता है। लेकिन कई लोग इसकी अहमियत नहीं समझते तो वहीं कुछ लोग काफी गलतियां भी करते हैं।
जैसे एक्सरसाइज या वर्कआउट के लिए बॉडी को तैयार करने के लिए वॉर्म-अप करना जरूरी होता है, वैसे ही एक्सरसाइज खत्म करने के बाद कूल डाउन एक्सरसाइज करना भी अहम है। यह मांसपेशियों की रिकवरी और बॉडी को रिलैक्स करने के लिए जरूरी है। ऐसा न करने पर बॉडी के कई हिस्सों में दर्द की शिकायत हो सकती है। लेकिन कई बार कूल डाउन एक्सरसाइज के दौरान भी लोग कुछ गलतियां करते हैं, जिन्हें अवॉयड करना चाहिए। आइए जान लेते हैं जरा इनके बारे में।

### 1. रोज कूल डाउन न करना

कुछ लोग बीच-बीच में वर्कआउट या एक्सरसाइज करने के बाद कूल डाउन एक्सरसाइज करते हैं, जो कि सही नहीं माना जाता है। कूल डाउन एक्सरसाइज की प्रैक्टिस रेग्युलर तौर पर की जानी चाहिए। एक दिन छोड़कर दूसरे दिन या फिर बीच-बीच में इसे स्किप करने से आपकी मांसपेशियों को नुकसान होता है। जब आप रेग्युलर तौर पर वर्कआउट के बाद कूल डाउन एक्सरसाइज नहीं करते हैं, तो इसकी वजह से आपको सांस लेने में तकलीफ या मसल्स की सही तरह से रिकवरी न हो पाने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

### 2. सही तरह से स्ट्रेचिंग न करना

सही तरह से स्ट्रेचिंग न करने की वजह से आपको मांसपेशियों के दर्द से लेकर बॉडी की अकड़न जैसी कई प्रॉब्लम्स का सामना करना पड़ सकता है। वर्कआउट के बाद बॉडी की मांसपेशियों और बॉडी पर टेंशन क्रिएट करने के लिए वर्कआउट के बाद स्ट्रेचिंग जरूर करना चाहिए। इंटेंस वर्कआउट और रेजिस्टेंस ट्रेनिंग के बाद मसल्स टिश्यूज में टियर्स आने लगते हैं, जिसको कम करने के लिए रोजाना प्रॉपर स्ट्रेचिंग जरूर करनी चाहिए। वर्कआउट के दौरान आपकी बॉडी लैक्टिक एसिड बनाने लगती है, जिसकी वजह से वर्कआउट के बाद मांसपेशियों में दर्द की प्रॉब्लम होती है। सही तरह से स्ट्रेचिंग करने से आप इस दौरान होने वाले दर्द से बच सकते हैं।

# ऑफिस लंच में शामिल करें ये 5 तरह की चीजें, सुस्ती और थकान रहेगी दूर

लोग अक्सर सुबह ऑफिस जाने के दौरान ठीक से नाश्ता नहीं करते हैं। मगर इससे इम्यूनिटी लो हो जाती है। ऐसे में काम करने की शक्ति नहीं मिलती है। इसके अलावा दिनभर थकान, सुस्ती व कमजोरी महसूस होता है। ऐसे में आप चाहे तो अपने ऑफिस लंच बॉक्स में कुछ खास चीजें शामिल कर सकती है। इससे आपका पेट लंबे समय तक भरा रहेगा। साथ ही आपकी इम्यूनिटी व पाचन तंत्र मजबूत होगा। ऐसे में आपको बेहतर शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलेगी। चलिए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से...
**अंडा:** अंडा सेहत के लिए बेहद ही फायदेमंद माना जाता है। इसलिए मैग्नीशियम, जिंक, आयरन और प्रोटीन से भरपूर अंडे को अपने टिफिन बॉक्स में जगह दें। आप लंच में उबले अंडे खा सकते हैं।
**ड्राई फ्रूट्स:** ड्राई फ्रूट्स मैग्नीशियम, मैंगनीज, जिंक, आयरन व एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। आप इसे ऑफिस में छोटी-मोटी भूख लगने पर खा सकती है। इसके लिए अपने लंच बॉक्स में एक मुट्ठी ड्राई फ्रूट्स जरूर रखें। आप चाहे तो भुने हुए चने या स्प्राउट्स भी खा सकते हैं। इससे आपकी थकान, कमजोरी दूर होकर दिनभर एनर्जी मिलेगी।
**साबुत अनाज:** साबुत अनाज पोषक तत्व, एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर होते हैं। इसके सेवन से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में वजन बढ़ने की समस्या से बचाव रहता है। इसके साथ ही इम्यूनिटी व पाचन तंत्र तेज होता है। इसके लिए साबुत अनाज जैसे जौ, भूरा चावल, ज्वार, बाजरा, क्विनोआ और दलिया आदि खाएं।
**दही:** मौसम में बदलाव आने से ज्यादातर लोगों को पाचन संबंधी समस्याएं होने लगती है। ऐसे में आप ऑफिस लंच में दही शामिल कर सकती है। दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो पाचन क्रिया के लिए सही है। इसमें काली मिर्च व सेंधा नमक मिलाकर खाने से आपको दोगुना फायदा होगा।
**फल व सब्जियां:** टिफिन के 60% हिस्से में पानी से भरपूर फल व हरी व पत्तेदार सब्जियां शामिल करें। इससे आपके शरीर में पानी की कमी दूर होगी। ऐसे में बेहतर शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलेगी।

## सार संक्षेप

### बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में उम्मीद संस्था और क्रिप्टो रिलीफ ने बांटा सूखा राशन

**मोतिहारी(हि.स.)।** जिले के बंजारिया प्रखंड के अजगरी पंचायत में उम्मीद प्रोजेक्ट और क्रिप्टो रिलीफ ने मंगलवार को बाढ़ पीड़ित विधवाओं के बीच सूखा राशन और अन्य राहत सामग्री वितरण किया। राहत सामग्री में एक परिवार के 15 दिनों के भोजन का सामान जिसमे आटा-10 किलो, चावल-5 किलो, मिक्स दाल-2.5 किलो, दलिया-1 किलो, चीनी-1 किलो, नमक-1 किलो, चिउड़ा-1 किलो, चाय पत्ती-200 ग्राम, हल्दी पाउडर-200 ग्राम, लाल मिर्च पाउडर-200 ग्राम, धनिया पाउडर-200 ग्राम, क्यूमिन-100 ग्राम, बिस्किट-2 पैकेट, सैनिटरी नैपकिन-7 पीस शामिल है। इस अवसर पर संस्था के बिहार कॉर्डिनेटर मोहम्मद रजी असगर ने बताया कि बंजरिया प्रखंड में लगातार चार बार बाढ़ आने से लोगों का जीवन संकटग्रस्त है। पानी उतरने के बावजूद लोगों की मुसीबत कम नहीं हुई है। ऐसे में संस्था पीड़ित लोगों को मदद पहुंचाने का प्रयास कर रही है मौके पर उम्मीद प्रोजेक्ट, बिहार चैप्टर के ई. रुस्तम आलम, ई. मोहम्मद साकिब, अलीग, आफताब शेख, मोहम्मद आशिक, डॉक्टर शरीक नेहाल,डॉक्टर रहूल अमीन, ई. माजिद अली, रहीमुल हक, अखिलेश कुमार सहित कई समाजसेवियो ने वितरण कार्य में सहयोग प्रदान किया।

### अंचल निरीक्षक सह राजस्व कर्मचारी एक लाख रुपये घूस लेते गिरफ्तार

**पटना।** निगरानी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को बिहार के भागलपुर जिले के शाहकुंड के अंचल निरीक्षक सह राजस्व कर्मचारी अभिनंदन प्रसाद सिंह को एक लाख रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। निगरानी विभाग की इस कार्रवाई के बाद से अन्य कर्मचारियों में डर का माहौल है। हिरासत में लिए गए सर्किल इंस्पेक्टर से पूछताछ जारी है। गिरफ्तार सर्किल इंस्पेक्टर अभिनंदन प्रसाद सिंह के खिलाफ निगरानी विभाग को बहुत शिकायतें मिल रही थीं जिसके बाद टीम ने अपने जाल में फंसाने के लिए रणनीति बनाई टीम के रणनीति में सर्किल इंस्पेक्टर फंस गए और विजिलेंस की टीम ने उन्हें आज गिरफ्तार कर लिया।

### कार ने मार्निंग वाक पर निकले छह लोगों को रौंदा,दो की मौत

**पटना।** राजधानी पटना के पटना सिटी स्थित राम कृष्णा नगर थाना क्षेत्र के न्यू बाईपास रोड में मंगलवार सुबह तेज रफ्तार कार ने मॉर्निंग वॉक पर निकले छह लोगों को रौंद दिया। घटना में दो लोगों की मौत हो गयी। जबकि चार लोगों की हालत गंभीर बतायी जा रही है। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुर्घटना में चांगड निवासी कृष्णा राय( 60) और रामकृष्ण नगर के सोरमपुर निवासी स्वास्थ्य विभाग से रिटायर 65 वर्षीय कर्मचारी की मौत हो गई। घायलों में स्थानीय सोरमपुर निवासी छोटन कुमार, चीकू कुमार समेत दो अन्य घायल हैं। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने कार को घेर कर उसमें बैठे दो लोगों को बंधक बना लिया और जमकर उनकी पिटाई की। कार में सवार अन्य लोग भागने में सफल रहे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची राम कृष्णा नगर थाना की पुलिस बंधक बने लोगों को छुड़ाने पहुंची जहां दुर्घटना से गुस्साए लोगों ने पुलिस पर भी पथराव किया। बाद में दो लोगों को समझाया गया और बंधक बनाये गये लोगों को पुलिस अपने साथ थाना ले गयी।

### जलवायु परिवर्तन पर कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा

**मोतिहारी।(हि.स.)।** महात्मा गांधी समेकित कृषि अनुसंधान संस्थान एवं कृषि विज्ञान केंद्र,पिपराकोठी के तत्वाधान में आज जलवायु अनुकूल प्रजातियों टेक्नोलॉजी एवं कार्यप्रणाली पर कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा आयोजित हुई। जिसमे सम्मिलित किसानो को पीएम मोदी एवं कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। कार्यक्रम को पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह ने भी संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया में जलवायु परिवर्तन का गहरा प्रभाव पड़ रहा है। भारतीय कृषि मौसम पर आधारित है इस कारण इसके चपेट में किसानों के आने की संभावना सबसे अधिक है। इसलिए यह जरूरी है कि किसानों को यह पता होना चाहिए की समस्या का सामना कैसे किया जाए। उन्होंने कहा कि वैश्विक आबादी के बढने के अनुमान के कारण वैश्विक कृषि उत्पादन 2050 तक दोगुना करने की बड़ी चुनौती है। वहीं भारत में 120 मिलियन हेक्टेयर ऐसी भूमि है, जो किसी न किसी प्रकार की कमी से ग्रस्त है लघु तथा सीमांत किसान इससे सर्वाधिक प्रभावित होते हैं एक अनुमान के अनुसार भयंकर सूखे की वजह से उन्हें घरेलू उपाय से 24से 58% की कमी का सामना करना पड़ सकता है और घरेलू गरीबी में 12 से 33% की वृद्धि हो सकती है। मौके पर मंत्री,बिहार सरकार में प्रमोद कुमार, विधायक श्याम बाबू यादव एवं बड़ी संख्या में कृषि वैज्ञानिक भी उपस्थित थे।

## तेजस्वी यादव ने पेश किया बिहार को
# विशेष राज्य का दर्जा दिलाने का नया फॉर्मूला

पंच संवाददाता

**पटना।** नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने के मामले में एक ऐसा बयान दिया है जिससे सियासी गलियारे में बवाल मच गया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में अगर महागठबंधन को बिहार की 40 में से 39 सीटें मिलती है तो जो भी प्रधानमंत्री बनेंगे, वह स्वयं पटना में आकर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की घोषणा करेंगे। तेजस्वी कहते हैं, हम नीति, सिद्धांत, सरोकार, विचार और वादे पर अडिग रहते हैं। हमारी रीढ़ की हड्डी सीधी है, हम जो कहते हैं वह करते हैं। अपने इस हालिया बयान से तेजस्वी यादव ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की लड़ाई लड़ रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर करारा प्रहार किया है। तेजस्वी कहते हैं कि जो लोग पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा नहीं

> नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में अगर महागठबंधन को बिहार की 40 में से 39 सीटें मिलती है तो जो भी प्रधानमंत्री बनेंगे, वह स्वयं पटना में आकर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की घोषणा करेंगे।

दिला पाए, वे राज्य को विशेष राज्य का दर्जा क्या दिला पाएंगे? बिहार के 40 में से 39 सांसदों वाली डबल इंजन सरकार क्या यही है? तेजस्वी ने एक बार फिर कहा है कि नीतीश कुमार अब थक चुके हैं। उन्हें सिर्फ कुर्सी की चिंता है । इसीलिए अपमान और विरोधाभास सहते हुए कुर्सी से चिपके हैं इससे पहले महागठबंधन के घटक

दल आरजेडी और कांग्रेस ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के जदयू के प्रयासों पर तंज कसा था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और एमएलसी प्रेमचंद्र मिश्रा ने आरोप लगाया था कि जेडीयू-बीजेपी सरकार शुरू से ही इस मुद्दे पर राजनीति कर रही है। प्रेमचंद मिश्रा ने कहा था कि विशेष राज्य के दर्जे के सवाल पर जब केंद्र सरकार नीतीश कुमार की बात नहीं मान रही है तो जेडीयू को एनडीए गठबंधन से अलग हो जाना चाहिए। बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लंबे समय से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बना रहे हैं। इसके लिए वे दिल्ली में भी रैली कर चुके हैं। लेकिन बीजेपी के नेता कह चुके हैं कि नीति आयोग ने विशेष राज्य

### रक्तदान शिविर में 71 यूनिट रक्त संग्रहित

**किशनगंज(हि.स.)।** सेवा समर्पण अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के तत्वाधान में किशनगंज एमजीएम मेडिकल कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मोत्सव पखवाड़ा पर रक्तदान शिविर में 71 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन बिहार विधान परिषद सदस्य डॉ दिलीप कुमार जायसवाल एवं अनंत विश्नोई युवा मोर्चा बिहार प्रभारी ने संयुक्त रूप से किया गया। वहीं इस अवसर पर युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार प्रदेश उपाध्यक्ष, जिला अध्यक्ष बीजेपी सुशांत गोप एवं विजय रंजन देव प्रभारी युवा मोर्चा मुख्य रूप से मौजूद रहे। विधान पार्षद डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं के सेवा भावना की सराहना की और कहा कि कोविड-19महामारी में विश्व स्तर पर देश में रक्त की कमी आ गयी है ऐसे समय में रक्तदान महादान है। युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करने में भाजयुमो के कार्य सराहनीय है।

## द्वितीय चरण मे तीन प्रखंडों में होगा पंचायत चुनाव,तैयारी पूरी :डीएम

**- उपद्रवियों पर कड़ी नजर,11 हथियार,15 गोली बरामद : एसपी**

**मोतिहारी।(हि.स.)** डीएम सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि द्वितीय चरण के चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने की तैयारी पूरी हो गई है। द्वितीय चरण में जिले के मधुबन, फेनहारा एवं तेतरिया प्रखंड में पंचायत चुनाव के लिए मतदान कल 29 सितंबर को होगा। वहीं उसकी मतगणना 01 एवं 02 अक्टूबर को होगी। निष्पक्ष चुनाव के लिए नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। जिसके नोडल पदाधिकारी मेघा कश्यप को बनाया गया है। तीनों प्रखंड के कुल 411 मतदान

केंद्र पर मतदान कराया जाना है। जहां कुल 127920 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। वहीं निष्पक्ष चुनाव के लिए कुल 28 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं नौ जोनल मजिस्ट्रेट प्रतिनियुक्ति की गई है। जबकि सुपर जोनल की संख्या पांच है। एसपी नवीन चन्द्र झा ने बताया कि शांति पूर्ण चुनाव संपन्न कराने की तैयारी पूरी हो गई है। इसको लेकर पुलिस ने ग्यारह हथियार एवं पंद्रह गोली बरामद किया है। जिलाधिकारी की अनुशंसा पर पचास लोगों के खिलाफ सीसीए की कार्रवाई की गई है। जबकि कुछ लंबित है। चुनाव के दौरान हिंसा और उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं नेपाल बॉर्डर को सील कर दिया गया है।

### कन्हैया की कांग्रेस में एंट्री से बिहार की सियासत गरमाई

**पटना ।** जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष और वामपंथी नेता कन्हैया कुमार मंगलवार को कांग्रेस पार्टी का हाथ थाम लेंगे। मंगलवार को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में कन्हैया कुमार कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे। सीपीआइ से खफा चल रहे कन्हैया कुमार के कांग्रेस में शामिल होने को लेकर बिहार में सियासत शुरू हो गई है। बिहार कांग्रेस के विधानमंडल के नेता अजीत शर्मा ने कहा कि कन्हैया के कांग्रेस में शामिल होने के बाद पार्टी को फायदा होगा। वहीं बिहार सरकार ने मंत्री मंगल पांडेय ने वामपंथी नेता कन्हैया की कांग्रेस में एंट्री को लेकर तंज कसा है।

## अक्टूबर में लगेगा रोजगार मेला, 70 से अधिक कंपनियां आएंगी बिहार

एजेंसी

**पटना/ बिहार।** बिहार में लगातार उठ रही रोजगार की मांग को देखते हुए, रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। बिहार के विभिन्न जिलों में अक्टूबर को रोजगार मेला लगाया जायेगा. जहां 70 से अधिक कंपनियां युवाओं को रोजगार देने के लिए आयेगी. कोरोना के मामले को देखते हुए मेला का आयोजन ऑफलाइन किया जाना है.जिला व प्रमंडल स्तर पर रोजगार मेला लगाने की तैयारी की जा रही है.रोजगार मेला को लेकर श्रम संसाधन विभाग ने राज्य के सभी विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किया है. जिला व प्रमंडल स्तर पर रोजगार मेला लगाने के लिए मंथन किया जा रहा है. ताकि हरेक जिला में जॉब कैंप लगा कर अधिक- से- अधिक युवाओं को रोजगार दिया जा सके. बता दें कि कोरोना काल में रोजगार के लिए ऑनलाइन कैंप लगाया गया था, लेकिन इसका फायदा बहुत कम युवाओं को ही मिल पाया था.बता दें कि पिछले साल कोरोना के बढ़ते मामले और लॉकडाउन के कारण नियोजन सह रोजगार मेला का आयोजन नहीं हो पाया था. जिस कारण इस साल ऑनलाइन कैंप लगाया गया था. इस माध्यम से अधिक बेरोजगारों को रोजगार देने में परेशानी हो रही थी. लेकिन अब कोरोना के मामले घटते जा रहे है. ऐसे में विभाग ने ऑफलाइन रोजगार मेला का आयोजन कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार देने की योजना बना रही है।

## हृदय रोग से बचाव के लिए चलेगा जागरुकता कार्यक्रमः स्वास्थ्य मंत्री

**-पांच अक्टूबर तक मनेगा निःशुल्क जांच और परामर्श सप्ताह।**

**पटना।(हि.स.)।** स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि अव्यवस्थित दिनचर्या, तनाव, गलत खान-पान, पर्यावरण प्रदूषण एवं अन्य कारणों से हृदय रोग की समस्याएं तेजी से बढ़ती जा रही हैं। अब हृदय रोग की समस्या सिर्फ अधिक उम्र की बीमारी नहीं रह गयी है, बल्कि कम आयु के लोग भी इस समस्या से पीड़ित हो रहे हैं। रहन-सहन और खानपान के प्रति थोड़ी सी सावधानी बरत कर काफी हद तक हृदय रोग की समस्या से बचा जा सकता है। मंत्री पांडेय ने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग की तरफ से उस दिन प्रदेश भर में जिला अस्पतालों से लेकर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में विश्व हृदय रोग दिवस मनाया जाएगा। इस दौरान चिकित्सक लोगों को निशुल्क जांच और परामर्श देंगे। उन्होंने कहा कि हृदय रोग की बढ़ती समस्या को देखते हुए 29 सितम्बर से लेकर पांच अक्टूबर तक निःशुल्क जांच और परामर्श सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान आने वाले लोगों की हृदय की जांच की जायेगी। जिन लोगों में बीमारी गंभीर पायी जायेगी, उन्हें उच्चस्तरीय अस्पतालों में बेहतर इलाज के लिये रेफर किया जायेगा। इस दौरान विशेष शिविरों का आयोजन किया जायेगा। साथ ही इस अवधि में चिकित्सकों की ओर से मधुमेह, उच्च रक्तचाप की जांच, बेहतर जीवनशैली और खानपान के प्रति प्रेरित भी किया जायेगा।

### गड्ढे में डूबने से दो बच्चियों की मौत

**मोतिहारी।** बिहार के मोतिहारी जिले में मंगलवार को गड्ढे में डूबने से दो बच्चियों की मौत हो गई। ढाका थाना क्षेत्र के कसवा गांव में यह दर्दनाक हादसा हुआ। मृतकों की पहचान विजय बैठा की पुत्री ज्ञानती कुमारी (13) व उपेंद्र साह की पुत्री अंजनी कुमारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों बच्चियां नहर के रास्ते पोखर की ओर जा रही थी। अचानक उनका पैर फिसल गया और दोनों गड्ढे में जमा हुए पानी में डूब गईं। डूबने की सूचना पर ग्रामीणों ने दोनों बच्चियों को पानी से निकालकर ढाका अनुमंडलीय अस्पताल लाये, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

## पोर्टल पर निबंधन कराने वाले किसानों को ही अब मिलेगा यूरिया खाद

**आरा।(हि.स.)।** भोजपुर जिले में खाद को लेकर किसानों के बीच मची अफरा तफरी,हो हंगामे और ईंट पत्थर और भगदड़ की घटनाओं को देखते हुए कृषि विभाग ने खाद को लेकर किसानों के लिए नए दिशा निर्देश जारी किए हैं।अब भोजपुर जिले में कृषि विभाग से निबंधन कराने वाले किसानों को ही खाद मिलेंगे कृषि विभाग ने खाद वितरण को लेकर नया निर्देश जारी करते हुए कहा है कि अब कृषि विभाग में रैयती और गैर रैयती किसानों के निबंधन के आधार पर ही खाद दिए जाएंगे। जिला कृषि पदाधिकारी ने सम्बन्धित आदेश से सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अवगत करा दिया है इससे जुड़ी अधिसूचना भी कृषि विभाग की तरफ से जारी कर दी गई है।जिला कृषि पदाधिकारी ने अपने निर्देश में कहा है कि जो किसान कृषि विभाग के पोर्टल पर अपना निबंधन करा चुके हैं अब उन्हें ही खाद का लाभ मिलेगा और उन्हें ही खाद दिया जाएगा।वैसे महिला या पुरुष किसान जिनका कृषि विभाग के पोर्टल पर निबंधन हो चुका है उन्हें 2 से 3 बोरा यूरिया खाद देने का निर्देश दिया गया है।जिले के कई प्रखण्डों में रात्रि में खाद दिए जाने की शिकायत पर जिला कृषि पदाधिकारी ने ऐसे दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी है और कहा है कि किसी भी स्थिति में रात्रि में खाद का वितरण नहीं करें। रात्रि प्रहर खाद के वितरण में गड़बड़ी की अत्यधिक संभावना रहती है यूरिया खाद की अधिक मांग को लेकर कहीं कहीं कुछ किसानों द्वारा अधिक मात्रा में यूरिया खाद का उठाव करने को लेकर भी कृषि विभाग सख्त हो गया है।

## सामुदायिक रेडियो स्टेशन रेडियो स्नेही पर प्रसारित हो रहा है
# अटपटे विज्ञान की चटपटी कहानियां

**सीवान( हि.स.)।** सीवान का सामुदायिक रेडियो स्टेशन रेडियो स्नेही पर राष्ट्रमंडल शैक्षिक मीडिया केंद्र - एशिया ( सीएमईएसए) और टेक्नोवेट के सहयोग से नई रेडियो श्रृंखला अटपटे विज्ञान की चटपटी कहानियां की शुरूआत की गई है।यह कार्यक्रम विज्ञान से जुड़ी रोचक कहानियों पर आधारित है। अटपटे विज्ञान की चटपटी कहानियां रेडियो सीरिज प्रति दिन सामुदायिक रेडियो स्टेशन रेडियो स्नेही पर प्रसारित हो रहा है। कार्यक्रम के अंत में 15 मिनट का लाइव प्रोग्राम होगा जिसमें श्रोता कार्यक्रम में सुनी कहानी के आधार पर रोचक सवालों के जवाब रेडियो स्नेही को फोन करके दे सकते हैं। रेडियो स्नेही के निदेशक मधुसूदन पंडित ने मंगलवार को यहां बताया कि इस सीरीज का उद्देश्य खासकर बच्चों को मूलभूत विज्ञान से परिचित करवाना है जैसे एक्स-रे क्या है, कैसे होता है, किरणें क्या महत्व

रखती है, एंटीबॉडी क्या है आदि ऐसे ही कई मजेदार विषयों को संजीव रेडियो सीरीज अलग अलग एपिसोड के माध्यम से विज्ञान को आसानी से समझाने का प्रयास किया करता है ताकि जानकारी का प्रसार समाज के अंतिम छोर तक पहुंच सके जहां पर मुख्य मीडिया (टीवी, अखबार) की पहुंच मुश्किल है। उन्होंने कहा कि हम राष्ट्रमंडल शैक्षिक मीडिया केंद्र - एशिया ( सीएमईएसए )का धन्यवाद करते है कि उन्होंने यह रेडियो सीरीज सामुदायिक रेडियो स्टेशन रेडियो स्नेही के साथ साझा कर बच्चों को ज्ञान की धार के साथ जोड़ने का सराहनीय पहल की है। उल्लेखनीय हो कि सीवान में भारत सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्रालय के सहयोग से सामुदायिक रेडियो स्टेशन वर्ष 2010 में स्थापित किया गया जो पिछले 12 वर्षो से लगातार समुदाय के मध्य जानकारी का प्रसार कर रहा है। रेडियो समुदाय के हर वर्ग मसलन बच्चों, महिलाओं, किसानों, किशोरों तथा वृद्ध लोगों से विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए जुड़ा है। रेडियो स्नेही की मुख्य कार्यक्रम समन्वयक प्रीति सिंह ने बताया कि इस विज्ञान रेडियो सीरीज में रोचक कहानियों के माध्यम से रोचक अंदाज से बच्चों में वैज्ञानिक खोजों एवं सिद्धान्तों की कहानियों को बताया जाएगा। 10 एपिसोड का यह कार्यक्रम पूरे महीने चलाया जाएगा, तथा जिले के विभिन्न विद्यालयों में इस कार्यक्रम को बच्चों के बीच भी सुनाया जाएगा तथा उनसे उनके अनुभव भी साझा किए जाएंगे।

### अब भागलपुरी कतरनी की बांका से होगी ब्रांडिंग

**भागलपुर।** भागलपुरी कतरनी चावल की खुशबू और जायका लाजवाब होता है। वन डिस्ट्रिक वन क्राप के तहत भागलपुरी कतरनी बांका के नाम कर दी गई है। भागलपुर जिले को जर्दालू आम और बांका जिले को कतरनी धान को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी दी गई है। 1991 में भागलपुर जिले से बांका को अलग कर दिया गया। इस कारण दोनों जिलों के चावल को बाजार में भागलपुरी कतरनी के नाम से ही प्रसिद्धि मिली है। राज्य सरकार की ओर से जो सूची जारी की गई थी, उसमें कतरनी धान बांका के नाम कर दिया गया है। किसानों का कहना है कि कतरनी की खेती भागलपुर जिले में अधिक होती है।

## पंचायत चुनाव की मतगणना पर रहेगी ओसीआर मशीन की नजर

**आरा।(हि. स)।** भोजपुर जिले में पहली बार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतगणना की पूरी प्रक्रिया पर ओसीआर मशीन से नजर रखी जायेगी। भोजपुर के जिलाधिकारी सह निवार्ची पदाधिकारी रोशन कुशवाहा ने मतगणना को स्वच्छ और निष्पक्ष ढंग से पूरा कराने के लिए चुनाव आयोग के सुझाव पर ओसीआर मशीन लगाने की व्यवस्था सम्बन्धी निर्देश दिए हैं। मतगणना हॉल में प्रत्येक टेबल पर ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निसन मशीन लगाई जाएगी इस मशीन से प्रत्याशियों को मिलने वाले मतों पर कड़ी नजर रखी जायेगी राज्य निर्वाचन आयोग को भी प्रत्येक टेबल पर प्रत्याशियों को मिलने वाले मतों की सही जानकारी मिल सकेगी। ओसीआर मशीन को मतगणना हॉल में लगाने के पीछे चुनाव आयोग का तर्क यह है कि कोई भी निवार्ची पदाधिकारी या सहायक निवार्ची पदाधिकारी मतगणना कार्य के दौरान पक्षपात नहीं कर सकेगा और न ही अपने किसी चहेते उम्मीदवार को मतों की हेर फेर कर उसकी मदद कर सकेगा। ओसीआर मशीन सीधे तौर पर मतगणना के दौरान ईवीएम मशीन से जुड़ी रहेगी और इससे किसी भी तरह की गड़बड़ी या हेरा फेरी की गुंजाइश नहीं रहेगी। चुनाव आयोग के निर्देश पर इस बार मतदान और मतगणना के दौरान कई नए बदलाव भी उम्मीदवारों को मतगणना हॉल में दिखेंगे मतगणना के दौरान जहां चुनाव आयोग के निर्देश पर ओसीआर मशीन को सीधे ईवीएम से जोड़ कर मतगणना की प्रक्रिया को विश्वसनीय बनाया जाएगा वहीं मतदान के दिन मतदान की प्रक्रिया का राज्य निर्वाचन आयोग अपनी वेबसाइट पर प्रसारण करेगा।

## बेगूसराय में 15 लाख से अधिक लोग ले चुके हैं कोरोना का टीकाः डीएम

**बेगूसराय (हि.स.)।** गांधी जयंती-सह-बेगूसराय जिला के स्थापना दिवस दो अक्टूबर को प्रस्तावित कोरोना टीकाकरण महा अभियान की सफलता को लेकर जिला प्रशासन एक्शन मोड में है। डीएम अरविंद कुमार वर्मा लगातार बैठक कर संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश देने के साथ लोगों को जागरूक करने संबंधी गतिविधि पर भी नजर रख रहे हैं। महाअभियान के दौरान दो अक्टूबर को बेगूसराय में छह सौ से अधिक जगहों पर टीकाकरण किया जाएगा।

डीएम अरविंद कुमार वर्मा ने बताया कि जिले में अब तक 15 लाख पांच हजार 345 डोज दिए गए हैं, जिसमें 12 लाख 46 हजार 516 व्यक्तियों को पहला तथा दो लाख 58 हजार 829 व्यक्तियों को दूसरा डोज दिया गया है। सिविल सर्जन, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के संबंधित पदाधिकारियों, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (आईसीडीएस), डीपीएम (जीविका), सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अन्य सभी को प्रस्तावित महाअभियान के लिए

आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा विशेष तौर पर सेकंड डोज ड्यू वाले व्यक्तियों को टीकाकरण के प्रति मोबिलाइज करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी एमओआईसी एवं बीडीओ को पिछले महाअभियान की तरह ही समय पर सभी आवश्यक तैयारी पूरी करने तथा पर्याप्त मैनपावर की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। दो अक्टूबर को जिले में प्रस्तावित टीकाकरण महाअभियान में सभी लोग हिस्सा लें, अभियान के दौरान सेकंड डोज वाले सभी लोग जरूर टीकाकरण कराएं। कोरोना संक्रमण से बचाव में टीकाकरण काफी प्रभावी माना गया है। टीका से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होने से कोरोना संक्रमण से सुरक्षा मिलती है, साथ ही यह संक्रमण होने की स्थिति में गंभीर रूप से बीमार होने से भी बचाती है। कोरोना संक्रमण के मद्देनजर किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतें एवं संक्रमण से बचाव के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करें। जिले में वर्तमान में कोरोना संक्रमण की स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। सतर्क रहकर राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के सलाहों पर अमल करने की आवश्यकता है। यदि किसी व्यक्ति में खांसी, बुखार, सांस लेने में तकलीफ या अन्य लक्षण दिखे तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। समुचित चिकित्सा सुविधा एवं परामर्श उपलब्ध कराने के लिए समाहरणालय स्थित कारगिल विजय भवन में जिला नियंत्रण कक्ष 06243-222835 एक्टिव है।

### तीन प्रखंडों में थमा चुनाव प्रचार का शोर, मतदान आज

**समस्तीपुर।** पंचायत चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के लिए सोमवार शाम पांच बजे चुनाव प्रचार थम गया। समस्तीपुर में दूसरे चरण में ताजपुर, समस्तीपुर व पूसा प्रखंड में 1193 पदों के लिए मतदान होगा। इसके लिए मंगलवार को सभी जगह पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी। तीनों प्रखंड की 39 पंचायतों में जिला परिषद, समिति, मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य व पंच के पदों के लिए 29 सितंबर को मतदान होना है। चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद सभी उम्मीदवार व्यक्तिगत जनसंपर्क में जुट गए। पंचायत चुनाव के दूसरे चरण के मतदान में छह पदों के लिए चुनाव होगा। इन पदों में मुखिया, वार्ड सदस्य, पंसस, जिप सदस्य, पंच एवं सरपंच के पद शामिल है।

## एक झलक

### दो ट्रांसजेंडर महिलाओं ने संसदीय चुनाव में जीत दर्ज की

**बर्लिन (हि.स) :** जर्मनी में रविवार को चुनाव के बाद आए नतीजों के मुताबिक दो ट्रांसजेंडर महिलाओं ने संसद में दो सीटें हासिल की हैं। ये महिलाएं टेस्सा गैंसरर और नाइके स्लाविक दोनों ग्रीन्स पार्टी की सदस्य हैं। पार्टी ने चुनावों में तीसरा स्थान हासिल किया है और 2017 में हुए पिछले चुनावों में 8.9 प्रतिशत मतों के मुकाबले इस बार 14.8 प्रतिशत मत प्राप्त किए हैं। पार्टी अब एक नई गठबंधन सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका अदा करने वाली है।

### बाइडन ने अब लगवायी वैक्सीन की बूस्टर डोज

**वॉशिंगटन (हि.स) :** अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज लगाई गई है। इस डोज को लेकर कहा जाता है ।

# योगी ने आंगबाड़ी कार्यकत्रियों को बांटे 1.23 लाख स्मार्ट फोन

■ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के मानदेय बढ़ाने पर विचार कर रही सरकार

**लखनऊ (हि.स) :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को एक लाख 23 हजार स्मार्टफोन एवं बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए एक लाख 87 हजार इन्फैंटोमीटर वितरित किये। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि तकनीक हमारे कार्य को आसान करता है और पारदर्शिता भी लाता है। हमारे कार्य पर कोई अंगुली नहीं उठा सकता है। तब हम सम्मान का पात्र भी बनते हैं। प्रदेश के 51 जिलों में वितरित किया जाना है। आज 29 जिलों की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन एवं डिवाइस वितरित किया गया है।

**आज उत्तर प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा बदली**

**मुख्यमंत्री** योगी ने कहा कि हम तकनीक के माध्यम से शासन की प्रत्येक योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने का काम करेंगे। मैं पिछले साढ़े चार सालों से यह लगातार कहता आ रहा हूं कि तकनीक का उपयोग करने के लिए उस तरह के संसाधन भी जरूरी हैं। योजनाओं को अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का काम हो सकता है। साढ़े चार साल के दौरान सरकार ने एक लम्बी दूरी तय की है। आज उत्तर प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा बदली है, देश की भी और दुनिया की भी। हर एक विभाग ने कुछ ना कुछ नया और अच्छा किया है। आज का यह कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। सामान्य रूप से यह पहले के लिए स्मार्टफोन वितरण या डिवाइस वितरण का कार्यक्रम हो सकता है लेकिन इसकी गूंज सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने में मील का पत्थर साबित होगा।

# कांग्रेस में कन्हैया व जिग्नेश की एंट्री

■ सुरजेवाला बोले- आज हमारे लिए खास दिन

■ दोनों नेताओं की आवाज राहुल गांधी की आवाज से मिल कर और मजबूत होगी

**कांग्रेस का युवा चेहरों पर दांव**

**कन्हैया कुमार**
2016 में JNU में कथित देशविरोधी नारेबाजी से चर्चा में आए

**जिग्नेश मेवानी**
गुजरात के युवा दलित नेता, वडगाम से निर्दलीय विधायक

एजेंसी

**नयी दिल्ली :** सीपीआई का दामन छोड़ने वाले कन्हैया कुमार कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। दिल्ली में हुए कार्यक्रम में मंगलवार को रणदीप सुरजेवाला और केसी वेणुगोपाल ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इसी कार्यक्रम में गुजरात के दलित कार्यकर्ता और विधायक जिग्नेश मेवानी को भी कांग्रेस में शामिल होना था, लेकिन तकनीकी वजहों से वे पार्टी की सदस्यता नहीं ले पाए। उन्होंने कहा कि वे वैचारिक रूप से पार्टी से जुड़ गए हैं। इस दौरान पाटीदार नेता हार्दिक पटेल भी मौजूद रहे। माना जा रहा है कि कई राज्यों में बागियों से परेशान कांग्रेस अब युवाओं पर दांव खेल रही है।

हालांकि, पंजाब में सिद्धू के इस्तीफे की वजह से बने हालात की वजह से इस कार्यक्रम को तीन बार आगे बढ़ाया गया। सुरजेवाला ने कहा कि आज हम सब के लिए विशेष दिन है। इस मंच पर दो नौजवान बैठे हैं, जो किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। जिन्होंने लगातार मोदी सरकार और हिटलरशाही जो इस देश में चल रही है, से अपने तरीके से व्यापक संघर्ष किया है। ये आवाज और मजबूत होगी, जब ये आवाज राहुल गांधी की आवाज से मिलकर एक और एक 11 हो जाएगी।

## रांची/झारखंड

### भोजन एवं दैनिक वस्तु का ट्रस्ट ने किया वितरण

**रांची।** गरीबो के मसीहा संत शिरोमणी श्री श्री 108 स्वामी श्री सदानन्द जी महाराज के द्वारा संचालित रांची की सुप्रसिद्ध समाजिक एंव धर्मिक संस्था एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट एवं स्वामी सदानन्द प्रणामी चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) दिल्ली शाखा रांची के संयुक्त तत्वधान में पितर पक्ष सप्तमी दिवस के अवसर पर आज दिनांक 28.09.2021 मंगलवार को दिन 01 बजे ओरमांझी प्रखण्ड के सेहदा गॉव स्थित महर्षि बाल्मीकि विकलांग एवं अनाथ कल्याण सेवाश्रम में रहने वाले निर्धन, लाचार, असहाय विकलांग बच्चों एवं आस पास की बस्ती से आयें हुये लगभग 100 बच्चों के बीच पितृ पक्ष माह पर भोजन, मिठाई, टुथब्रस, पेस्ट, नहाने और कपड़े धोने के साबुन, 5 लिटर डिटॉल, 5 लिटर फिनाईल, एवं बहुत सी जरूरत की सामग्री पितृ पक्ष माह में देकर अपने ब्रह्मलीन बुजूर्गो का आर्शिवाद प्राप्त किया। सप्तमी श्राद्ध दिवस आश्रम के बच्चों और आस-पास के बच्चों को विभिन्न प्रकार के भोजन एवं दैनिक उपयोग की वस्तु मिलने से सभी बच्चें खुश थे।

# धर्म की रक्षा करेंगे तभी धर्म हमारा रक्षा करेगा: अनिल ठाकुर

पंच संवाददाता

**हजारीबाग** । वैदिक सनातन धर्म को मानने वाले हिंदू समाज के विभिन्न जाति वर्ग के जिलाध्यक्ष, सचिव व विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रमुखों का जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला मुद्रिंका कुंज विवाह भवन में किया गया है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता अनिल ठाकुर ने कहा पूरे भारत एवं राज्य की स्थिति आज धर्मांतरण से अछूती नहीं है । धर्मांतरण पूरे देश की समस्या है ।स्थिति आज यह है कि लोग सिर्फ राजनीति के दृष्टिकोण से अपने आप को 5 वर्षों के लिए सोचते हैं लेकिन जरूरत है पूरे पीढ़ी की ।कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हम सब लोगों को हाथ से हाथ मिलाकर चलना होगा। हजार वर्षो की गुलामी के बाद अपने लोग आज पीछे छूट गए हैं इसके लिए हम सभी जिम्मेवार हैं। सभी अपने-अपने साधना की पद्धति अपनाकर जीवन जी रहे हैं जो कमियां रह गई है उसे दूर करना होगा। उन्होंने कहा कि एक समय था जब पढ़ाई बड़े लोगों के घर होकर रह गई थी आज समाज में बदलाव आया है और गरीब का भी बच्चा उच्च शिक्षा प्राप्त कर उचित स्थान पर जा सकता है। यूपीएससी में मजदूर का बेटा जिस प्रकार से सफलता हासिल की यह समाज के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ है ।उन्होंने कहा की धर्मांतरण से आज कोई भी जाती अछूता नहीं है ।लव जिहाद उच्च वर्गों में प्रवेश कर चुका है इस पर रोक लगाने की जरूरत है ।उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब अपने समाज के साथ अगल बगल भी झांकने की जरूरत है ।गुमला से आए संजय वर्मा ने कहा कि हिंदू धर्म आज शुन्य हो गया है ।गुमला में धर्म के नाम पर अराजकता फैली हुई है ।धर्मांतरण चरम पर है इन सबके बीच में भी एक हरिजन परिवार ने अपना धर्म नहीं परिवर्तन किया और वाह प्रशासन की शरण में गया। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण की लड़ाई को आगे बढ़ा चुके हैं और कई बार व्यक्तिगत प्रताड़ना भी सह चुके हैं ।सिमडेगा इसका ज्वलंत उदाहरण है ।ईसाई धर्म चंगाई सम्मेलन के नाम पर लोगों को गुमराह कर रही है और धर्म परिवर्तन करने के लिए बाध्य कर रही है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्याम प्रभु ने कहा कि आज धर्म की हानि हो रही है ।झारखंड के लिए धर्मांतरण गंभीर समस्या बन गई है ।घर-घर में धर्म का दीप जलाना होगा तभी धर्म की रक्षा होगी। जब हम अपने धर्म की रक्षा करेंगे तो हमारा धर्म हमारी रक्षा करेगा ।सामाजिक समरसता के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में तैलिक समाज की शीला साहू कुमार ,केशव संतोष रविदास ,ओम प्रकाश ,अमित मिश्रा विशाल बाल्मीकि, गुरुदेव कुमार गुप्ता, अमरदीप यादव ,रोहित राम, पवन खंडेलवाल रंजन चौधरी,महिंद्र बैक, रामप्रसाद शर्मा ,राज सिंह चौहान ,फलाहारी बाबा, भैया मुकेश ने अपने विचार प्रकट किए ।कार्यक्रम का संचालन चंदन मेहता, अरबिंद राणा व धन्यवाद ज्ञापन गौरव सहाय ने किया। आयोजन को सफल बनाने

प्रेम प्रसाद राणा, मनमीत अकेला, महेश कुमार, बृजेश बबलू कुम ,भोला राणा ,रवि रंजन ,शत्रुघ्न पांडे अश्वनी कुमार हिरा राम, महेश रविदास, ब्रजेश कुमार, , विशाल कुमार, संतोष यादव, सुदामा राम , राकेश कुमार विगो यादव सहित कई लोग शामिल थे।

# रांची में मुहर्रम और चेहलुम की नींव

पंच संवाददाता

**रांची।** झारखंड सहित पुरे देश में चेहलुम मनाया जा रहा है। ये जानने की कोशिश करते हैं की रांची में किस तरह शिया समुदाय की तरफ से चेहलूम की शुरूआत हुई।
प्रख्यात अधिवक्ता स्वर्गीय सैयद अनवर हुसैन खान साहब, पुत्र नवाब सैयद अजहर हुसैन खान साहब, जब 1932 में पटना से रांची पहुंचे तो उस समय तक रांची में शिया समुदाय की तरफ से मुहर्रम, चेहलुम और अजादारी का रिवाज नहीं था।

रांची में शिया समुदाय में मुहर्रम, चेहलुम और अजादरी के संस्थापक अधिवक्ता स्वर्गीय सैयद अनवर हुसैन खान साहब थे। अनवर साहब ने रांची में मुहर्रम और चेहलुम के अवसरों पर दस, दस दिनों का अशरा (शोक दिवस) कायम किया। इन शोक दिवसों को संबोधित करने के लिए देश के प्रख्यात विद्वानों को निमंत्रित किया जाता था। चेहलुम का अशरा पढ़ने के लिए 1964 तक लखनऊ के धर्म गुरु मौलाना सादिक हुसैन साहब आते थे। वो अनवर साहब के घर पर ठहरते थे, और उन्हीं के घर में दस दिनों तक मजलिस पढ़ते थे। 1965 से बनारस के विद्वान मौलाना अहमद हसन साहब रांची आने लगे और अनवर साहब के घर में मजलिस पढ़ने लगे। ये सिलसिला 1998 तक जारी रहा। आजकल चेहलुम में मौलाना दिलकश गाजीपुरी साहब आते हैं। पहले के सारे धार्मिक कार्यक्रम अब भी अनवर साहब के घर मे उसी प्रकार सुनियोजित ढंग से सम्पन्न होते हैं।

एक दिलचस्प बात ये है के देश के विभाजन के पहले रांची में पोस्टेड बलूच, और पंजाब रेजीमेंट्स के कई आला अधिकारी शिया समुदाय से थे। ये सभी अधिकारी नियमित तौर पर अनवर साहब के घर पर होने वाले

मुहर्रम के कार्यकर्म में शरीक होते थे और मातम करते थे। कभी कभी तो इमाम हुसैन से उनके प्रेम का जोश इतना बढ़ जाता था के ये श्रद्धालू रोड पर भी निकल जाते थे और शोक मनाते थे। देश के विभाजन के बाद ये लोग पाकिस्तान चले गए और अपने साथ रांची की हसीन यादें भी ले गए।
अनवर साहब ने 1968 में शहर में चेहलुम का जुलूस कायम किया जो अब तक उसी भव्यता के साथ बाकी हैं। पहला जुलूस उनके मेन रोड स्थित आवास (अनवर आर्केड) से निकल कर टैक्सी स्टैंड तक गया और फिर वापस उनकी कोठी में लौट आया। जुलूस में मौलाना अहमद हसन साहब मेन रोड पर सभी धर्म के लोगों को संबोधित करते, उन्हें इमाम हुसैन (पैगम्बर साहब के नवासे) की कुबार्नी का मकसद बताते और आपस में प्रेम भाव से मिल जुल कर रहने की अपील करते। 1968 के इसी जुलूस में पहली बार अनवर साहब के चारों पुत्र, भतीजा (मोहम्मद बाकर अली) और नवासा (सैयद हाशिम रजा) ने जंजीर के मातम की पहल की थी। ये एक ऐतिहासिक क्षण था। रांची शहर ने ऐसा नजारा पहली बार देखा था और देखते ही देखते जुलूस को देखने वालों की संख्या हजारों में हो गई थी। खून से लत पत मातम करने वालों को देख कर शहर वाले बिल्कुल अचंभित हो गए थे। जंजीर से मातम की परंपरा अभी तक कायम है, और हर साल इसमें बढ़ोतरी ही हो रही है।

जुलूस में बच्चे, नौजवान और बूढ़े नौहा और सलाम पढ़ते हैं और इमाम हुसैन के अजीम बलिदान को याद करते हैं। जंजीर के साथ साथ हाथ से मातम करने वालों की भी अच्छी खासी तादाद रहती है।

जुलूस के वापस आ जाने के बाद मौलाना अहमद हसन साहब, अनवर साहब की कोठी में मजलिस पढ़ते थे। श्रद्धालु शोक मनाते और फिर उन्हें इमाम हुसैन के नाम पर नजर (एक प्रकार का खाना) खिलाई जाती थी। ये सिलसिला अब भी जारी है।

चेहलुम के दस दिनों में अनवर साहब का घर मेहमान खाना बना रहता था। छोटानागपुर के दूर दराज के इलाकों (पलामू, जमशेदपुर, हजारीबाग, रामगढ़, आदि) से श्रद्धालु उनके घर में जमा रहते थे जिनके खान पान की ज़िम्मेदारी अनवर साहब और उनके परिवार वाले खुशी खुशी निभाते थे। यूं भी साल भर उनकी कोठी में मजलिस और महफिल का सिलसिला जारी रहता था जिसमें श्रद्धालुओं का आगमन होता रहता था। अनवर साहब चुंकि मेहमानों की खातिर करना अपना अपना फर्ज.समझते थे इसलिए कोई भी उनके घर पर आ जा सकता था। मुहर्रम और चेहलुम के अवसर पर उनका घर किसी सराय से कम नहीं रहता था। 1977 में अनवर साहब, उनके चारों पुत्र (सैयद खुर्शीद अनवर ;डायरेक्टर प्रोबेशन डिपार्टमेंट-मिनिस्ट्री ऑफ होम्;, हाई कोर्ट अधिवक्ता सैयद यावर हुसैन, सैयद मंसूर अनवर ;जजद्ध और सैयद तनवीर अनवर), सैयद हाशिम रजा, और रांची में आबाद कुछ ईरानी बंजारों ने मिल कर दस मुहर्रम (आशूरा) का जुलूस कायम किया था। जुलूस को अनवर साहब की कयादत हासिल थी। शुरू शुरू में ये जुलूस मेन रोड ओवर ब्रिज से कर्बला चौक तक जाता था। ये जुलूस अब भी कायम है और नियमित समय से निकलता है।
साथ ही साथ 9 मुहर्रम का जुलूस भी अनवर साहब के घर से ही निकलता है। ये भी काफी पुरानी परंपरा है।

पाठकों को ये जानना जरूरी है कि अनवर साहब अपने पैतृक शहर भागलपुर में भी मुहर्रम का अशरा आयोजित करते थे और ये सिलसिला अभी तक आबाद है। पटना शहर में भी मुहर्रम की नींव अनवर साहब के पूर्वज श्री सैयद अहमद अली खान कयामत ने 1722 ईसवी में रखी थी। अतः उनके परिवार को अविभाजित बिहार के चार शहरों (पटना, भागलपुर, शेखपूराऔर रांची) में मुहर्रम की नींव रखने का श्रेय जाता है।

रांची में शिया मस्जिद और इमामबाड़ा की स्थापना का श्रेय भी अनवर साहब के घराने को ही जाता है। 1999 तक अनवर साहब के घर में ही ईद, बकरीद, जुमा, रमजान आदि की नमाज अदा की जाती थी। मस्जिद-ए-जाफरिया के निर्माण के बाद अब नमाज वहां संचालित की जाती हैं। इस मस्जिद की नींव की पहली ईंट अधिवक्ता स्वर्गीय श्री सैयद यावर हुसैन साहब (पुत्र अनवर साहब) ने रखी थी।

मेन रोड, रांची, स्थित अनवर साहब की विशाल कोठी (अनवर आर्केड) अब भी सामाजिक और धार्मिक कार्यों का केंद्र बिंदु है। इस तरह अनवर साहब और उनके परिवार की मेहनत, लगन, कुबार्नी और धैर्य से रांची शहर में मुहर्रम, चेहलुम और अजादारी की मजबूत नींव पड़ी जो अब तक कायम है।

# ज़िक्र और फिक्र से अधिक सही दिशा में मेहनत करे विद्यार्थी: विनय मिश्रा

पंच संवाददाता

**हजारीबाग।** कौशल्या प्लाजा स्थित चाणक्या आईएएस एकेडमी के हजारीबाग शाखा में जेपीएससी मेंस परीक्षा की तैयारी को लेकर नए बैच की शुरूआत मंगलवार से की गई। ओरिएंटेशन क्लास में जेपीएससी परीक्षा की तैयारी से जुड़ी कई अहम बातें विद्यार्थियों को बताई गई। संस्थान के वाइस प्रेसिडेंट विनय मिश्रा ने मौके पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह बहुत जरूरी है कि तैयारी में जुड़े सभी विद्यार्थी तनाव मुक्त रहे। उन्होंने कहा कि ज़िक्र और फिक्र के इतर विद्यार्थी सही दिशा में तनाव मुक्त होकर संस्थान के उचित मार्गदर्शन में तैयारी करे तो सफलता की चाहत को हकीकत में तब्दील किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संस्थान से जुड़े विद्यार्थियों को केवल अपना ध्यान तैयारी पर केंद्रित करते हुए नियमित मेहनत करनी है। कामयाबी के सभी बारिकियों से अवगत कराते हुए संस्थान के सभी विषय विशेषज्ञ शिक्षकों के माध्यम से सफलता की मंजिल की राह आसान बनाई जाती है। श्री मिश्रा ने अमेरिका के 31वें राष्ट्रपति रहे हर्बर्ट हुवर के संघर्ष के दिनों के जरिए जहां विद्यार्थियों में

सफलता के प्रति दृढ़ संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया, वहीं विवेकानंद के जीवन का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को भयमुक्त होकर निर्धारित लक्ष्य की ओर नियमित परिश्रम के बदौलत चलते रहने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को नकारात्मक सोंच से बचने और धैर्य के साथ सकारात्मक दिशा में तैयारी करने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि बहुत जल्द यूपीएससी की तर्ज. पर ही जेपीएससी को लेकर भी अपग्रेडेड फाउंडेशन कोर्स की शुरूआत चाणक्या आईएएस एकेडमी में की जाएगी ताकि विद्यार्थियों को कामयाबी की राह पर चलना आसान हो। वहीं संस्थान के प्रसिद्ध शिक्षक पुष्पराज सर ने ओरिएंटेशन क्लास में जेपीएससी परीक्षा की तैयारी से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें बताई और तय लक्ष्य को हासिल करने के लिए नियमित परिश्रम के साथ साथ उचित मार्गदर्शन को अहम बताया। उन्होंने जेपीएससी के सिलेबस की विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को देते हुए कहा कि सिर्फ पढ़ना ही किसी विद्यार्थी के लिए महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि योजनाबद्ध तरीके से नियमित परिश्रम ही सफलता की कुंजी बन सकती है। जेपीएससी की तैयारी से जुड़ी बारीकियों को विद्यार्थियों के मन में उठ रहे प्रश्नों का उन्होंने उत्तर दिया और सभी विद्यार्थियों से लक्ष्य बड़ा रखते हुए उसके अनुरूप तैयारी करने को लेकर प्रेरित किया। उनकी बातों से विद्यार्थियों में भी काफी उत्साह देखा गया।

# रिलायंस फाउंडेशन ने वुमेन कनेक्ट चैलेंज इंडिया ग्रांट प्राप्त करने वाले संगठनों के नाम घोषित किए

पंच संवाददाता

**मुंबई/रांची।** रिलायंस फाउंडेशन और यू.एस. एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) द्वारा शुरू किए गए वूमेनकनेक्ट चैलेंज इंडिया के माध्यम से पूरे भारत में दस संगठनों को अनुदान प्राप्तकताओं के रूप में चुना गया है। इस पहल के माध्यम से, लैंगिक डिजिटल विभाजन को दूर करने में मदद करने के लिए 11 करोड़ रुपये (1.5 मिलियन अमरीकी डालर से अधिक) का निवेश किया गया है और इसमें से, रिलायंस फाउंडेशन ने विभिन्न समस्याओं के इनोवेटिव समाधान बनाने के लिए परियोजनाओं के लिए अनुदान में 8.5 करोड़ रुपये (1.1 मिलियन अमरीकी डालर से अधिक) का समर्थन किया है। इस प्रयास के तहत 17 राज्यों में 3 लाख (300,000) से अधिक महिलाएं और लड़कियां लैंगिक डिजिटल विभाजन को दूर करने और प्रौद्योगिकी के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ाने की पहल से लाभान्वित होंगी।

चुने गए संगठनों की घोषणा के मौके पर नीता एम.अंबानी, संस्थापक-चेयरपर्सन, रिलायंस फाउंडेशन ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं को सक्षम और सशक्त बनाना हमारा मिशन रहा है। जब हमने जियो लॉन्च किया, तो हमने एक डिजिटल रेवोल्यूशन की कल्पना की थी जो सभी के लिए समान अवसर प्रदान करे। जियो के माध्यम से, हम अपने देश के हर हिस्से में मौजूद लोगों को सबसे सस्ती कनेक्टिविटी प्रदान कर रहे हैं। रिलायंस फाउंडेशन भारत में लैंगिक डिजिटल अंतर को पाटने की दिशा में यूएसएड के साथ साझेदारी में भी काम कर रहा है। प्रौद्योगिकी असमानता को दूर करने और समाप्त करने का एक शक्तिशाली साधन है। मैं परिवर्तन की इस यात्रा पर हमारे वूमेनकनेक्ट चैलेंज इंडिया के दस विजेताओं को बधाई देती हूं और अपने साथ आने पर स्वागत करती हूं।

इस प्रयास के तहत अनुदान प्राप्त करने वाले संगठनों में अनुदीप फाउंडेशन, बेयरफुट कॉलेज इंटरनेशनल, सेंटर फॉर यूथ एंड सोशल डेवलपमेंट, फ्रेंड्स ऑफ विमेन वर्ल्ड बैंकिंग, नंदी फाउंडेशन, डेवलपमेंट एक्शन के लिए प्रोफेशनल असिस्टेंस, सोसाइटी फॉर डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स, सॉलिडेरिडाड रीजनल एक्सपर्टाइज सेंटर, टीएनएस इंडिया फाउंडेशन और जेडएमक्यू डेवलपमेंट शामिल हैं। समाधान महिला किसानों, उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को लैंगिक डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए सामाजिक और सांस्कृतिक बाधाओं को दूर करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को संबोधित करते हैं। वूमेनकनेक्ट चैलेंज इंडिया को अगस्त 2020 में लॉन्च किया गया था। 180 से अधिक आवेदनों के पूल से, 10 संगठनों को 12 से 15 महीनों की अवधि के लिए 75 लाख से 1 करोड़ रुपए (100,000- 135,000 यूएस डॉलर) के बीच अनुदान के साथ चुना गया था। जनवरी 2021 में, यूएस एड और रिलायंस फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से एक सॉल्वर सिम्पोजियम की मेजबानी की, जिसमें भारत में लैंगिक डिजिटल विभाजन पर विचार-मंथन करते हुए क्षमता निर्माण के लिए सेमी-फाइनलिस्ट और बाहरी विशेषज्ञों को एक साथ लाया गया।

Reliance Foundation

"It has been our mission to enable and empower women in every walk of life. When we launched Jio, we envisioned a digital revolution that will be an equal opportunity revolution. Through Jio, we have been providing affordable connectivity across the length and breadth of our country. Reliance Foundation has also been working in partnership with USAID towards bridging the gender digital divide in India. Technology is a powerful means to address and eliminate inequality. I congratulate and welcome on board the ten winners of our WomenConnect Challenge India on this journey of transformation."

Smt. Nita M. Ambani
Founder-Chairperson, Reliance Foundation

महिलाओं में हर साल मोबाइल इंटरनेट के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। जबकि 2017 में भारत में केवल 19 प्रतिशत महिलाएं ही मोबाइल इंटरनेट के बारे में जानती थीं; 2020 में यह बढ़कर 53 प्रतिशत हो गया। स्वामित्व के मामले में, 79 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में 67 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन है। वर्षों से, रिलायंस फाउंडेशन की पहल का उद्देश्य डिजिटल विभाजन को दूर करना रहा है। रिलायंस जियो के माध्यम से, 1.3 बिलियन से अधिक भारतीयों ने राष्ट्रव्यापी स्तर पर एक संपूर्ण डिजिटल क्रांति देखी है जिसने सभी के जीवन को बदल दिया। आज, जियो भारत में सबसे बड़ी डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर कंपनी है, और 120 मिलियन महिला जियो उपयोगकताओं के साथ दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी कंपनी हैं, और डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। वीमेनकनेक्ट चैलेंज महिलाओं की पहुंच और प्रौद्योगिकी के उपयोग के तरीकों को सार्थक रूप से बदलकर रोजमर्रा की जिंदगी में महिलाओं की भागीदारी को बेहतर बनाने के समाधान के लिए एक वैश्विक आह्वान है। यूएसएड ने भारत में लैंगिक डिजिटल विभाजन को बंद करने वाले नए दृष्टिकोणों का समर्थन करने के लिए रिलायंस फाउंडेशन के साथ भागीदारी की है और नए अनुदान प्राप्त करने वाले महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ाने के लिए पिछले वीमेनकनेक्ट राउंड से प्रमाणित रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

**यूएसएड: परिचय**

यूएसएड दुनिया की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी है और विकास के परिणामों को चलाने वाली एक प्रेरक संस्था है। यूएसएड जीवन को ऊपर उठाने, समुदायों के निर्माण, लोकतंत्र को आगे बढ़ाने और दुनिया भर में महिला सशक्तिकरण के लिए चैंपियन बनाने में मदद करने के लिए काम करता है। यूएसएड के कार्य से यू.एस. की राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक समृद्धि को प्रोत्साहन मलता है; अमेरिकी उदारता प्रदर्शित करता है; और देशों को उनकी विकास यात्रा में प्रगति में मदद करता है।

आज तक, यूएसएड के पास तीन अलग-अलग दौरों में 16 वीमेनकनेक्ट चैलेंज ग्रांट हैं जो महिलाओं की प्रौद्योगिकी तक पहुंच को सीमित करने वाली बाधाओं को दूर करने और 16 देशों में लगभग 6 मिलियन महिलाओं को जोड़ने के लिए काम कर रहे हैं। वीमेनकनेक्ट राउंड वन, 2018 में, नौ ग्रांट्स से सम्मानित किया गया और 2019 में वूमेनकनेक्ट राउंड टू को तीन से सम्मानित किया गया। इस साल की शुरूआत में, वूमेनकनेक्ट राउंड थ्री के लिए चार विजेताओं की घोषणा की गई थी।

# कोलकाता नाइटराइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 03 विकेट से हराया

**शारजाह :** आईपीएल फेज-2 में आज दिन का पहला मैच दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच खेला गया। जहां केकेआर ने 128 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए 3 विकेट से जीत दर्ज की। कोलकाता ने 10 गेंद शेष रहते मुकाबला जीतकर अपने नाम किया। टीम की जीत में नितीश राणा ने 27 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाए, जबकि सुनील नरेन के बल्ले से भी सिर्फ 10 गेंदों पर 21 रनों की पारी देखने को मिली। टारगेट का पीछा करते हुए कोलकाता का पहला विकेट वेंकटेश अय्यर (14) के रूप में गिरा। उनकी विकेट ललित यादव के खाते में आई। अगले ही ओवर में आवेश खान ने छक्के के साथ अपना खाता खोलने वाले राहुल त्रिपाठी (9) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शुभमन गिल और नितीश राणा ने पारी को संभालने का काम किया। गिल एक छोर संभालकर खेल रहे थे, लेकिन तभी कगिसो रबाडा ने उनको आउट कर दिल्ली को तीसरी सफलता दिलाई। अगली ही गेंद पर आर अश्विन ने कैप्टन मोर्गन को शून्य पर आउट कर केकेआर की कमर तोड़कर रख दी। मोर्गन को आउट करने के बाद अश्विन काफी जोश में नजर आए। कोलकाता का छठा विकेट दिनेश कार्तिक (12) के रूप में गिरा। दिल्ली के लिए आवेश खान 3 विकेट लेने में सफल रहे। दिल्ली की पारी के अंतिम ओवर में टिम साउथी ने आर अश्विन का विकेट चटकाया। आउट होने के बाद मैदान पर अश्विन को गुस्से से आग बबूला होते देखा गया। मैदान पर वह पहले साउथी और उसके बाद कैप्टन मोर्गन से गुस्से में कुछ कहते नजर आए। शिखर धवन और स्टीव स्मिथ ने पहले विकेट के लिए 35 रन जोड़े। अच्छी लय में नजर आ रहे धवन (24) की विकेट लॉकी फर्ग्युसन के खाते में आई। आउट होने से पहले ऑरेंज कैप एक बार वापस शिखर के पास पहुंच गई है। अभी तक गब्बर 454 रन बना चुके हैं। शिखर के विकेट के बाद श्रेयस अय्यर (1) का मैजिक भी आज देखने को नहीं मिला और सुनील नरेन ने क्लीन बोल्ड कर उनको पवेलियन का रास्ता दिखाया। कोलकाता को तीसरी सफलता स्टीव स्मिथ (39) के रूप में मिली। स्मिथ को फर्ग्युसन ने क्लीन बोल्ड कर आउट किया। स्मिथ के विकेट के बाद दिल्ली ने शिमरोन हेटमायर (4) और ललित यादव (0) के विकेट जल्दी गंवा दिए।

## एक झलक

### तायक्वांडो खिलाड़ी गिरफ्तार

**नयी दिल्ली (ईएमएस) :** राष्ट्रीय स्तर पर दो बार स्वर्ण पद जीतने वाले एक तायक्वांडो खिलाड़ी को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार यह पूर्व खिलाड़ी झपटमारी और लूट की 100 से ज्यादा घटनाओं में शामिल रहा है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान उत्तम नगर के विकास नगर निवासी सूरज उर्फ फाइटर उम्र 28 के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस ने नजफगढ़ रोड, रामा रोड, मोती नगर में गश्ती के दौरान एक संदिग्ध स्कूटर सवार युवक को रोका। जांच में पता चला कि स्कूटर कीर्ति नगर से चोरी किया हुआ है। पुलिस को पूछताछ के दौरान उसने कई मोबाइल फोन छीनने और उत्तरी दिल्ली के सब्जी मंडी इलाके से 2.5 किलोग्राम सोने के आभूषण की लूट की बात स्वीकार की। उसने अपने दो सहयोगियों के साथ अपराध किया और ये लोग एक देशी-कट्टा, चाकू और बाइक का भी इस्तेमाल करते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से एक देशी कट्टा, एक कारतूस, 55 मोबाइल फोन और पांच दोपहिया वाहन मिला है।

### बीसीसीआई के घरेलू सत्र की शुरुआत टली

**नयी दिल्ली (ईएमएस) :** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने चक्रवात की चेतावनी के कारण घरेलू सत्र की शुरुआत को दिनों के लिए आगे बढ़ा दिया है। बीसीसीआई के घरेलू सत्र की शुरुआत मंगलवार से लड़कों के अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी और महिलाओं के अंडर-19 एकदिवसीय टूर्नामेंट से होनी थी पर इसे दो दिनों के लिए टाल दिया गया है। हैदराबाद और भुवनेश्वर में भारी बारिश को देखते हुए इन मैचों को आगे बढ़ाया गया है। बीसीसीआई के महाप्रबंधक (खेल विकास) धीरज मल्होत्रा ने सात मेजबान संघों हैदराबाद, भुवनेश्वर इंदौर, विजाग, सूरत, राजकोट और नागपुर को भेजे अपने पत्र में लिखा, लगातार बारिश और मौसम विभाग द्वारा जारी चक्रवात की चेतावनी के कारण, बीसीसीआई ग्रुप चरण की शुरुआत 30 सितंबर तक के लिए स्थगित करने के लिए मजबूर है। कार्यक्रम में इस बदलाव के बाद आराम के लिए कोई दिन नहीं होगा और सभी मैच 30 सितंबर से चार अक्टूबर तक लगातार खेले जायेंगे।

### चहल को विश्व कप के लिए शामिल न करने पर जवाब दें चयनकर्ता : सहवाग

**नयी दिल्ली (ईएमएस) :** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने स्पिनर युजवेन्द्र चहल को एक स्मार्ट खिलाड़ी बताते हुए कहा कि आगामी टी20 विश्व कप में उसे क्यों शामिल नहीं किया गया यह समझ नहीं आ रहा है। सहवाग ने कहा, चहल पहले भी अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे। मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि उन्हें टी20 विश्व कप टीम से क्यों बाहर किया गया। चयनकर्ताओं को स्पष्टीकरण देना चाहिए। ऐसा नहीं है कि राहुल चाहर ने श्रीलंका में असाधारण गेंदबाजी की। चहल जिस तरह से आईपीएल में गेंदबाजी कर रहे हैं, वह टी20 क्रिकेट में किसी भी टीम के लिए अहम होंगे। चहल के अलावा पर्पल कैप धारक हर्षल पटेल ने भी आरसीबी के लिए अच्छी गेंदबाजी की और हैट्रिक लेकर इसे यादगार बना दिया। सहवाग ने भी दाएं हाथ के तेज गेंदबाज के प्रदर्शन की सराहना की।

### इंजमाम की दिल का दौरा पड़ने के बाद हुई एंजियोप्लास्टी

**कराची (ईएमएस) :** पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी एंजियोप्लास्टी हुई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अनुसार इंजमाम गत तीन दिनों से असहज महसूस कर रहे थे। इस पूर्व बल्लेबाज को सीने में दर्द के बाद अस्पताल ले जाया गया था जहां शुरुआती जांच के बाद पता चला कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा है। इस पूर्व कप्तान के एजेंट के अनुसार अब उनकी हालत स्थिर है।

## बीसीसीआई अध्यक्ष गांगुली पर जुर्माना

**कोलकाता (ईएमएस) :** कोलकाता उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने अपने एक अहम फैसले में भूमि के अनियमित आवंटन के लिए बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली पर 10,000 रुपए जबकि पश्चिम बंगाल हाउसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना न्यू टाउन क्षेत्र में स्कूल बनाने के लिए गलत तरीके से भूमि आवंटित करने को लेकर लगाया गया है। खंडपीठ के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी की पीठ ने कहा कि यह राशि चार सप्ताह के भीतर पश्चिम बंगाल राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के पास जमा करा दी जानी चाहिए। अदालत ने कहा, हालांकि भूमि का हिस्सा आवंटियों द्वारा वापस कर दिया गया है पर सत्ता के मनमाने प्रयोग कानून के बिल्कुल विपरीत है, इसलिए, डब्ल्यूबीएचआईडीसीओ पर 50,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार और डब्ल्यूबीएचआईडीसीओ आवंटन के फैसले के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों से राशि को वसूली कर सकते हैं। गांगुली और गांगुली एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी पर लगाये गये 10,000 रुपये के सांकेतिक जुर्माने पर अदालत ने कहा, उन्हें कानून के अनुसार काम करना चाहिए था, विशेष रूप से पहले के फैसले पर विचार करते हुए जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला करते हुए मामला रद्द कर दिया गया था। पीठ 2016 में दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें गांगुली को न्यू टाउन में एक स्कूल स्थापित करने के लिए दो एकड़ जमीन के अनियमित आवंटन को चुनौती दी गई थी। 27 सितंबर 2013 को गांगुली और सोसायटी को आवंटन किया गया था। भूमि अगस्त 2020 में डब्ल्यूबीएचआईडीसीओ को सौंप दी गयी थी।

### मुंबई को अपनी उम्मीदें बनाये रखने के लिए पंजाब पर जीत दर्ज करनी होगी

**अबुधाबी (ईएमएस) :** मुम्बई इंडियंस को मंगलवार को होने वाले एक अहम मुकाबले में हर हाल में पंजाब किंग्स को हराना होगा। इस मैच में हार से मुम्बई की आगे बढ़ने की उम्मीदें भी समाप्त हो जायेंगी। दूसरे चरण में अब तक मुम्बई की टीम एक भी मैच नहीं जीत पायी है और तीनों मैच हारकर सातवें स्थान पर फिसल गयी है। इस प्रकार उसके 10 मैचों में आठ अंक हैं। मुम्बई की परेशानी सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन जैसे युवा बल्लेबाज के लय में नहीं होने के कारण बढ़ी है। कप्तान रोहित शर्मा पर इस कारण दबाव बढ़ता जा रहा है, इसलिए वह अच्छी शुरुआत के बाद भी लंबी पारी नहीं खेल पाये हैं। पहले दो मैचों से बाहर रहने के बाद ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने वापसी की है पर वह भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं।

## धोनी इस सत्र के बाद आईपीएल से भी लेंगे संन्यास : हॉग

**नयी दिल्ली (ईएमएस) :** पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रैड हॉग के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इस सत्र के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को भी अलविदा कह सकते हैं। वहीं कुछ दिनों पहले ही सीएसके के सीईओ ने धोनी के संन्यास की खबरों को खारिज करते हुए कहा था कि जब तक वह फिट हैं टीम की कप्तानी करते रहेंगे। हॉग के अनुसार धोनी आईपीएल के इस सत्र में अब तक उम्मीद के अनुसार बल्लेबाजी नहीं कर पाये हैं। वह पहले जिस अंदाज में खेला करते थे उसकी भी झलक अब नहीं मिलती है हालांकि नेतृत्व क्षमता में अब भी वह पहले की तरह ही हैं। धोनी की कप्तानी में उनके गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है। सीएसके की टीम ने 16 अंकों के साथ प्लेऑफ में क्वालीफाई कर लिया है। हॉग ने कहा, मुझे लगता है कि धोनी इस साल के अंत तक आईपीएल से भी संन्यास ले लेंगे। जिस तरह से वह वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर आउट हुए उससे साफ दिखाई देता है कि उनकी धार अब कमजोर पड़ गयी है। उनके आउट होने के तरीके पर उनकी बढ़ती उम्र का प्रभाव भी दिखने लगा है। उनके बैट और पैड के बीच काफी गैप था। आईपीएल के इस सत्र में धोनी ने अब तक खेले 10 मैचों में 52 रन बनाए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 18 रन रहा है। हॉग ने कहा, यह भारतीय क्रिकेट और सीएसके के लिए अच्छा है कि नेतृत्व क्षमता में उनकी योग्यता अब भी देखने को मिल रही है। वह अभी भी चीजों को शांत रखने और जडेजा व अन्य युवाओं को आगे बढ़ने में सहायता कर रहे हैं पर जिस तरीके से उनकी बल्लेबाजी चल रही है और वह जिस तरीके से आउट हुए उससे लगता है कि अब उनकी धार पहले जैसी नहीं रही है।

## कोरोना संक्रमण के कारण ऑस्ट्रेलियाई शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट स्थगित

**सिडनी (ईएमएस) :** क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को कोरोना महामारी के कारण घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड को टालना पड़ा है। खिलाड़ियों के संक्रमण के डर से घर लौटने के कारण ब्रिसबेन में क्वींसलैंड और तस्मानिया के बीच होने वाले मुकाबले को स्थगित कर दिया गया है। ब्रिसबेन के उत्तरी उपनगर में कोरोना संक्रमण के 4 नये मामले सामने आए हैं। यहीं शेफील्ड शील्ड की चैंपियन टीम क्वींसलैंड को तस्मानिया के खिलाफ सत्र की शुरुआत करनी थी पर तस्मानिया के खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों ने वापस घर लौटने का फैसला कर लिया। इस कारण सीए को मैच स्थगित करना पड़ा है। शुरुआत में खेल को टालने का फैसला किया गया था पर बाद में पूरे मैच स्थगित कर दिया गया। गौरतलब है कि क्वींसलैंड सरकार ने कोरोना को लेकर अतिरिक्त पाबंदियां नहीं लगाई हैं। फिर भी तस्मानिया की टीम ने घर लौटने का फैसला किया। वहीं क्रिकेट तस्मानिया ने ट्वीट किया कि हमने शेफील्ड शील्ड की टीम और एकदिवसीय दल को वापस बुलाने का फैसला किया। यह फैसला काफी सोच-समझकर लिया गया है क्योंकि क्वींसलैंड में ऐसी स्थिति नहीं थी कि आज मैच ना शुरू हो पाए पर फिर भी सतर्कता के तौर पर मैच टाले गये हैं।

## झूलन जैसी गेंदबाजी करना चाहती है निकोला

**गोल्ड कोस्ट (ईएमएस)।** ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर निकोला कैरी ने कहा है कि वह भारतीय महिला टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की तरह यॉर्कर गेंदबाजी करना चाहती है। कैरी ने कहा कि वह झूलन की गेंदबाज से काफी प्रभावित है। जिस प्रकार से वह डेथ ओवर में गेंदबाजी करती हैं उसी की तरह से मैं भी यॉर्कर करना चाहती हूं। निकोला के अनुसार यह भारतीय गेंदबाज लंबे समय से गेंदबाजी कर रही है इसके बाद भी वह बढ़ती उम्र के बाद भी प्रभावशाली बनी हुई है। उसी को देखते हुए मैंने भी यही लक्ष्य रखा है। अपने करियर के 15वें साल में खेल रही झूलन ने 11 महिला टेस्ट, 192 एकदिवसीय और 68 टी20 मैचों में अब तक 41, 240 और 56 विकेट लिए हैं। वहीं अब तक 20 एकदिवसीय और 18 टी20 खेलने वाली कैरी ने भारत के बल्लेबाजी क्रम को शानदार बताया है। इस युवा खिलाड़ी ने कहा कि भारतीय टीम की कप्तानमिताली राज सहित सभी बल्लेबाज अच्छे हैं। मिताली ने दो दशक के दौरान काफी रन बनाए हैं। इसी कारण हमारी टीम ने इस माह के अंत में शुरू हो रहे दिन-रात्रि टेस्ट को देखते हुए उनके बल्लेबाजों के अनुसार रणनीति बनायी है।

## टी20 विश्व कप में पांड्या का खेलना संदिग्ध, शार्दुल को मिल सकता है अवसर

**मुम्बई (ईएमएस) :** टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का टी20 विश्व कप क्रिकेट में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। टी20 विश्व अगले माह अक्टूबर में यूएई में होगा परहार्दिक अभी तक फिट नहीं हुए हैं, इसके अलावा उनकी फॉर्म भी ठीक नहीं है। हार्दिक एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं ऐसे में उनका नहीं खेलना टीम इंडिया के लिए एक बड़ा झटका होगा। यूएई में हो रहे इस दूसरे चरण में वह पहले दो मैच नहीं खेले। हार्दिक ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ हुए तीसरे मैच में खेला पर वह यहां भी गेंदबाजी नहीं की, इसके अलावा वह बल्लेबाजी में भी नाकाम रहे और केवल तीन रन ही बना पाये। हार्दिक सर्जरी के बाद से ही काफी कम गेंदबाजी कर पाते हैं। वह चोट से उबर गये हैं पर उन्हें अपनी फिटनेस को अभी साबित करना है। गेंद और बल्ले से मैच पलटने की क्षमताओं को देखते हुए ही उन्हें विश्व कप के लिए टीम में जगह मिली है। वहीं पांड्या अगर विश्व कप तक फिट नहीं होते तो इसका लाभ शार्दुल ठाकुर को मिल सकता है। इंग्लैंड दौरे में शार्दुल का फॉर्म शानदार है और वो टीम इंडिया के लिए एक बेहतरीन ऑलराउंडर बनकर उभरे हैं। इसके बाद भी शार्दुल को आईसीसी टी-20 विश्व कप 2021 की टीम में स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। हार्दिक के नहीं खेलने पर शार्दुल को अवसर मिलना तय है।

## टी20 विश्वकप में पारी शुरू कर सकते हैं विराट : सबा

**नयी दिल्ली (ईएमएस) :** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सबा करीम के अनुसार कप्तान विराट कोहली टी20 विश्व कप में पारी की शुरुआत कर सकते हैं। सबा ने कहा कि, उन्हें ऐसा इसलिए लगता है क्योंकि विराट पारी की शुरुआत करना पसंद करते हैं। पूर्व में वह इसमें सफल भी रहे हैं। वह आईपीएल 2021 में पारी की शुरूआत करते हुए अच्छी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्हें मालूम है कि कौन से शॉट कब खेलने हैं और कितना खतरा उठाना है। वो लीग में इसे अच्छे से लागू कर रहे हैं। आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में विराट की टीम आरसीबी ने अब तक 3 मैच खेले हैं और तीनों में ही उन्होंने पारी की शुरुआत करते हुए अर्धशतक लगाये हैं। जिससे उनका हौंसला बढ़ा है। आरसीबी ने भारत में खेले गये टूर्नामेंट के पहले हाफ में शानदार प्रदर्शन किया था पर यूएई में पहले दो मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा लेकिन मुंबई इंडियंस के खिलाफ उसे पिछले मैच में जीत मिली थी। इस मैच में विराट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंद में 3 छक्के और 3 चौके की मदद से 51 रन बनाए थे। इसी वजह से सबा को लगता है कि वो विश्व कप में सलामी बल्लेबाज की भूमिका बेहतर तरीके से निभा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब हर कोई बस यह देखने का इंतजार कर रहा होगा कि कोहली कब इन शुरुआतों को बड़े स्कोर में बदल पाते हैं। अगर आप एक सलामी बल्लेबाज हैं और आपकी स्ट्राइक रेट शुरुआत में अच्छी है, तो आपसे उम्मीद की जाती है कि आप आगे बढ़ें और उस शुरुआत को बड़े स्कोर में बदल दें।

### संजू सैमसन का शानदार अर्द्धशतक राजस्थान ने बनाये 164 रन

**दुबई (ईएमएस) :** आईपीएल 20 -20 क्रिकेट टूर्नामेंट के एक मैच में टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 164 रन बनाये। राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। एविन लुइस 6 रन बनाकर भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर अब्दुल समद द्वारा कैच कर लिए गये। इसके बाद संजू सैमसन और यशस्वी जयसवाल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी कर 9वें ओवर तक राजस्थान का स्कोर 67 रन पर पहुंचा दिया। यशस्वी जयसवाल को संदीप शर्मा ने बोल्ड कर दिया। जयसवाल ने 23 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की सहायता से 36 रन बनाए।

## अगले मैच में और बेहतर प्रदर्शन करना होगा : सैमसन

**अबुधाबी (ईएमएस) :** राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने आईपीएल के दूसरे चरण में सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों मिली हार के बाद कहा है कि हमारी टीम को आगे के मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। सैमसन ने 82 रन की पारी खेली जिससे उनकी टीम 165 रन बनाने में सफल रही, इसके बाद भी उसे हार का सामना करना पड़ा है। सैमसन ने कहा कि हम 10 से 20 रन और बनाते तो परिणाम कुछ और होता। सैमसन ने माना कि हैदराबाद के गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की थी। साथ ही कहा कि वह पावरप्ले के बाद स्कोर बढ़ाना चाहते थे पर लगातार विकेट गिरने से ऐसा हो नहीं पाया। सैमसन ने साथ ही कहा कि हम जोरदार वापसी के लिए एक अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे पर तब तब समय निकल गया था। हमें अगले मैच में अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों बेहतर करनी होगी।

> जोरदार वापसी के लिए एक अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे, लेकिन तब तक समय निकल गया

## विराट के बाद राहुल को बनायें आरसीबी का कप्तान : स्टेन

**दुबई (ईएमएस) :** दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि विराट कोहली के आरसीबी की कप्तानी छोड़ने के बाद युवा लोकेश राहुल को कप्तानी दी जानी चाहिये। इससे पहले विराट ने कहा था कि वह इस सत्र के बाद कप्तानी नहीं करेंगे तभी से कप्तान के लिए कई क्रिकेटरों ने अपनी राय दी है। इसी कड़ी में अब स्टेन का यह बयान आया है। स्टेन ने कहा कि अगले साल मेगा नीलामी में आरसीबी को अपने पुराने खिलाड़ी राहुल को वापस लाना चाहिए। राहुल अभी पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे हैं। स्टेन ने कहा कि अगर आरसीबी कप्तान के रूप में एक लंबे समय के दावेदार को देखने जा रही है तो उन्हें अपनी सीमाओं के भीतर देखना चाहिए। मेरी नजर में केवल राहुल है। मुझे बस इस बात का अहसास है कि वह अगले साल की नीलामी में बेंगलुरु लौटने वाले हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि एबी डिविलियर्स के साथ जाने का सही समय है। मुझे लगता है कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं पर बढ़ती उम्र के कारण वह अपने करियर के अंत में है। मुझे लगता है कि वह एक महान खिलाड़ी हैं पर अगर आरसीबी कप्तान के रूप में एक लंबे समय के दावेदार को देखने जा रहे हैं तो उन्हें राहुल पर ध्यान देना चाहिये।

फिनलैंड में महिलाओं के युगल बैडमिंटन मुकाबले में भाग लेती हुई चीन की ली विनमेयी व भारत की अश्विनी।

## एक झलक

### एशियाई बाजारों में मजबूत कारोबार

**मुंबई (ईएमएस) :** एशियाई बाजारों मजबूती के साथ कारोबार देखने को मिल रहा है। एसजीएक्स निफटी 47.00 अंक की बढ़त के साथ कारोबार रहा है। स्ट्रेट टाइम्स में 0.24 फीसदी की गिरावट दिखा रहा है। ताइवान में 0.80 फीसदी की गिरावट देखने को मिल रही है और यह 17,175.27 के स्तर पर नजर आ रहा है। वहीं संघाई कम्पो?जिट में 0.01 फीसदी की कमजोरी नजर आ रही है। कोस्पी में 0.94 फीसदी की गिरावट देखने को मिल रही है। हेंग सेंग में 1.17 फीसदी की मजबूती के साथ 24,491.49 के स्तर पर नजर आ रहा है। वहीं निक्कई में 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 30,139.65 के स्तर पर नजर आ रहा है।

### जगुआर लैंड रोवर इंडिया ने आई-पेस ब्लैक की बुकिंग शुरू की

**मुंबई (ईएमएस) :** जगुआर लैंड रोवर इंडिया ने कहा कि कंपनी ने देश में आई-पेस ब्लैक की बुकिंग शुरू कर दी है। कंपनी ने कहा कि आई-पेस इलेक्ट्रिक एसयूवी की अपील आई-पेस ब्लैक के निर्माण से और बढ़ गयी है, जो ब्लैक पैक और पैनोरमिक रूफ सहित अतिरिक्त सुविधाओं के साथ आती है। जेएलआर इंडिया के अधिकारी ने कहा, आई-पेस ब्लैक इस बहु-पुरस्कार विजेता बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन की अपील को बढ़ाती है, जिससे यह और भी खास एवं आकर्षक बन जाता है।? कंपनी ने इस साल मार्च में देश में आई-पेस पेश किया था।

### टाटा मोटर्स ने हैचबैक अल्ट्रोज की 1,00,000वीं इकाई पेश की

**मुंबई (ईएमएस) :** भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स ने पुणे में कंपनी के विनिर्माण संयंत्र से अपनी हैचबैक अल्ट्रोज की 1,00,000वीं इकाई पेश की। कंपनी ने नवंबर 2019 के अंत में अल्ट्रोज का उत्पादन शुरूकर जनवरी 2020 में इस बाजार में पेश किया था। टाटा मोटर्स ने कहा कि अल्फा (एजाइल लाइट फ्लेक्सिबल एडवांस्ड) आर्किटेक्चर पर निर्मित पहले वाहन मॉडल अल्ट्रोज ने चालू वित्त वर्ष में प्रीमियम हैचबैक श्रेणी में शीर्ष से दूसरा स्थान हासिल किया है। अल्ट्रोज ने 6,000 इकाइयों की औसत मासिक बिक्री के साथ 20 प्रतिशत से ज्यादा बाजार हिस्सेदारी हासिल की है। इसके अलावा, कार ने इस साल मार्च में अपनी अधिकतम 7,550 इकाइयों की बिक्री की।कंपनी के अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान 1,00,000वीं इकाई पेश करने के साथ एक अहम मुकाम हासिल किया है और अपने ग्राहकों एवं भागीदारों के निरंतर समर्थन और वफादारी के लिए उनके आभारी हैं।

### रुपये की कीमत में 21 पैसे की कमजोरी, प्रति डॉलर 74 रुपये से नीचे फिसला

**नयी दिल्ली (हि.स) :** भारतीय शेयर बाजार में जोरदार उतार-चढ़ाव और डॉलर की मांग में तेजी आने की वजह से मुद्रा बाजार में रुपया आज एक बार फिर गोता लगाकर प्रति डॉलर 74 रुपये के स्तर से नीचे चला गया। रुपये ने आज चार पैसे की मजबूती के साथ कारोबार की शुरूआत की थी लेकिन शाम को रुपया डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की कमजोरी के साथ 74.05 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इंटर बैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में रुपया 4 पैसे की मजबूती के साथ डॉलर की तुलना में 73.80 रुपये के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के तुरंत बाद मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग में हल्की तेजी आई, जिसके कारण रुपया फिसल कर 73.82 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। कुछ मिनट के कारोबार के बाद ही डॉलर की मांग में कमी आ गई, जिसके कारण रुपये की कीमत में एक बार फिर सुधार की स्थिति बनी और रुपया मजबूत होकर 73.75 के स्तर पर आ गया। घरेलू शेयर बाजार में शुरू हुए मुनाफावसूली की वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भी तेज बिकवाली की और अपना पैसा निकालने में जुट गए। इसके कारण मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग में अचानक तेजी आ गयी।

# फिनटेक कंपनियां डेटा प्राइवेसी से नहीं करें समझौता : निर्मला

- वित्तीय प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल में डेटा की निजता से समझौता नहीं : वित्त मंत्री
- डिजिटल माध्यम से भुगतान करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही

**नयी दिल्ली (हि.स) :** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि डिजिटल माध्यम से भुगतान करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सीतारमण ने कहा कि वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) का उपयोग करने में लोगों के डेटा को सुरक्षित रखने के लिए डेटा की निजता के साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए। फिनटेक उद्योग को संबोधित करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि आज डिजिटल तरीके से भुगतान करने वाले भारतीयों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में ग्राहकों के ब्योरे को सुरक्षित रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जनवरी-अगस्त, 2021 के दौरान मूल्य के हिसाब से डिजिटल लेन-देन 6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जबकि वर्ष 2020 में यह 4 लाख करोड़ रुपये और 2019 में 2 लाख करोड़ रुपये था।

वित्त मंत्री ने 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट-2021' को संबोधित करते हुए कहा कि डेटा की निजता ऐसी चीज है, जो बहुत महत्वपूर्ण है। इस मसले पर कई भिन्न विचार हो सकते हैं। लेकिन, निजता का सम्मान जरूरी है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत में फिनटेक की स्वीकार्यता की दर 87 फीसदी है, जबकि इसका वैश्विक औसत 64 फीसदी है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि भारत डिजिटल गतिविधियों, डिजिटल भुगतान के लिए प्रमुख गंतव्य है।' सीतारमण ने कहा कि भारत वित्तीय समावेशन के मामले में एसजीडी लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में अग्रसर है। साथ ही डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर से देश में वित्तीय समावेशन और वित्तीय सेवाओं को बढ़ाने में मदद मिली है। कार्यक्रम के दौरान 'जिम्मेदार डिजिटल भुगतान के लिए संयुक्त राष्ट्र सिद्धान्तों' पर आधारित एक रिपोर्ट भी जारी की गई। रिपोर्ट में सरकार, प्रयोगकर्ताओं, उद्योग और कंपनियों को निर्देशित करने वाले सिद्धान्तों के बारे में बताया गया है।

इस रिपोर्ट में वित्तीय प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भागीदारी पर भी जोर दिया गया है।

## शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

**मुम्बई (ईएमएस) :** मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन आईटी शेयरों के नीचे आने और दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार में यह गिरावट आई है। सुबह बाजार लाभ के साथ ही हरे निशान पर खुला पर बाद में गिरावट के बाद वह लाल निशान पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 410.28 अंकों की गिरावट के साथ ही 59667.60 अंकों पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 106.50 अंकों की गिरावट के साथ ही 17,748.60 पर थमा। जानकारों के अनुसार मुनाफावसूली हावी होने से बाजार में यह गिरावट आई है। कारोबार के दौरान छोटे और मध्यम दर्जे के शेयरों में भी दबाव आया। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.71 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.62 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

आईटी शेयरों ने इस साल करीब 82 फीसदी का रिटर्न दिया है। ऐसे में इस क्षेत्र में प्रॉफिट बुकिंग देखी जा रही है। इसके अलावा निवेशक चीनी रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड से जुड़े घटनाक्रम पर भी निवेशक बारीकी से नजर रखे हुए हैं। निवेशकों को आशंका है कि चीन में एनर्जी संकट से उसकी ग्रोथ प्रभावित हो सकती है, जिसका असर दुनिया भर के शेयर बाजारों पर पड़ सकता है। वहीं शेयर बाजार के कुछ जानकार भारतीय शेयर बाजार में गिरावट को अच्छे संकेत के तौर पर भी देख रहे हैं। उनका मानना है कि त्योहारी सीजन शुरू होने वाले है। ऐसे में मार्केट में तेजी आएगी।

## अमेजन ने भारत में अपनी वैश्विक कंप्यूटर साइंस शिक्षण पहल - अमेजन फ्यूचर इंजीनियर लॉन्च की

**रांची :** अमेजन ने मंगलवार को भारत में अपने वैश्विक कंप्यूटर साइंस (सीएस) शिक्षा पाठ्यक्रम अमेजन फ्यूचर इंजीनियर को लॉन्च करने की घोषणा की। इस पाठ्यक्रम से अल्प प्रतिनिधित्व और अल्प सुविधा प्राप्त समुदायों के स्टूडेंट्स के लिए गुणवत्तापूर्ण सीएस शिक्षा तथा कॅरियर के अवसर मिलेंगे। शुरूआत के पहले वर्ष में अमेजन का लक्ष्य भारत में सात राज्यों में सरकारी और सहायता प्राप्त 900 स्कूलों के 1 लाख से अधिक स्टूडेंट्स को सीएस शिक्षण के अवसर मुहैया करना है। हालांकि, भारत में सालाना 10 लाख स्टूडेंट्स सीएस इंजीनियरिंग कोर्सेज में नामांकन कराते हैं लेकिन अल्प सुविधाप्राप्त और अल्प प्रतिधिनित्व प्राप्त समुदायों के स्टूडेंट्स की भागीदारी काफी कम रहती है। इसके पीछे अनेक कारण हैं जिनमें सीएस से सम्बंधित आजीविका के अवसर का कम अनुभव, अपने समुदाय में प्रेरक रोले मॉडल की कमी, और रुचिकर पाठ्यक्रम फॉर्मेट्स की सुलभता में भाषा की दीवार सम्मिलित हैं। इसके अलावा, भारत में कंप्यूटर की उपलब्धता की तुलना में स्मार्टफोन की पैठ काफी ज्यादा है, अधिकाँश आकर्षक सीएस मॉड्युल्स और ऑनलाइन सामग्री मोबाइल-फ्रेंडली नहीं है, बल्कि माध्यम के रूप में कंप्यूटर पर आश्रित हैं. यह स्थिति स्टूडेंट्स के लिए एक अलग बाधा है. अमेजन फ्यूचर इंजीनियर एक व्यापक चाइल्?डहुड-टु-कॅरियर सामुदायिक प्रोग्राम है. इसका लक्ष्य स्टूडेंट्स को व्यक्तिगत, ऑनलाइन और मिश्रित शिक्षण प्रारूपों के माध्यम से शुरूआत ही से सीएस शिक्षा का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर इस अंतर को कम करना है।

## गोल्डमैन सैक्स ने बिजली किल्लत व उत्पादन में कटौती पर चीन की विकास दर का घटाया अनुमान

**नयी दिल्ली (हि.स) :** दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन में बिजली की किल्लत और उत्पादन में गिरावट का असर वहां के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर को प्रभावित कर सकता है। प्रतिभूति तथा निवेश प्रबंधन से जुड़ी वैश्विक कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने मंगलवार को चीन की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को कम कर दिया है।

गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि इस साल 2021 में चीन की अर्थव्यवस्था 7.8 फीसदी की दर से बढ़ सकती है जबकि इसके पहले 8.2 फीसदी ग्रोथ का अनुमान जताया था। जीडीपी ग्रोथ के अनुमान में ये कटौती बिजली की किल्लत और उत्पादन में तेज गिरावट के चलते किया गया है। गोल्डमैन सैक्स के अनुसार चीन की करीब 44 फीसदी औद्योगिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं, जिसकी वजह से तीसरी तिमाही में सालाना जीडीपी ग्रोथ में एक फीसदी की गिरावट आ सकती है। वैश्विक फर्म ने कहा कि इसके बाद की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में जीडीपी ग्रोथ में 2 फीसदी की गिरावट आ सकती है। गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट के मुताबिक चौथी तिमाही अक्टूबर-दिसंबर 2021 में भी अनिश्चितता बनी रह सकती है। वैश्विक फर्म का मानना है कि नकदी संकट, पर्यावरण से जुड़ी चिंता को लेकर चीन की अर्थव्यवस्था पर रिस्क बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि चीन बिजली की कमी से जूझता रहा है। हालात ये हैं कि सरकार ने चीन में कुछ प्रांतों में स्थित तमाम कंपनियों को कहा है कि वह अपने उत्पादन कम करें, ताकि बिजली कम खर्च हो। इससे चीन की कंपनियों पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ऐपल और टेस्ला जैसी दिग्गज कंपनियों का कारोबार प्रभावित हुआ है। इन कंपनियों के कुछ आपूर्तिकताओं को बिजली की कमी के चलते अपने कुछ प्लांट पर काम रोकना पड़ा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक करीब 15 चीनी कंपनियों ने कहा कि बिजली कटौती की वजह से उनके प्रोडक्शन पर असर पड़ा है, जबकि 30 से भी ज्यादा ताइवान की कंपनियों ने पावर कट की वजह से काम बंद कर दिया है।

## 03 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा कच्चा तेल, भारत में बढ़ सकती है परेशानी

**नयी दिल्ली (हि.स) :** अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) कीमत की कीमत में लगातार हो रही बढ़ोतरी से भारत जैसे कच्चे तेल के आयात पर निर्भर करने वाले देशों की परेशानी बढ़ती जा रही है। क्रूड ऑयल की कीमत फिलहाल अक्टूबर 2018 के बाद के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गई है। इसके कारण भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत पर भी असर पड़ने लगा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले कारोबारी सत्र के दौरान ब्रेंट क्रूड की कीमत तगड़ी छलांग लगाते हुए 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के काफी करीब पहुंच गई। इस कारोबारी सत्र में ब्रेंट क्रूड ने 1.015 डॉलर की तेजी के साथ 79.24 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। दिन भर के कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड की कीमत 79.62 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक भी गई लेकिन अंत में 79.53 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर ब्रेंट क्रूड ने कारोबार का अंत किया। इस तरह ब्रेंट क्रूड की कीमत में एक झटके में 1.305 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी हो गई। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड (डब्ल्यूटीआई क्रूड) की कीमत भी 1.49 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 75.43 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गई। डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत का ये स्तर 17 अक्टूबर, 2018 के बाद का सर्वोच्च स्तर है।

जानकारों के मुताबिक मेक्सिको की खाड़ी में अगस्त के महीने में हुए हादसे और चक्रवाती तूफान इडा की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की पर्याप्त मात्रा अभी भी सुचारू रूप से नहीं पहुंच पा रही है। दूसरी ओर कोरोना संक्रमण पर काफी हद तक काबू पा लेने के बाद से अमेरिका में आर्थिक और कारोबारी गतिविधियां पूरी रफ्तार से शुरू हो गई हैं। इसकी वजह से अमेरिका के कच्चे तेल का भंडार 3 साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। ऐसी स्थिति में अपने कच्चे तेल भंडार को दोबारा पूरा करने के लिए अमेरिका कच्चे तेल के वायदा सौदों के साथ ही आक्रामक तरीके से हाजिर सौदे (स्पॉट परचेजिंग) भी कर रहा है। अमेरिका की ओर से जोरदार खरीदारी करने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की मांग में काफी तेजी आ गई है। इसकी वजह से कच्चा तेल लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर जल्दी ही मेक्सिको की खाड़ी से होने वाले कच्चे तेल के उत्पादन में सुधार नहीं हुआ तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की किल्लत और भी बढ़ सकती है। ऐसे में आने वाले दिनों में क्रूड ऑयल की कीमत प्रति बैरल 90 डॉलर तक भी पहुंच सकती है।

उल्लेखनीय है कि भारत पेट्रोलियम उत्पादों की अपनी अस्सी फीसदी से अधिक जरूरत के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर करता है। ऐसी स्थिति में अगर कच्चे तेल की कीमत में तेजी आती है, तो भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को भी पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत में बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। कच्चे तेल की कीमत में हो रही इस तेजी के कारण भारत में सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को भी पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत में बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

## एलआईसी पॉलिसीहोल्डर्स को तेजी से मिलेंगे दस्तावेज

**नयी दिल्ली (ईएमएस) :** देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंश कार्पोरशन यानि एलआईसी के अपने पॉलिसीहोल्डर्स के लिए अच्छी पहल की है। अब उन्हें अपनी पॉलिसी से जुड़े दस्तावेज (डॉक्यूमेंट्स) तेजी से मिल पाएंगे। एलआईसी ने प्रिंट टु पोस्ट सर्विस के लिए इंडिया पोस्ट के साथ हाथ मिलाया है। इसके तहत एलआईसी के लिए सारी प्री-मेलिंग एक्टिविटीज के लिए पोस्टल डिपार्टमेंट की फैसिलटी का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें कस्टमर के लिए प्रिंटिंग से लेकर लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के तहत जारी पॉलिसी बुकलेट का डिस्पैच तक शामिल है। इस सर्विस को सबसे पहले तेलंगाना सर्कल में लागू किया जाएगा। एलआईसी के चेयरमैन एमआर कुमार ने कहा कि कॉरपोरेशन के कंप्लीट डिजिटाइजेशन में प्रिंट टु पोस्ट की व्यवस्था मिसिंग थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस वेंचर को पूरे देश में लागू किया जाएगा। एलआईसी के एमडी मुकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि इससे कस्टमर के पास पॉलिसी दस्तावेज तेजी से पहुंच पाएंगे।

इस बीच कंपनी आईपीओ से पहले चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) नियुक्त करना चाहती है। एलआईसी का आईपीओ इसी वित्त वर्ष के अंत में आने की उम्मीद है।

## पेज एक के शेष

### कोरोना की चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार की पूरी तैयारीः मुख्यमंत्री

हमसभी लोग वैक्सीन लगाकर कोविड-19 से सुरक्षा तो पाएंगे ही साथ-साथ स्वयं की समझदारी और विवेक का उपयोग करके भी संक्रमण से बचा जा सकता है। हम हर हाल में अपने समझदारी का उपयोग करें और खुद के साथ-साथ अपने परिवार को भी इस संक्रमण से बचाएं।मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों से की अपील, खतरा टला नही अभी संक्रमण को हल्के में न लें मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों से अपील किया कि कोविड-19 संक्रमण से बचने के लिए जरूरी सुरक्षा अवश्य बरतें। संक्रमण का खतरा अभी टला नहीं है। संक्रमण को हल्के में लेने की भूल न करें। अतएव आवश्यक है कि सरकार के दिशा-निदेर्शों का पालन हर हाल में किया जाए। फेस मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग, हाथो को सैनिटाइज करना इत्यादि जरूरी बचाव के उपाय को अपनी दिनचर्या में अवश्य शामिल करें। इस अवसर पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, अपर मुख्य सचिव-सह-स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अरुण कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद, मुख्यमंत्री के वरीय आप्त सचिव सुनील श्रीवास्तव, के राज्य कार्यक्रम प्रबंधक अभय कुमार भगत, राष्ट्रीय सलाहकार श्री सी.के.भगत सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

### 224 करोड़ में बनेगा कांटाटोली ओवरब्रिज

→ खूंटी के कर्रा में 2.34 एकड़ भूमि पर जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना की जाएगी। इसके लिए नवोदय विद्यालय समिति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के साथ निशुल्क पूरक भू-हस्तांतरण की स्वीकृति दी गई।

→ वर्ल्ड एक्सपो 2021 दुबई में राज्य की भागीदारी 30 सितंबर से 6 अक्टूबर 2021 को करने के लिए ए& को इवेंट पार्टनर मनोनीत किया गया।

### पुलिस-नक्सली मुठभेड़, सहायक कमांडेंट शहीद, एक नक्सली भी ढेर

सूचना मिलने पर संतोष कुमार मिश्रा अतिरिक्त पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और घायल कुमार को लेकर राजहार स्थित हेलीपैड स्थल पहुंचे। लातेहार एसपी अंजनी अंजन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जेजेएमपीएवं झारखंड जगुआर के बीच हुई मुठभेड़ में जगुआर की सहायक कमाडेंट राजेश कुमार घायल हो गये हैं। उन्हें हेलीकाप्टर से रांची भेजा गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस ने भारी मात्रा में नक्सलियों का हथियार बरामद किया है। उन्होंने कहा कि इस मुठभेड़ में एक उग्रवादी भी मारा गया है।

### आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस काः उपराष्ट्रपति नायडू

उन्हें उद्घाटन करने पर खुशी हैः उपराष्ट्रपति ने कहा देश की प्रतिष्ठित आआईटी जोधपुर को देखने और यहां देश के 6 शहरों में से एक साइंस और टेक्नॉलोजी क्लस्टर का उद्घाटन करने की खुशी है। इसके अलावा उन्होंने 100 करोड़ की लागत से बनने वाली सेंसर लैब का भी शिलान्यास किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मिनिस्टर बी.डी. कल्ला, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, आईआईटी के निदेशक शांतनु चौधरी, एम्स के निदेशक डॉ. संजीव मिश्रा सहित अन्य मौजूद थे। इस कार्यक्रम के बाद उपरार्ष्ट्रपति ने राज्यपाल की पुस्तक संविधान संस्कृति और राष्ट्र का लोकार्पण सर्किट हाउस में किया। राज्यपाल ने बताया खास पावणाः इस अवसर पर राज्यपाल कालराज मिश्र ने उनका स्वागत किया। स्वागत संबोधन में राज्यपाल ने उपरार्ष्ट्रपति को खास पावणा कहा। उन्होंने कहा कि राजस्थान पधारों म्हारे देश की संस्कृति वाला अनुठा प्रदेश है, मेहमान को हमारे यहां पावणा कहा जाता है। उपरार्ष्ट्रपति हमारे खास पावणा है। पलक पावड़े बिछा कर हम उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे आप राजस्थान आए हमारा सौभाग्य है। छह शहरों में क्लस्टर, होगा आमजन की समस्याओं का निवारणः शहर के सतत विकास और शैक्षणिक व वैज्ञानिक संस्थानों के ज्ञान अनुसंधान से आम जनता की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन क्लस्टर स्थापित किया गया है। इसका प्रमुख उद्देश्य नेशनल व ग्लोबल कम्पीटीटिवनेस, रीजनल सोल्यूशन प्रोवाइड करना और इको सिस्टम को शेयर करना है। देश भर में 6 शहरों में यह कलस्टर स्थापित किया गया है। जोधपुर में प्रदेश का एक मात्र कलस्टर है और इसकी नोडल एजेंसी आइआइटी जोधपुर को बनाया गया है। कई समस्याओं को रोकने के लिए समाधानः इस क्लस्टर से शहर में ट्रेफिक, प्रदूषण, पानी, बिजली सडक, टेलिकॉम सहित कई समस्याओं का समाधान किया जाएगा। क्लस्टर के मुख्य एडवाइजरी कमेटी के अध्यक्ष इसरो के पूर्व उप निदेशक प्रो ओपीएन कल्ला है। इस कलस्टर में फिलहाल चार प्रोजेक्ट शुरू हो चुके है इसनमें एम्स की सहायता से मेडटैक में मेडिकल व टेक्नोलॉजी में पाठ्यक्रम शुरू करने के साथ रिसर्च किया जा रहा है।

### जयशंकर ने की मैक्सिको के राष्ट्रपति से मुलाकात

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने मैक्सिकन समकक्ष मासेलो एबरार्ड से आपसी सहयोग से जुड़े मुद्दों पर व्यापक विचार-विमर्श किया। व्यापार, निवेश और अंतरिक्ष से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग के साथ उन्होंने इस बात पर बल दिया कि दोनों देशों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अधिक तालमेल बनाते हुए सहयोग करना चाहिए। जयशंकर वर्तमान में मैक्सिको की पहले तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। जयशंकर ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मैक्सिको के विदेश मंत्री के साथ एक व्यापक विचार-विमर्श हुआ। राजनीतिक सहयोग, व्यापार और निवेश, अंतरिक्ष और वैज्ञानिक क्षमता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, शासन की चुनौतियों और वैश्विक आख्यानों पर साझा दृष्टिकोण और कांसुलर मुद्दों की समीक्षा की गई।

### भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को मंजूरी मिलने में होगी देरी

इससे पहले एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ प्रवीण भारती पवार ने कहा कि अनुमोदन के लिए दस्तावेज जमा करने की प्रक्रिया जारी है। डब्ल्यूएचओ की ओर से जल्द ही अनुमति मिलने की उम्मीद है। वहीं, नीति आयोग (स्वास्थ्य) के सदस्य डॉ वीके पॉल ने भी संकेत दिया था कि सितंबर के आखिरी सप्ताह में वैक्सीन को डब्ल्यूएचओ की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। भारत बायोटेक के अनुसार तीसरे चरण के ट्रायल में कोवैक्सीन 77.8 प्रतिशत इफेक्टिव पाई गई है। कंपनी ने कहा है कि टीके से जुड़े सभी डेटा को डब्ल्यूएचओ के दिए गए हैं, वहीं, संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी के सभी सवालों का जवाब भी भारत बायोटेक ने दे दिया है।

### छत्तीसगढ़ में अब तक 1.86 करोड़ से अधिक टीके लगाए गए

वहीं दो लाख 60 हजार 391 स्वास्थ्य कर्मियों, दो लाख 50 हजार 483 फ्रंटलाइन वर्कर्स, 45 वर्ष से अधिक के 28 लाख 32 हजार 922 तथा 18 से 44 आयु वर्ग के 17 लाख 74 हजार 349 लोगों को दोनों टीके लगाए जा चुके हैं।

### कांग्रेस में शामिल हुए कन्हैया और जिग्नेश

हालांकि, इसमें चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर का भी अहम रोल मनामा जा रहा है। दरअसल पीके की गाइडलाइन के तहत राहुल गांधी युवा नेताओं की नई टीम बना रहे हैं। उनमें कन्हैया की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। माना जा रहा है कि कांग्रेस कन्हैया कुमार का यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में कई स्तरों पर उपयोग करना चाहती है। 2019 में कन्हैया ने लड़ा लोकसभा चुनाव, जिग्नेश अभी गुजरात में विधायकमूल रूप से बिहार से ताल्लुक रखने वाले कन्हैया जेएनयू में कथित तौर पर देशविरोधी नारेबाजी के मामले में गिरफ्तारी के बाद सुर्खियों में आए थे। वह पिछले लोकसभा चुनाव में बिहार की बेगूसराय लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के खिलाफ भाकपा के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़े थे, हालांकि वह हार गए थे। दूसरी तरफ, दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले जिग्नेश गुजरात के वडगाम विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक हैं।

### लद्दाख में तनाव के बीच चीन की भारत में घुसपैठ

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ताजा निगरानी और खुफिया रिपोर्ट्स बताती हैं कि पीएलए ने अपने सैनिकों के लिए कंटेनर आधारित नई मॉड्यूलर सुविधाएं तैयार की हैं. रिपोर्ट के अनुसार, ये निर्माण पूर्वी लद्दाख के सामने वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास कम से कम 8 ठिकानों पर किए गए हैं. पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के 50-50 हजार सैनिक तैनात हैं. इसके अलावा सीमा पर होवित्जर्स तोप और मिसाइल भी मौजूद हैं. असहज शांति के बीच दोनों सेनाएं नियमित रूप से मुश्किल हालात और ऑक्सीजन की परेशानी के चलते ऊंचे इलाकों में सैनिकों को बदल रही है. इसके अलावा दूसरी सेना पर ड्रोन और लड़ाकू विमानों के जरिए नजर रखी जा रही है.

### जलवायु परिवर्तन का मुकाबला अनुसंधान और उपकरण सेः प्रधानमंत्री मोदी

मोदी ने राज्यों से कहा कि वह भारतीय बाजरा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ले जाने के लिए टास्क फोर्स गठित करें। उन्होंने कहा कि आजादी के इस अमृत काल में आधुनिक कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी को हर गांव तक ले जाने की जरूरत है। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि मिडिल स्कूल स्तर तक कृषि से जुड़ी रिसर्च और टेक्नोलॉजी स्कूल पाठ्यक्रम का हिस्सा बने इसके लिए प्रयास होने चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 6-7 सालों में कृषि से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा, विशेष रूप से बदलते हुए मौसम में, नई परिस्थितियों के अनुकूल, अधिक पोषण युक्त बीजों पर हमारा फोकस बहुत अधिक है। प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी के बीच पिछले साल विभिन्न राज्यों में बड़े पैमाने पर हुए टिड्डियों के हमले को याद किया। उन्होंने कहा कि भारत ने इस हमले से निपटने के लिए काफी प्रयास किए और किसानों को बहुत अधिक नुकसान होने से बचाया। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि जब भी किसानों और कृषि को सुरक्षा कवच मिलता है तो उनका विकास तेजी से होता है। उन्होंने बताया कि भूमि की सुरक्षा के लिए 11 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने सरकार की किसान हितैषी पहलों को गिनाते हुए कहा कि किसानों को पानी की सुरक्षा प्रदान करने के लिए लगभग 100 लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा करने का अभियान चलाया गया। किसानों को फसलों को बीमारियों से बचाने और अधिक उपज के लिए नई किस्मों के बीज उपलब्ध कराए गए।उन्होंने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने के साथ-साथ खरीद प्रक्रिया में भी सुधार किया गया ताकि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। रबी सीजन में 430 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीद की गई है और किसानों को 85 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। महामारी के दौरान गेहूं खरीद केंद्रों को तीन गुना से अधिक बढ़ाया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों को तकनीक से जोड़कर हमने उनके लिए बैंकों से मदद लेना आसान बना दिया है। आज किसानों को मौसम की जानकारी बेहतर तरीके से मिल रही है। हाल ही में 2 करोड़ से अधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड दिए गए हैं।

## एक झलक

### हाईकोर्ट का आदेशः संविदा पर कार्यरत महिला पर्यवेक्षक होंगी नियमित

**रांची।** संविदा पर कार्यरत महिला पर्यवेक्षक अब स्थायी होंगी. मंगलवार को झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस डॉ एसन पाठक की खंडपीठ ने राज्य के महिला बाल विकास सचिव को आदेश दिया कि वादी उमा देवी बनाम कर्नाटक सरकार केस से आच्छादित हैं. साथ ही अदालत ने सचिव को 10 सप्ताह में एक आदेश पारित कर वादी को स्थायी करने का आदेश दिया। बता दें कि देवघर जिले की रहने वाली प्रार्थी प्रियंका कुमारी ने न्यायालय में रिट याचिका दायर की थी. दायर याचिका में अदालत से गुहार लगाई थी कि उन्हें स्थायी किया जाय. प्रार्थी के अधिवक्ता राधा कृष्ण गुप्ता और पिंकी साव ने अदालत में उनका पक्ष रखा. अधिवक्ता राधा कृष्ण गुप्ता ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के एक आदेश में राज्य के सभी संविदा कर्मियों को स्थायी करने का आदेश दिया गया था। लेकिन झारखंड के कुछ जिलों में महिला पर्यवेक्षिका संविदा पर कार्यरत हैं. झारखंड हाईकोर्ट के फैसले से वर्षों से संविदा के आधार पर कार्यरत महिला पर्यवेक्षकों को बड़ी राहत मिली है।

### क्रिश्चियन लड़की से छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज

**महुआडाड।** महुआडाड के नेतरहाट थाना क्षेत्र के गढ़बुढ़नी निवासी अनिल कुजूर की बेटी अनुजा कुजूर जो क्रिश्चियन लड़की है। उसने थाने में आवेदन देकर महुआडाड निवासी सैफ अली नामक लड़के पर 10 अक्टूबर शुक्रवार की रात को गढ़बुढ़नी गांव आकर छेड़छाड़ करने का प्रयास किया था. वही ग्रामीणों द्वारा लड़के को पकड़ कर पुछे जाने उसने बताया कि अनुजा कुजूर उसको बुलाई थी, तब मिलने आया था. दो बार इससे पहले भी लड़की के ही बुलाने पर मै गांव उससे मिलने आया था। अवेदन में कहा गया है, कि उपस्थित गांव के ग्रामीणों को जाति सूचक गाली देने के बाद लड़का गांव से भाग गया। जबकी इस मामले से जुड़ा एक विडियो वायरल है.जिसमे साफ देखा और सुना जा सकता है, कि सैफ अली नामक लड़के को गांव के कुछ लोग पकड़कर भीड़ की शक्ल मे उसे मोब लिंचिंग करने के फिराक मे थे। उपस्थित लोगों से छोड़ने का गुहार लगा रहा था। विडियो मे उस लड़के को बूरी तरह मारा पीटा जा रहा है.वही लड़का वीडियो में यह भी कहते हैं सुना जा रहा है कि लड़की पर बुलाने पर ही वह उससे मिलने आता था। वही अब इस संबंध में लड़की कहती है, कि सैफ अली द्वारा प्रेम जाल में फंसा कर योन शोषण करना चाह रहा था. इस संबंध में डीएसपी राजेश कुजूर ने बताया कि लड़की द्वारा ममाला दर्ज कराई गई है, इसकी जांच कर उचित कार्रवाई किया जाएगा।

### सबकी योजना सबकी विकास योजना के तहत दिया गया प्रशिक्षण

**महुआडांड़।** महुआडांड़ प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी अमरेन डांग की अध्यक्षता में मंगलवार को सबकी योजना सबकी विकास कार्यक्रम के तहत सभी को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान 2022-23 की योजना का चयन हेतु 2 अक्टूबर से लेकर 31 अक्टूबर तक का समय दे दिया गया है।दिए गए समय के अनुसार महुआडांड़ प्रखंड के सभी ग्रामों में ग्रामसभा कर विकास योजनाओं का चयन करने का निर्देश दिया गया। जिसमें मनरेगा 15वें वित्त समेत अन्य विकास योजनाओं का चयन करना शामिल है है। इस कार्यक्रम को लेकर सभी पंचायत के मुखिया पंचायत सेवक रोजगार सेवक जेएसएलपीएस के महिला समूह को सबकी योजना सबकी विकास योजना को लेकर विस्तृत रूप से जानकारी भी दी गई। मौके पर मनरेगा प्रभारी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी राजेश प्रसाद एसबीएम गंगा प्रसाद 15वें वित्त ब्लॉक कोऑर्डिनेटर मनोरमा एक का जेएसएलपीएस बीपीएम तेजू सिंह सभी पंचायत के पंचायत सेवक मुखिया रोजगार सेवक जेएसएलपीएस के भीआरपी महिला समूह मेठ आदि शामिल थे।

# गीत एवं नाटक विभाग का रंगारंग प्रोग्राम तीसरे दिन भी मांडर प्रखंड में जारी

**पंच संवाददाता**

**रांची।** सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के लोक संपर्क ब्यूरो के रांची, प्रादेशिक कार्यालय के अंतर्गत गीता एवं नाटक विभाग के पंजीकृत महात्मा गांधी दल द्वारा रांची जिले के मांडर प्रखंड के महुवाजाड़ी गांव में महात्मा गाँधी दल के दल सचिव फूलमनी कुजूर और दल के कलाकारों के द्वारा कोविड 19 टीकाकरण, अमृत महोत्सव एवं पोषण माह पर गीत संगीत नुकड़-नाटक मिश्रित कार्यक्रम किया गया।

कार्यक्रम में गांव की मुखिया सुश्री ज्योति केरकेटा, आंगनबाड़ी सेविका सुश्री प्रभा तिग्गा एवं सहिया मंजू किस्पोट्टा भी उपस्थित रहीं।

मांडर विधानसभा के माननीय विधायक बंधु तिर्की के प्रतिनिधि छोटन उरांव भी कार्यक्रम में शामिल रहे।

गीत एवं नाटक विभाग के कलाकारों ने कार्यक्रम के दौरान गीत , नाटक और नृत्य के माध्यम से ग्रामीण वासियों को अच्छा पोषण ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान अन्य लोगों के अलावा आम ग्रामीण , गांव और पंचायत के जनप्रतिनिधि , प्रबुद्ध ग्रामीन तथा महिलाएं और बच्चे भारी संख्या में उपस्थित रहे।

# वुडनस्ट्रीट ने रांची में अपने पहले स्टोर का उद्घाटन किया

**पंच संवाददाता**

**रांची।** टियर दू-टियर थ्री शहरों में एक्सपेंशन ड्राइव को जारी रखते हुए, और अपने पार्टनर-टू-विन फ्रैंचाइजी मॉडल के तहत, वुडनस्ट्रीट ने हाल ही में रांची में अपने पहले स्टोर का उद्घाटन किया। लखनऊ और चंडीगढ़ में सफलतापूर्वक दो एक्सक्लूसिव स्टोर लॉन्च करने के बाद, पिछले महीने में यह उनका तीसरा स्टोर है। 1 करोड़ के निवेश के साथ तैयार हुआ यह स्टोर स्थानीय ग्राहकों के साथ-साथ आस-पास के शहरों के लिए प्रीमियम फि निश फर्नीचर की एक मॉडर्न श्रेणी की पेशकश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अगरतला और कोलकाता के आस-पास के शहरों में 3 स्टोर काफी अच्छी तरह से चल रहे हैं, वुडनस्ट्रीट का रांची स्टोर भी पूर्वी भारत में अपने नेटवर्क को मजबूत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। देश भर के 20+ शहरों को कवर करते हुए, ब्रांड की ऑफलाइन उपस्थिति तेजी से बड़ रही है। रांची के कस्टमर्स हमेशा अच्छी क्वालिटी वाले प्रोडक्ट्स की डिमांड करते है। झरने के शहर के केंद्र में अपने नए स्टोर के साथ, वुडनस्ट्रीट अच्छे रिस्पांस की उम्मीद करता है। रांची के लोगों ने वुडनस्ट्रीट के ऑनलाइन प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में बहुत रुचि दिखाई है, और अब शहर के लोग शोरूम में आ कर फर्नीचर को एक्सपीरियंस कर के खरीदने का फैसला ले सकेंगे। कंपनी ने कुमार मार्किट में 4000 वर्ग फुट में फैले टेक-इनेबल्ड, एक्सपीरियंस स्टोर का स्टोर खोल रही है, जो ग्राहकों को सभी प्रकार के सॉलिड वुड फर्नीचर और डेकॉर के प्रोडक्ट्स एक ही छत के नीचे प्रदान करने में सक्षम रहेगी। रांची में नए स्टोर खोलने पर, वुडनस्ट्रीट के सीईओ लोकेंद्र सिंह राणावत ने कहा, रांची हमेशा एक्सपेंशन के लिए हमारे रडार पर रहा है।

शहर विकसित हो रहा है, और यहां के फर्नीचर और क्राफ्ट बाजार में काफी संभावनाएं हैं।

# अंचल कार्यालय में किया गया जनता दरबार का आयोजन

**पंच संवाददाता**

**लातेहार।** लातेहार उपायुक्त अबु इमरान के निर्देश पर मंगलवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में बीडीओ अमरेन डांग के द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रखंड के विभिन्न ग्रामों से आए जनता के समस्याओं से अवगत हुए। जिसके उपरांत संबंधित कर्मियों का आवश्यक कार्य हेतु निर्देशित किया। जिसे लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी अमरेन डांग ने बताया कि जनता दरबार के लिए उपायुक्त से निर्देश प्राप्त है। इसे लेकर जनता दरबार का आयोजन किया गया है। जिसमें वैसे लाभुक आमंत्रित हैं जिन्हें पेंशन, राशन जमीन से संबंधित समेत जिस प्रकार का भी मामला हो और उसे दिक्कत हो रही हो वे सभी यहां पर आकर अपना आवेदन दे सकते हैं। अगर त्वरित कार्रवाई के लायक होगा तो त्वरित कार्रवाई की जाएगी और जो अन्य मामले होंगे उससे भी जल्द से जल्द निष्पादन किया जाएगा। वहीं इस मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्त भी जनता दरबार से जुड़ें एवं प्रखंड के आम जनता की कई मामलो पर यथाशीघ्र कार्रवाई का निर्देश दिया।

### ब्रजपात से लोबीन भोगता की मौत

**अनगड़ा।** बेती चाउर बेडा ग्राम निवासी लोबीन भोगता 50 वर्ष का ब्रजपात से मौत हो गई ।सोमवार को जंगल तरफ मवेशी चराने गया था शाम के समय अचानक तेज वारिस होने के कारण वारिस से बचने के लिए पेड़ के नीचे रूका। इसी समय वज्रपात होने से उसकी मौत हो गई ।मंगलवार की सुबह नौ बजे एक आम पेड़ के नीचे उसकी शव मिली। जानकारी मिलते ही भाजपा रांची जिला पूर्व ग्रामीण अध्यक्ष जैलेंद्र कुमार,ग्राम प्रधान उमेश बड़ाईक,सत्य देव मुंडा बीसा पंचायत मुखिया सहित अन्य लोग पहुंच कर अनगड़ा थाना व अंचलाधिकारी अनगड़ा को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा गया। उसके बाद मृतक के परिजनों को अंचलाधिकारी से मुआवजे की मांग की गई।

## 2022-23 हेतु ग्रामवार श्रम बजट एवं प्राथमिकता के आधार पर योजनाएं पारित करने को लेकर हो रहा है ग्राम सभा का आयोजन

**महुआडांड।** मनरेगा कानून 2005 की धारा 16 ( 1 ) स्पष्ट कहता है ग्राम पंचायत ग्राम सभा और वार्ड सभाओ की सिफारिशो के अनुसार किसी स्कीम के अधीन ग्राम पंचायत क्षेत्र मे कार्यान्वयन के लिए ली जाने वाली परियोजा की पहचान और ऐसे कार्य के निष्पादन और पर्यवेक्षण के लिए उतरदायी होगी. इसकी विस्तृत मार्गदशिका के चौथे संस्करण 6 वे अध्याय मे दिया गया है. ठीक यही अधिकार ग्राम सभाओ को झारखंड पंचायत राज कानून के धारा 10 मे भी ग्राम सभाओ को गांव के आर्थिक विकास के लिए योजनाओ की पहचान करना तथा प्रथामिकता निर्धारित करने के लिए सिद्धांतो के निरूपण करने का अधिकार दिया गया. उपरोक्त कानूनी प्रावधानो के अधिकार का इस्तमाल करते हुए. महुआडांड प्रखंड के 44 ग्राम सभाओ मे मनरेगा से ली जाने वाली योजनाओ का निर्धारण प्रारंभ इन दिनो किया जा रहा है.अब तक 10 ग्राम सभाओ मे प्रारंभिक दौर की बैठक हो चुकी है.इन ग्राम सभाओ को तकनीकी मदद मल्टी आर्ट एसोसिएशन पलामू, नरेगा सहायता केंद्र, एवं समाज प्रगति केन्द्र रांची द्वारा किया जा रहा है।

## आदिम जनजाति समुदाय की बच्चियों के साथ हुआ दुष्कर्म

**चंदवा।** थाना क्षेत्र के कामता चटुआग निवासी दो आदिम जनजाति विलुप्त प्राय परहिया समुदाय की दो बच्चियों के साथ मानव तस्कर के द्वारा दुष्कर्म करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है।दोनों पीड़ित लड़कियों ने न्याय की मांग को लेकर लातेहार एसपी कार्यालय को आवेदन सौंपा है।दोनों लड़कियों में से एक नबालिग है। दोनों पीड़िताओं रीना कुमारी 16 वर्ष व शांति कुमारी 18 वर्ष (दोनों बदला हुआ नाम) ने थाने में दिए आवेदन के माध्यम से कहा है कि ढाई साल पहले विजय सिंह नामक व्यक्ति चटुआग गांव निवासी महिला की मदद से हमलोगों को काम दिलाने के बात बोलकर दिल्ली ले जाया गया था। दिल्ली में एक सप्ताह रखने के बाद रीना को घर में काम के संबंध में जयपुर राजस्थान भेज दिया और दूसरी लड़की शांति कुमारी को दिल्ली में ही एक घर में काम करने के लिए भेज दिया।लगभग ढाई साल काम करने के बाद जयपुर से रीना घर आने की बात बोलकर वहाँ से निकल गई। आते समय उसे गृह स्वामी के द्वारा 40 हजार रुपये दिया गया।वहीँ दूसरी लड़की शांति कुमारी दिल्ली से घर आने की जिद करने लगी जिसके बाद मानव तस्कर विजय के द्वारा उसे चंदवा पहुंचा दिया जब शांति ने ढाई साल काम के बदले में पैसे की मांग की तो उसे तस्कर द्वारा डराया धमकाया गया।

# कर्बला की जमीन को मोतबर कर दिया हुसैन नेः हसनैन जैदी

**पंच संवाददाता**

हुसैनाबाद : हुसैनाबाद अनुमंडलीय क्षेत्र के कर्बला के मैदान में हजरत एमाम हुसैन की याद में आज चालीसवाँ के मौके पर लोगों ने उन्हें खेराज पेश किया। दसवीं मुहर्रम को हुसैन व उनके अजीजों को शहीद कर दिया गया था। इसकी जानकारी देते हुए बेगम सदर इमामबारगह के मुत्तवल्ली सैयद हसनैन जैदी ने बताया कि उनके शवों को जलती जमीन पर यू हीं छोड़ दिया था। आज उन्हीं मजलुमों के याद में चेहल्लुम मनाया जाता हैं। आगे उन्होंने कहा की इस वर्ष वैश्विक महामारी कोविड 19 के कारण हुसैनाबाद में किसी भी प्रकार का मातमी जुलूस नहीं निकाला गया। सिर्फ सांकेतिक तौर पर शहीदों का ताबूत, अलम, सिपर , दुलदुल निकालकर खेराज पेश किया गया। जगह जगह आम तौर पर लोगो मे पानीव शर्बत भी तकसीम किया गया। वक्फ वासला बेगम सदर इमामबारगह के मुत्तवल्ली सैयद हसनैन जैदी ने बताया हम सरकारी गाइड लाइन के अनुसार उनकी याद में मशगूल हैं, हम लोग सरकार के आदेश को मानते हुए सिर्फ अलम , ताबुत, सिपर को दफनाने कर्बला लाए हैं। इस मौके पर मौलाना सैय्यद तहजीबुल हसन रिजवी ने बताया शहीदों को श्रद्धांजली देने को हम यहां आए हैं। उनपर किए गए जुल्मों को याद कर हम गम मनाते हैं। यह गम दुनिया का सबसे बड़ा गम है। पैगम्बर मोहम्मद साहब स०अ०व० के परीवार को एक दिन में खत्म कर दिया गया था। उनके शवों को जलती जमीन पर यू हीं छोड़ दिया गया था। उन मजलुमों पर यातनाओं का पहाड़ टूट पड़ा। आज हमारे समाज में किसी के परीवार में किसी एक की मौत हो जाए तो लोग दुखी परीवार को संतावना देने को मौजूद रहता है, परंतु कर्बला में ऐसे निर्दयी लोग मौजूद थें, जो दुखियों को संतावना देने के बजाए उन्हें यातनाएं देने में खुश होते थे। आज हम उनको याद करने यहां आते हैं। मौके पर मुख्य रूप से मुत्तवल्ली सैयद हसनैन जैदी, इमाम -ए-जुमा मौलाना सैय्यद अली सजीर रिजवी साहब, सैयद फिरोज हुसैन, सैयद तकी रिजवी, मिर्जा नेहाल, सैयद प्यारे हुसैन, मिर्जा अमिन, सैयद गजंफर हुसैन, सैयय्द अरशद हुसैन (सचीव, अनजुमन हुसैनी) आदि ने शांति व्यवस्था बनाने का काम किया ।

### निशुल्क वैक्सीनेशन कैप लगाया गया

**रांची।** मंगलवार को शहीदे आजम भगत सिंह जी की जयन्ती के अवसर पर भगत सिंह चैरिटेबल सोसाइटी के द्वारा लगाया निशुल्क वैक्सीनेशन कैम्प की शुरूआत शहीदे आजम भगत सिंह जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद शुरू की गयी पुष्पांजलि कार्यक्रम में सोसाइटी द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थान के बच्चों ने भी हिस्सा लिया और पुष्पांजलि अर्पित की सोसाइटी के सचिव निशांत यादव ने बच्चों एवं उपस्थित सभी लोगो के समक्ष भगत सिंह जी के विचारों में उनकी जीवनी को प्रस्तुत किया इस अवसर पर आयोजित की शुरूआत जय प्रकाश नगर स्थित माहुरी धर्मशाला में की गयी ।

## अमेजन ने भारत में अपनी वैश्विक कंप्यूटर साइंस शिक्षण पहल - अमेजन फ्यूचर इंजीनियर लांच की

**पंच संवाददाता**

**रांची।** अमेजन ने आज भारत में अपने वैश्विक कंप्यूटर साइंस (सीएस) शिक्षा पाठ्यक्रम अमेजन फ्यूचर इंजीनियर को लॉन-?च करने की घोषणा की. इस पाठ्यक्रम से अल्प प्रतिनिधित्व और अल्प सुविधा प्राप्त समुदायों के स्टूडेंट्स के लिए गुणवत्तापूर्ण सीएस शिक्षा तथा कॅरियर के अवसर मिलेंगे. शुरूआत के पहले वर्ष में अमेजन का लक्ष्य भारत में सात राज्यों में सरकारी और सहायता प्राप्त 900 स्कूलों के 1 लाख से अधिक स्टूडेंट्स को सीएस शिक्षण के अवसर मुहैया करना है. हालाँकि, भारत में सालाना 10 लाख स्टूडेंट्स सीएस इंजीनियरिंग कोर्सेज में नामांकन कराते हैं लेकिन अल्प सुविधाप्राप्त और अल्प प्रतिधिनित्व प्राप्त समुदायों के स्टूडेंट्स की भागीदारी काफी कम रहती है. इसके पीछे अनेक कारण हैं जिनमें सीएस से सम्बंधित आजीविका के अवसर का कम अनुभव, अपने समुदाय में प्रेरक रोले मॉडल की कमी, और रुचिकर पाठ्यक्रम फॉर्मेट्स की सुलभता में भाषा की दीवार सम्मिलित हैं. इसके अलावा, भारत में कंप्यूटर की उपलब्धता की तुलना में स्मार्टफोन की पैठ काफी ज्यादा है।

अधिकाँश आकर्षक सीएस मॉड्युल्स और ऑनलाइन सामग्री मोबाइल-फ्रेंडली नहीं है, बल्कि माध्यम के रूप में कंप्यूटर पर आश्रित हैं. यह स्थिति स्टूडेंट्स के लिए एक अलग बाधा है. अमेजन फ्यूचर इंजीनियर एक व्यापक चाइल्डहुड-टु-कॅरियर सामुदायिक प्रोग्राम है. इसका लक्ष्य स्टूडेंट्स को व्यक्तिगत, ऑनलाइन और मिश्रित शिक्षण प्रारूपों के माध्यम से शुरूआत ही से सीएस शिक्षा का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर इस अंतर को कम करना है।

# नरेन्द्र मोदी ने आर्थिक सुधारों को पुनर्परिभाषित, परिष्कृत और पुनर्निर्देशित किया

**➪भाजपा सरकार द्वारा आर्थिक पुनर्गठन को सरल बनाया गया और सेवाओं के वितरण पर जोर देते हुए विकास की गाथा में बदलाव किया गया**

**सैयद जफर इस्लाम**

7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपेक्षाकृत कम जाने - पहचाने नरेन्द्र मोदी के पदभार ग्रहण करने से पहले, इस राज्य में सूखे और अन्य प्राकृतिक आपदाओं का एक असुखद इतिहास था। इस राज्य के विकास के इंजन ने सीटी बजाना बंद कर दिया था। अब यह जानकारी आम है कि श्री मोदी ने इस राज्य का कायापलट कर दिया और इसे विकास एवं समृद्धि का पर्याय बना दिया। गुजरात न केवल अन्य भारतीय राज्यों के लिए ईर्ष्या का कारण बन गया, बल्कि इसकी तेज प्रगति भारत के बाहर भी चर्चा का विषय बन गई।

गुजरात के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने के बाद, श्री मोदी ने सात साल पहले इस देश के प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला। सार्वजनिक पद पर उनके 20 वर्षों के निर्बाध कार्यकाल ने उन्हें एक विकास पुरुष के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। उनकी आर्थिक दृष्टि ने आर्थिक सुधार से संबंधित उनके उस विचार को सामने रखा, जिसके तहत सबसे कमजोर आम आदमी तक सेवाओं का लाभ पहुंचाने पर काफी जोर दिया गया।

दिल्ली में उनके सत्ता संभालने के बाद, भारतीय मतदाताओं ने श्री मोदी को एक जन - नेता के रूप में तो देखा, लेकिन आर्थिक सुधारों के संदर्भ में उनकी सरकार से शायद बहुत अधिक की उम्मीद नहीं की। श्री मोदी ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन के अपने दर्शन को रेखांकित करते हुए प्रशासन को सुव्यवस्थित किया। उन्होंने भ्रष्टाचार से छुटकारा दिलाया और एक स्वच्छ शासन प्रदान किया।

यूपीए के 10 साल के शासन में भ्रष्टाचार, घोटालों और वित्तीय धोखाधड़ियों को देखते हुए श्री मोदी के लिए यह कोई आसान काम नहीं था। डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार निष्क्रिय भूमिका में थी क्योंकि वह एक ऐसे नीतिगत पक्षाघात से ग्रस्त थी, जो भारत की आजादी के बाद के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया था। उनकी गठबंधन की राजनीति ने प्रशासन को अलग-अलग दिशाओं में खींचा और निश्चित रूप से एक व्यापक प्रशासनिक बदलाव की जरूरत थी। इस संदर्भ में, श्री मोदी की सफलताएं अधिक सराहनीय लगती हैं। निस्संदेह, श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के लोगों को निराश नहीं किया। उन्होंने ताकतवर सौदेबाजों और रसूखदार पैरवी करने वालों को अपने से दूर रखा। उन्होंने चुपचाप ऐसे आर्थिक सुधारों की शुरूआत की जिसकी कल्पना महान पुरानी पार्टी और उसके हार्वर्ड-प्रशिक्षित तथाकथित 'सुधार ब्रिगेड', जिसने आर्थिक पुनर्गठन को त्वरित रूप से कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों, बहुराष्ट्रीय निगमों और बाजार निमार्ताओं के पक्ष में पारदर्शिता - रहित ह्यआकर्षक प्रिय सौदोंह्न के रूप में परिभाषित किया था, द्वारा अब तक भी नहीं की गई थी।

उदारीकरण के लाभों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से मोदी सरकार द्वारा पिछले सात वर्षों में आर्थिक, प्रशासनिक और शासन संबंधी सुधारों को पुनर्निर्देशित किया गया क्योंकि यह सरकार अंत्योदय की भारतीय अवधारणा में दृढ़ता से विश्वास करती है। यह बताने के लिए सैकड़ों उदाहरण दिए जा सकते हैं कि कैसे शासन को जमीनी स्तर पर ले जाया गया और उन सबसे गरीब लोगों को आर्थिक सुधारों के लाभ प्रदान किए गए, जिनकी परवाह कभी नहीं की गई।

कांग्रेस सरकारें, जोकि अब तक नेहरूवादी समाजवाद से जुड़ी हुई थीं, पुराने नीतिगत ढांचे के कारण विफल हो गईं। यही नहीं, ये सरकारें जैसे-तैसे अपना गुजारा कर रहे लाखों कमजोर लोगों को राहत पहुंचाने के लिए आर्थिक सुधारों को सही दिशा देने में असमर्थ रहीं।

मोदी युग के आर्थिक सुधार अपना असर दिखा रहे हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि ध्यान दिए जाने लायक क्षेत्रों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया और सेवाओं के वितरण पर जोर दिया गया। जन-धन योजना के माध्यम से बैंकिंग सुविधा से वंचित रहे क्षेत्रों में चौबीसों घंटे काम में जुटे 1.26 लाख से अधिक बैंक मित्रों की सहायता से 43.29 करोड़ खाते खोलकर बैंकिंग सेवा को लोगों तक पहुंचाया गया।

जब प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी अनूठी परियोजना, उज्ज्वला योजना, के तहत सभी के लिए स्वच्छ रसोई गैस कनेक्शन की घोषणा की, तो बहुत लोगों ने सरकार के इस कदम को गंभीरता से नहीं लिया। यह योजना जबरदस्त रूप से सफल रही है। इसके तहत रोजाना अपना भोजन पकाने के लिए संघर्ष करने वाली अधिकांश महिलाओं को 81.665 मिलियन से अधिक रसोई गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। वास्तव में, 7 सितंबर, 2021 तक और 1.669 मिलियन रसोई गैस कनेक्शन प्रदान किए जाने के साथ उज्ज्वला योजना 2.0 भी शुरू की गई।

मनमोहन सिंह ने जहां वृहद-आर्थिक पुनर्गठन से जुड़े मुद्दों को हल करने पर जोर दिया, वहीं मोदी सरकार ने लोगों को सामने आर्थिक सुधारों और भारत की विकास गाथा का फल परोसा। इसमें कोई संदेह नहीं कि वित्तीय समावेशन प्राप्त करने के लिए वैश्विक स्तर पर आर्थिक सुधार की सफलता की सबसे बड़ी कहानी के रूप में देखा जाता है। पिछले छह वर्षों में जमीनी स्तर पर उद्यमिता को मजबूत करने के लिए 28.68 करोड़ लाभार्थियों पर 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए, जोकि दुनिया भर के बैंकिंग इतिहास में अद्वितीय है। लेकिन यह मोदी युग का एक स्थापित तथ्य है।

आजादी के बाद 75 वर्षों में आम आदमी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई, जिसके कारण हर साल लाखों लोग जलजनित बीमारियों के शिकार होते हैं। हो सकता है कि इसे एक सम्मेलन - कक्ष से दूसरे सम्मेलन - कक्ष की ओर भागते रहने वाले लैपटॉप - छाप अर्थशास्त्रियों द्वारा एक बड़े सुधार के रूप में नहीं गिना जाए। लेकिन जल जीवन मिशन सबसे बड़ा सुधार है, जिसे किसी देश ने शुरू करने की हिम्मत की है। इस समर्पित मिशन और प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा दी गई सर्वोच्च प्राथमिकता की वजह से आज 8.18 करोड़ घरों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध है। इसमें से 4.94 करोड़ से अधिक घरों को पानी के कनेक्शन तो 15 अगस्त, 2019 के बाद ही मिले, जब जल मिशन चालू हुआ।

क्या नेहरूवादी नव-उदारवादी एक ऐसे नए भारत के विचार की कल्पना कर सकते थे, जहां हर परिवार के सिर पर छत हो? उन्होंने आसानी से ह्यकल्याणकारी राज्यह्न की अवधारणा, जिसे वे देश के भीतर और बाहर प्रतिपादित करते रहते हैं, को पूरा करने में नाकाम रहने के लिए धन की कमी से लेकर सीमित आर्थिक अवशोषण क्षमता जैसे कई बहाने गिनाए होंगे।

यहां एक ऐसी सरकार है, जिस पर सूट-बूट की सरकार का बहुत ही ओछा लांछन लगाया गया। इस सरकार में शहरों में बसे लोगों के लिए 54 लाख और गांवों में गरीबों के लिए एक करोड़ और घरों के निर्माण की घोषणा करने का साहस था। अगर सभी के लिए आवास एक जनोन्मुखी सुधारात्मक उपाय नहीं है, तो और क्या है?

जब 28 अप्रैल 2018 को मणिपुर के आखिरी गांव लीसांग को बिजली प्रदान की गई तो यह एक बहुत बड़ी बात थी। मोदी सरकार को भारत के इतिहास में आजादी के बाद सभी 5.97 लाख गांवों में बिजली पहुंचाने वाली सरकार के रूप में दर्ज किया जाएगा।

इस तरह के कदमों को आसानी से दीर्घकालिक सुधारों की सूची में शीर्ष पर रखा जा सकता है। ये कदम एक ऐसी इस सरकार द्वारा उठाए गए हैं, जिसे गलत तरीके से व्यापारियों की पार्टी के रूप में चिन्हित या निरूपित किया जाता है।

इसके उलट इस सरकार ने न सिर्फ वो सब हासिल किया है जिसे बहुत कम लोग कर पाए, बल्कि इस प्रक्रिया में इसने आर्थिक सुधारों को फिर से परिभाषित भी किया है। मोदी - पूर्व युग में आर्थिक सुधारों को भारतीय अर्थव्यवस्था को दुनिया के लिए खोलने, बड़े उद्योगों के लिए करों में कमी आदि के जरिए परिभाषित किया गया था।

आज शासन को सरल और सेवाओं के वितरण की ओर उन्मुख बनाकर आर्थिक सुधारों को नए सिरे से परिभाषित किया गया है, जिसमें उच्च माने जाने वाला कोई हार्वर्ड - जनित आर्थिक सिद्धांत नहीं है जोकि निकृष्ट किस्म के अथाह शब्दजाल हैं।

आर्थिक सुधारों को सरल बनाने और विकास के मानकों को फिर से गढ़ने का मतलब यह नहीं है कि यह बाजार विरोधी या उद्योग विरोधी है।

वस्तुओं और सेवाओं के अंतिम उपभोक्ता को सशक्त किए बिना कोई भी सुधार टिक नहीं सकता। अगर आर्थिक सुधारों को संकीर्ण रूप से परिभाषित किया जाता, तो उद्योग टिक नहीं सकते थे, बाजार का विस्तार नहीं होता, निर्यात नहीं बढ़ता या किसान समृद्ध नहीं होते और भारत की विकास गाथा कायम नहीं रहती।

**•(लेखक भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता,सांसद और ड्यूश बैंक, भारत के भूतपूर्व प्रबंध निदेशक हैं। यहां व्यक्त किए गए विचार, उनके व्यक्तिगत हैं।)**